राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वतन वापसी का काउंटडाउन शुरू.....

प्रियंका गांधी की 10 सितंबर को टोंक जिले के निवाई में सभा..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 118 | नई दिल्ली, शनिवार, 09 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

जी20 शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर दिल्ली अलर्ट पर, सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में दो दिवसीय जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर, शुक्रवार को यातायात नियमों पर प्रतिबंध लागू होने के साथ, राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। शुक्रवार सुबह से ही पुलिसकर्मी मध्य दिल्ली और आसपास के अन्य क्षेत्रों में वाहनों की जांच करते देखे गए। अधिकारी एक अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष के माध्यम से शहर के निगरानी भी कर रहे हैं, जो पूरे शहर में रणनीतिक रूप से पांच हजार सीसीटीवी कैमरों के नेटवर्क का उपयोग करता है। पुलिस के अनुसार, नियंत्रण कक्ष को जिलेवार दृश्य फीड प्राप्त होते हैं, और दो सुरक्षा दल निरंतर, चौबीसों घंटे निगरानी करने के लिए शिफ्ट में काम करते हैं। गुरुवार आधी रात से, गैर-आवश्यक वाहनों को शहर की सीमाओं से पूर्वी और पश्चिमी पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और अन्य वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। एक यातायात सलाह में कहा गया कि, यह प्रतिबंध भारी माल वाहन, मध्यम माल वाहन और हल्के माल वाहन पर लागू होता है, जिन्हें दिल्ली में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, दूध, सब्जियां, फल और चिकित्सा आपूर्ति जैसी आवश्यक वस्तुओं का परिवहन करने वाले मालवाहक वाहनों को वैध नो एंट्री परमिशन के साथ प्रवेश की अनुमति होगी। शनिवार से शुरू होने वाले हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के मद्देनजर, दिल्ली पुलिस ने विभिन्न सुरक्षा उपायों को लागू किया है, इसमें प्रमुख स्थानों पर कुशल

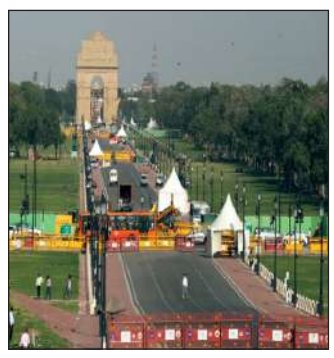

निशानेबाजों और सशस्त्र बलों की तैनाती, सीमा क्षेत्र में गश्त तेज करना और गहन सुरक्षा जांच शामिल है। अपने प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए, दिल्ली पुलिस को 50 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों, डॉग स्क्वॉड और घुड़सवार पुलिस इकाइयों का समर्थन मिल रहा है। किसी भी संभावित घटना को रोकने के लिए सुरक्षा बल भी हाई अलर्ट पर हैं। पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त चौकियां तैनात कर दी हैं। नागरिकों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। शिखर सम्मेलन से जुड़ी बहुमुखी सुरक्षा चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए, पुलिस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयामों पर जोर देती है। एक अधिकारी ने कहा, पिछले शिखर सम्मेलन स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव समूहों और स्थानीय संगठनों दोनों के विरोध के कारण कानून और व्यवस्था की चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। मध्य दिल्ली के राजघाट में महात्मा गांधी स्मारक का दौरा करने वाले जी20 प्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस ने क्षेत्र में बंदरों और कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए नागरिक एजेंसियों के साथ सहयोग किया है। अधिकारी ने कहा, हमने संबंधित एजेंसियों से प्रतिनिधियों की यात्रा के दौरान बंदरों और कुत्तों की उपस्थिति को कम करने के लिए पकडे वालों को तैनात करने का अनुरोध किया है। पास के जंगल क्षेत्र में हमने सांप पकडे वालों को भी शामिल करने के लिए प्रेरित किया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	61,080
चांदी	75,100
सेंसेक्स	65,953
निफ्टी	19,597

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति मुर्मू के रात्रिभोज में खडगे को निमंत्रण नहीं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, को शनिवार को राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। खडगे के कार्यालय के सूत्रों ने बताया, उन्हें अब तक राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। इससे पहले बुधवार को कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा था कि राष्ट्रपति द्वारा आयोजित रात्रिभोज के लिए कई केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन खडगे को निमंत्रण नहीं भेजा गया। उन्होंने यह भी कहा कि रात्रिभोज के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को आमंत्रित किया गया है। जी20 शिखर सम्मेलन इस साल भारत की अध्यक्षता में 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा जी20 रात्रिभोज में नहीं होंगे शामिल

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित जी20 रात्रिभोज में वह स्वास्थ्य संबंधी कारणों से शामिल नहीं होंगे। जनता दल (सेक्युलर) सुप्रीमो ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार को इस बारे में पहले ही बता दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, मैं जी20 शिखर सम्मेलन की शानदार सफलता की कामना करता हूं।

जी-20 : भारतीय सेना ने दिल्ली के तीन अस्पतालों को अपने कब्जे में लिया

- सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात
- वायु सेना के हेलीकॉप्टर राजधानी के 23 होटलों की कर रहे हैं हवाई निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी

जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर भारतीय सेना ने दिल्ली के तीन अस्पतालों को अपने कब्जे में लिया है, ताकि जरूरत पड़ने पर दिल्ली आये विदेशी मेहमानों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा सके। सेना ने अपने आर्मी रिसर्च ऐंड रेफरल अस्पताल को स्टैंडबाय पर रखा है। इसके अलावा जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात किया गया है। करीब 500 वीवीआईपी कारों का काफिला भी दिल्ली लाया गयाः दुनिया के 20 ताकतवर देशों के नेताओं और नौ अन्य आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ 1200 वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स दिल्ली में इकट्ठा हो रहे हैं। इसके अलावा इन 29 देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ करीब एक लाख सिक्यूरिटी स्टाफ और

द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल भी अपने-अपने राष्ट्राध्यक्षों या वरिष्ठ राजनयिकों के साथ दिल्ली पहुंच रहे हैं। विदेशी मेहमानों में कनाडा, फ्रांस, अमेरिका, चीन, रूस से करीब 500 वीवीआईपी कारों का काफिला भी दिल्ली लाया गया है, जिसमें 50 कारों का काफिला अकेले अमेरिकी राष्ट्रपति का है। विदेशी मेहमानों के ठहरने के लिए राजधानी के 23 पांच या सात सितारा होटलों को पहले से ही बुक कर दिया गया है। इनमें आम लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध है। इन सभी होटलों की जमीन से लेकर आसमान तक से निगरानी की जा रही है। अमेरिकी प्रेसिडेंट सुइट का एक दिन का किराया आठ लाख रुपयेः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ठहराने के लिए आईटीसी मौर्या की तीन मंजिल को उनके सर्विस सीक्रेट एजेंटों ने दो दिन पहले से ही अपने कब्जे में ले रखा है। होटल की तीसरी मंजिल पर बाइडन ठहरेंगे, लेकिन अमेरिकी प्रेसिडेंट के नीचे और उसके ऊपर वाले फ्लोर पर उनके सुरक्षाकर्मियों के अलावा कोई और नहीं ठहर सकता। होटल के प्रेसिडेंट सुइट का एक दिन का किराया आठ लाख रुपये है। बाइडन के होटल वाले कमरे की हर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को सर्विस सीक्रेट एजेंटों ने हटाकर अपनी डिवाइस लगाई है। कमरों की खिड़कियों को बुलेट प्रूफ बना दिया गया है। दिल्ली के 35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्थाः जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजन स्थल के आसपास दिल्ली के 35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर दिल्ली पुलिस के 60 हजार जवान, अर्ध सैनिक बल, एनएसजी और सीआरपीएफ के कमांडो को तैनात किया गया है। परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिए आयोजन स्थल के आसपास की ऊंची इमारतों पर एयरक्राफ्ट एंटी गनों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 40 हजार से ज्यादा सीसीटीवी, चेहरे को पढ़ने वाले कैमरे, पुलिस और कमांडो के स्नाइपर्स, खोजी कुत्तों को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। प्रगति मैदान के पास हाल ही में बनी टनल को आम लोगों की आवाजाही के लिए बंद करके सुरक्षा घेरे में लिया गया है। अस्पतालों में सभी राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कमरे बुकः इन सब सुरक्षा व्यवस्थाओं के बावजूद किसी भी आतंकवादी घटना या अन्य आपात स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली के एम्स, सफदरजंग और राम मनोहर लोहिया अस्पताल को 24 घंटे के लिए हाई अलर्ट पर रखा गया है। इन अस्पतालों में सभी राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कमरे बुक किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल इमरजेंसी मेडिकल सुविधा दी जा सके। इन तीनों अस्पतालों को भारतीय सेना ने अपने कब्जे में लेकर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमों सहित अपनी त्वरित प्रतिक्रिया चिकित्सा टीमों को तैनात किया है। सेना ने दिल्ली कैंट स्थित अपने आर्मी रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल को भी स्टैंडबाय पर रखा है। सेना की तीन ब्रिगेड के लगभग 6000 कर्मचारी तैनातः चारों अस्पतालों में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित टीमों को सेना की विशेषज्ञ कोर ऑफ इंजीनियर्स टीमों का भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय सेना का बम निरोधक दस्ता आयोजन स्थल से लेकर हवाई अड्डे तक तैनात किया गया है। इसमें तीन ब्रिगेड के लगभग 6000 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा कर्मियों को अत्याधुनिक हथियार दिए गए हैं। सेना ने अज्ञात स्थल पर एक गोदाम बनाया है, जहां पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद, बुलेट्स का भंडार रखा गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर कमी न हो। होटलों से लेकर भारत मंडपम तक के रूट को कई ब्लाक में बांटकर सुरक्षा की तैयारियां की गई हैं।

जी20 शिखर सम्मेलन के लिए प्रमुख सड़कों पर हो रही इको फ्रेंडली सजावट

नई दिल्ली, एजेंसी

जी20 शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर इको फ्रेंडली सजावट की जा रही है। यह सम्मेलन शनिवार को शुरू होने वाला है। यह उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश के बाद ऐसा किया गया है। एक सरकारी बयान में कहा गया है, वायु सेना स्टेशन, पालम से सरदार पटेल मार्ग से राजघाट तक सभी सड़कों पर, जहां वे जाएंगे, गेंदे के फूलों से सजे पेड़ जी20 का स्वागत करेंगे। इसमें कहा गया है कि दिल्ली छावनी बोर्ड द्वारा पालम तकनीकी क्षेत्र (थिम्मैया रोड और परेड रोड) के आसपास लगभग 400 पेड़ों को दो रंगीन गेंदे के फूलों की माला पहनाई जा रही है। बयान में आगे कहा गया, राजघाट के पास किसान घाट क्षेत्र के आसपास लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 200 पेड़ों और 100 खंभों पर माला लगाई जा रही है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा सरदार पटेल रोड और महत्वपूर्ण चौराहों के आसपास लगभग 1,200 पेड़, दिल्ली नगर निगम द्वारा लगभग 300 पेड़ लगाए जा रहे है।

जी20 शिखर सम्मेलनः प्रतिनिधि विभिन्न प्रदर्शनी में भारत की तकनीकी ताकत का अनुभव करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर कन्वेंशन सेंटर स्थित भारत मंडपम में कई प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी जो भारत की तकनीकी शक्ति और नवाचार का प्रदर्शन करेंगी तथा आगंतुकों को कई अनूठे अनुभव प्रदान करेंगी। सूत्रों के मुताबिक, सांस्कृतिक गलियारा-जी20 डिजिटल संग्रहालय जी20 के सदस्य देशों तथा आमंत्रित देशों की साझा विरासत का प्रतिनिधित्व करेगा और इसका जश्न मनाएगा। सूत्रों ने बताया कि इसमें भाग लेने वाले सदस्य देशों और नौ आमंत्रित देशों की प्रतिष्ठित और उल्लेखनीय सांस्कृतिक वस्तुओं और विरासत को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह गलियारा विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की समझ को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने, समावेशिता और समानता समेत साझा पहचान की भावना को बढ़ाने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में काम करेगा। सूत्रों के मुताबिक, डिजिटल इंडिया एक्सपीरियंस जोन, हॉल संख्या चार और 14 में स्थापित किया जा रहा है, जहां आगंतुकों को भारत की तकनीकी शक्ति का अनुभव करने का अनूठा अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की महत्वपूर्ण पहलों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा और आधार, डिजीलॉकर, यूपीआई, ई-संजीवनी, दीक्षा, भाषिनी, ओएनडीसी, आस्क गीता जैसी पहलों पर प्रकाश डालेगा। उन्होंने कहा कि ह्यआस्क गीताह्न (मार्गदर्शन, प्रेरणा, परिवर्तन और कार्रवाई) भगवद गीता के ज्ञान को अत्याधुनिक कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक के साथ जोड़ती है। उन्होंने बताया कि इसमें माईगव, कोविन, उमंग, जनधन, ई-एनएएम, जीएसटीएन, फास्ट टैग और सरकार की ऐसी अन्य पहल भी शामिल होंगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 'इनोवेशन पवेलियन जी20 शिखर सम्मेलन में अत्याधुनिक वित्तीय तकनीकों का प्रदर्शन करेगा जो वित्तीय परिदृश्य में क्रांति लाने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करेगा। उन्होंने बताया कि इसमें वित्तीय क्षेत्र में भारत के नवाचार के अनूठे पहलुओं को प्रदर्शित करने वाले उत्पाद शामिल होंगे। इनमें सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी, फ्रिक्शनलेस क्रेडिट के लिए पब्लिक टेक प्लेटफार्म, कागज रहित डिजीटल तरीके से ऋण प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग और अन्य अद्वितीय भुगतान प्रणाली (यूपीआई वन वर्ल्ड, रुपे ऑन द गो, भारत बिल भुगतान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बिल भुगतान आदि) शामिल हैं। यूपीआई वन वर्ल्ड उन विदेशी यात्रियों के लिए तैयार किया गया है जिनके भारत में बैंक खाते नहीं हैं। सूत्रों ने बताया, भारत मे रहने के दौरान विदेशी नागरिक बिना किसी परेशानी के सुरक्षित भुगतान का अनुभव हासिल करने के लिये प्रीपेड भुगतान सेवा का लाभ ले सकते हैं। इसमें उन्हें 2,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी, जिसका इस्तेमाल वे अपनी इच्छानुसार कर सकते हैं। भारत मंडपम के हॉल संख्या- तीन में स्थापित किए जा रहे शिल्प बाजार में आगंतुकों के लिए एक जिला एक उत्पाद और जीआई-टैग वाली वस्तुओं के साथ भारत के विभिन्न हिस्सों के हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

पूरे देश का गुस्सा भड़काना ठीक नहीं, उदयनिधि के बयान से कोई सहमत नहीं : संजय राउत

मुंबई, एजेंसी

तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी को खारिज करते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा है कि पूरे देश में गुस्सा भड़काना ठीक नहीं है और कोई भी उनके बयान से सहमत नहीं है। उदयनिधि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के बेटे हैं। द्रमुक विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के घटक दलों में से एक है। राउत ने कहा कि दक्षिण भारत के एक खास क्षेत्र का धर्म पर अलग दृष्टिकोण हो सकता है, लेकिन उसे इसे अपने तक ही सीमित रखना चाहिए। राज्यसभा सदस्य ने बृहस्पतिवार को कहा, इस तरह की टिप्पणी करके पूरे देश का गुस्सा भड़काना सही नहीं है। उदयनिधि ने सनातन धर्म पर जो टिप्पणी की है, उससे कोई भी सहमत नहीं है। भले ही ऐसे विचार व्यक्तिगत हों, उन्हें इसे अपने तक ही सीमित रखना चाहिए। राउत ने कहा, उनका निजी विचार हो सकता है और यह द्रविड़ संस्कृति का हिस्सा हो सकता है। इस सप्ताह की शुरूआत में, उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू से की थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बयान के लिए 28 विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया को

निशाना बना रही है। द्रमुक के लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा के बयान से विवाद और भड़क गया जब उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कुष्ठ रोग और एचआईवी जैसी बीमारियों से की। इस टिप्पणी के बाद भाजपा ने कहा कि यह विपक्षी दलों की गहरे हिंदूफोबिया को दशार्ती है। राउत ने कहा कि हर धर्म में मान्यताएं और अंधविश्वास हैं, लेकिन छुआछूत जैसे मुद्दों पर विरोध की आवाज हिंदू धर्म के भीतर से उठी है। उन्होंने कहा, राजा राममोहन राय से लेकर ज्योतिबा फुले से लेकर बी. आर. आंबेडकर तक, देश ने कई महान समाज सुधारकों को देखा है, यही वजह है कि सनातन धर्म अभी भी देश में जीवित है। राजा और उदयनिधि की टिप्पणियों पर विवाद छिड़ने के बाद कांग्रेस ने उनके बयानों से खुद को अलग करने की कोशिश की, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने भाजपा पर विपक्षी गठबंधन इंडिया में फूट डालने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर मोदी के फैसले की पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस-यूक्रेन युद्ध पर केंद्र सरकार के रुख का देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत ने शांति की अपील करते हुए अपने संप्रभु और आर्थिक हितों को पहले स्थान पर रखकर सही काम किया है। दरअसल, जी-20 बैठक से पहले एक इंटरव्यू में मनमोहन सिंह ने यह बात कही है। इसी के साथ ही उन्होंने घरेलू राजनीति के लिए विदेश नीति का उपयोग करने पर भी चेतावनी दी है। पूर्व पीएम ने कहा कि उनके समय में विदेश नीति घरेलू राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई थी। उन्होंने कहा कि पार्टी राजनीति के लिए कूटनीति का इस्तेमाल करते समय संयम बरतना जरूरी है। मनमोहन सिंह ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मेरे जीवनकाल में मिली और मैं जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत द्वारा विश्व नेताओं की मेजबानी करने का गवाह बनूंगा। पूर्व पीएम ने कहा कि विदेश नीति हमेशा से भारत के गवर्नेंस फ्रेमवर्क का एक महत्वपूर्ण तत्व रही है, लेकिन यह कहना उचित है कि यह आज घरेलू राजनीति के लिए पहले की तुलना में और भी ज्यादा उचित और महत्वपूर्ण हो गई है। जबकि दुनिया में भारत की स्थिति घरेलू राजनीति में एक मुद्दा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी या व्यक्तिगत राजनीति के लिए कूटनीति और विदेश नीति का उपयोग करने में संयम बरतना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मनमोहन सिंह ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर सरकार की सख्त कूटनीतिक स्थिति से निपटने की बात पर कहा कि केंद्र ने सही काम किया है। उन्होंने कहा कि जब दो या दो से अधिक देशों में जंग हो जाती है तो अन्य देशों पर पक्ष चुनने का दबाव होता है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भारत ने शांति की अपील करते हुए हमारे संप्रभु और आर्थिक हितों को पहले रखकर सही काम किया है। पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी विवादों को निपटाने के मंच के रूप में जी-20 की कभी कल्पना नहीं की गई थी। जी-20 के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह सुरक्षा मतभेदों को दूर रखे और जलवायु, असमानता और वैश्विक व्यापार में विश्वास की चुनौतियों से निपटने के लिए नीति समन्वय पर अपना ध्यान केंद्रित करे। चीन संबंधों और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शिखर सम्मेलन में शामिल न होने पर उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की क्षेत्रीय और संप्रभु अखंडता की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। साथ ही उन्होंने सरकार को कोई सलाह देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि जटिल राजनयिक मामलों को संभालने के तरीके पर प्रधानमंत्री को सलाह देना मेरे लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री भारत की क्षेत्रीय और संप्रभु अखंडता की रक्षा करने और द्विपक्षीय तनाव को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

जी-20 दिल्ली और उसके आसपास बड़ी संख्या में हमलावर हथियार तैनात किये गए.....

जी-20 : वायु सेना ने रोका 'त्रिशूल' अभ्यास, एयर पेट्रोलिंग करेंगे लड़ाकू विमान

- एक्सरसाइज त्रिशूल में शामिल विमानों के उड़ान और संचालन पर रोक लगी

नई दिल्ली, एजेंसी

जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए देश की राजधानी दिल्ली में दुनिया के 20 ताकतवर देशों के नेताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर भारतीय वायु सेना ने चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर 04 सितम्बर से चल रहे अभ्यास ह्यत्रिशूलह्न पर रोक लगा दी है। सिर्फ एक्सरसाइज त्रिशूल में शामिल विमानों के उड़ान और संचालन पर रोक लगाई गई है, जबकि अन्य नियमित उड़ानें जारी रहेंगी। जी-20 की सुरक्षा के लिए मिराज-2000 और राफेल जैसे लड़ाकू विमान एयर पेट्रोलिंग करेंगे। राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हवाई क्षेत्र की सुरक्षा जिम्मेदारी भारतीय वायु सेना की होगी, जिसके लिए दिल्ली और उसके आसपास बड़ी संख्या में रक्षात्मक और हमलावर हथियारों को पहले ही तैनात किया गया है। शिखर सम्मेलन में शामिल होने तमाम वैश्विक नेता राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आने लगे है, जिन्हें कड़ी सुरक्षा घेरे में रखा गया है। आसमानी सुरक्षा के लिए दिल्ली और उसके आसपास बड़ी संख्या में रक्षात्मक और हमलावर हथियारों को

तैनात किया गया है। जी-20 की सुरक्षा के लिए मिराज-2000 और राफेल जैसे लड़ाकू विमान एयर पेट्रोलिंग करेंगे। शिखर सम्मेलन की तैयारियों के बीच वायु सेना ने 04 सितम्बर से चीन और पाकिस्तान बॉर्डर पर सैन्य अभ्यास शुरू किया था, जिसे त्रिशूल नाम दिया गया। वायु सेना ने 14 सितंबर तक चलने वाला यह अभ्यास लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और पंजाब सहित उत्तरी क्षेत्र में ऐसे समय शुरू किया था, जब जी-20 शिखर सम्मेलन की हवाई सुरक्षा करने की जिम्मेदारी भी वायु सेना के ही पास है। शिखर सम्मेलन को देखते हुए वायु सेना ने अपना हवाई अभ्यास "त्रिशूल" बीच में ही रोक दिया है। इस अभ्यास में राफेल, मिराज-2000 और सुखोई-30 सहित चिनूक और अपाचे सहित भारी-लिफ्ट परिवहन विमान भी भाग ले रहे थे। त्रिशूल में शामिल विमानों के उड़ान और संचालन पर रोक लगा दी गई है, जबकि अन्य नियमित उड़ानें जारी रहेंगी। वायु सेना ने दिल्ली के आसमान की सुरक्षा के लिए आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम और एंटी-एयरक्राफ्ट गन जैसी वायु रक्षा प्रणालियों को भी तैनात किया है। हवाई सुरक्षा से जुड़े वायु सेना के एक अधिकारी ने बताया कि दुश्मन के विमानों या ड्रोनों को मार गिराने के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को भी दिल्ली के आसपास के स्थानों पर ले जाया गया है। इस दौरान भारतीय वायु सेना जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए देश भर के हवाई क्षेत्र पर नजर रखने के लिए अपने फाल्कन अवाक्स विमान का संचालन शुरू करेगी। इसके अलावा दिल्ली के आसमान की सुरक्षा के लिए राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों को उन्नत हवाई अड्डों पर तैनात किया जा रहा है।

न ओटीपी आया और न ही लिंक, फिर भी खाते से उड़ गए 1.65 लाख

किच्छा, एजेंसी। न मोबाइल पर कोई ओटीपी आया और न ही खाता संबंधित किसी तरह की जानकारी किसी से साझा की। उसके बाद भी खाते से 1.65 लाख की रकम निकल गई। जानकारी मिलने पर बैंक से संपर्क किया परंतु कोई समाधान नहीं निकला तो साइबर थाने में शिकायत की गई। साइबर थाने की प्रारंभिक जांच के उपरांत किच्छा पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। वार्ड नंबर छह नई सुनहरी निवासी शाहिद पुत्र अब्दुल इस्लाम ने दिए प्रार्थना पत्र में कहा उसकी मां अमीर जहां के नाम पंजाब नेशनल बैंक में बचत खाता है। उसकी मां के बैंक में रजिस्टर मोबाइल नंबर पर किसी तरह का कोई ओटीपी नहीं आया और न ही किसी को फोन पर उसी मां ने बैंक संबंधित कोई जानकारी ही दी। फिर भी उनके खाते से पैसे उड़ा लिए गए। 15 जुलाई से 17 अगस्त के बीच में उसकी मां के बैंक खाते से एक लाख पैसठ हजार की धनराशि निकाली गई। साइबर क्राइम करने के लिए लोग अब नया नया पैतरा आजमा रहे हैं। क्रिमिनल भी अब अपडेट हो गए हैं। जब उसकी मां आवश्यकता पड़ने पर बैंक में पैसा निकालने गई तो उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसके खाते से 1.65 लाख रुपये की धनराशि निकाल लिए गए थे। बैंक प्रबंधन से जानकारी मिलने के बाद साइबर थाने में मामले की शिकायत की। मुकदमा दर्ज कर किच्छा पुलिस साइबर ठगों पर शिकंजा कसने में जुट गई है। फिलहाल साइबर क्राइम थाने की टीम इसकी जांच कर रही है।

सड़क हादसे में आईटीआई कर्मी की मौत

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिला मुख्यालय के स्यालीधार के पास सड़क दुर्घटना में फलसीमा आईटीआई में स्टोर कीपर की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अल्मोड़ा-कोसी मोटर मार्ग में स्यालीधार स्थित वेयर हाउस के पास बाइक सवार एक व्यक्ति बेहोश मिला। वहां से गुजर रहे लोगों ने उसे बेस अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक कुलदीप सिंह (40) निवासी देघाट स्याल्दे हाल निवासी, विवेकानंदपुरी वार्ड में रहता था और आईटीआई में स्टोर कीपर था। एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने बताया कि पुलिस को अस्पताल से घटना की सूचना मिली है। मृतक की बाइक खुद ही दुर्घटनाग्रस्त हुई या फिर किसी अन्य वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारी, इसकी जांच की जा रही है। इसके बाद ही घटना के कारणों का पता चल सकेगा। संवाद नशे में कार दौड़ने पर चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने नगर के टैक्सी स्टैंड के पास एक कार को रोककर चालक विक्रम सिंह, निवासी रामपुर रोड हल्द्वानी की जांच की तो वह नशे में मिला। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चालक को गिरफ्तार कर कार को सीज कर दिया। एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने कहा कि नशे में वाहन दौड़ाने वालों के खिलाफ चेकिंग अभियान जारी रहेगा।

हापुड़ की घटना के विरोध में वकीलों ने किया प्रदर्शन

काशीपुर, एजेंसी। हापुड़ के अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में जिले भर में वकीलों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे। काशीपुर में वकील न्यायिक कार्यों से विरत रहे। बार संघ अध्यक्ष संजय चौधरी के नेतृत्व में वकीलों ने एसडीएम अभय प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा। वहां पर सचिव प्रदीप कुमार चौहान, वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा, आनंद स्वरूप रस्तोगी, भास्कर त्यागी, विवेक मिश्रा, अनिल शर्मा, कैलाश बिष्ट, वीरेंद्र चौहान आदि थे। वहीं, जसपुर में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम गौरव चटवाल को सौंपा। वहां पर दिग्विजय सिंह, देवेंद्र जीत सिंह, सलीम अहमद, राजकुमार भारद्वाज, संदीप शर्मा, महिपाल सिंह, संजय शर्मा, यशपाल सिंह गौतम आदि थे। बाजपुर में वकील न्यायिक कार्यों से विरत रहे। वहां पर नीरज जौहरी, सूरज शर्मा, अजीम अहमद, मो. सरफराज, हीरा शर्मा, सूरज सागर आदि थे। अधिवक्ता एसोसिएशन खटीमा ने तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज, फर्जी रजिस्ट्री में देहरादून पुलिस की ओर से अधिवक्ताओं पर उत्पीड़न और गाजियाबाद में एक अधिवक्ता की गोली मारकर हत्या पर आक्रोश जताया। वहां एसोसिएशन अध्यक्ष सूरज राणा, प्रियंका पाठक, छत्तर सिंह सेल्ला, नईम रिजवी आदि थे।

हर हरकत पर नजर रखेगा बॉडी वार्न कैमरा

काशीपुर, एजेंसी। अक्सर सड़कों पर लोग परिवहन कर्मियों से उलझते हुए नजर आते हैं। अब परिवहन परिवहन विभाग प्रदेश में देहरादून, काशीपुर समेत 11 स्थानों पर बाइक दलों को बॉडी वार्न कैमरों से लैस कर मार्ग पर उतारने जा रहा है। विभाग ने प्रवर्तन कार्य के दौरान चेकिंग से संबंधित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाए जाने के लिए बॉडी वार्न कैमरे खरीदे हैं। पहले चरण में वरिष्ठ प्रवर्तन पर्यवेक्षक स्तर पर 25 बाइक दलों में 25 कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी, जिन्हें ये कैमरे मुहैया कराए जाएंगे। बॉडी वार्न कैमरे मिलने से प्रवर्तन कर्मियों को सहायता मिलेगी। कर्मी के साथ अभद्रता करने की घटना कैमरे में कैद हो जाएगी। इसके आधार पर कर्मी आसानी से कार्रवाई कर सकेंगे।

एनएचएम कर्मियों को तीन माह से नहीं मिला वेतन

रूड़की, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत तैनात चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। वो बच्चों की फीस भी जमा नहीं कर पा रहे हैं। घर का राशन भी खरीदना मुश्किल हो गया है। तीन माह से वेतन न मिलने कारण यह दिक्कतें आ रही हैं। इससे एनएचएम कर्मियों में रोष है। सिविल अस्पताल रुड़की व जिले के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 650 चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। एनएचएम कर्मियों को जून, जुलाई और अगस्त का वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों का कहना है कि वेतन न मिलने के कारण काफी परेशानी हो रही है। वह बच्चों की स्कूल व ट्यूशन फीस नहीं दे पा रहे हैं। स्कूल से आए दिन फीस के लिए फोन आ रहे हैं।कर्मचारियों ने तुरंत वेतन जारी करने की मांग की है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष रोशनी नौटियाल ने बताया कि कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है। अधिकारी बजट जारी न होने की बात कह रहे हैं। कर्मचारी बेहद परेशान हो गए हैं। उनके पास वेतन के अलावा आमदनी का कोई जरिया भी नहीं है। कर्मचारियों के भूखों मरने की नौबत आ गई है। जल्द ही वेतन जारी नहीं होता है तो सभी कर्मचारी आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

दुकान आवंटित नहीं होने से दरगाह को लाखों का नुकसान

रूड़की, एजेंसी। दरगाह पहाड़ी गेट की प्रसाद की दुकान का आवंटन नहीं होने से दरगाह को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। टेंडर की शर्तें पूरी नहीं होने के चलते पहाड़ी गेट पर प्रसाद की दुकान करीब 40 दिनों से खाली पड़ी है।उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अधीन आने वाली पिरान कलियर की तीन प्रमुख दरगाहों का ज़िम्मा जिला प्रशासन का है। जिलाधिकारी हरिद्वार ने दरगाह की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की को सौंप रखी है। टेंडर का समय पूरा होने के बाद यहां पर ठेकेदार ने 31 जुलाई को दुकान खाली कर दरगाह प्रबंधक के सुपुर्द कर दिया था।करीब 35 दिन का समय बीत जाने के बाद भी दुकान का आवंटन नही किया गया है। इससे दरगाह को प्रतिदिन 36850 रुपये और 18 प्रतिशत जीएसटी का नुकसान रोजाना हो रहा है। वहीं वक्फ बोर्ड के सीईओ सैय्यद सिराज उस्मान ने बताया कि दुकान के आवंटन के लिए कई बार टेंडर निकाले गए हैं।

अल्मोड़ा में तीन साल में पहली बार युवती समेत तीन लोगों में डेंगू की पुष्टि

अल्मोड़ा, एजेंसी।
जिले में डेंगू का प्रकोप बढ़ने लगा है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। तीन साल में पहली बार जिले में एक युवती सहित तीन लोग डेंगू से ग्रसित मिले हैं। दो की हालात स्थिर होने पर उन्हें चिकित्सकों ने घर भेज दिया जबकि युवती को जिला अस्पताल में भर्ती करना पड़ा है।

जिले में डेंगू पांव पसारने लगा है। जानकारी के मुताबिक बीते बुधवार को तेज बुखार की शिकायत पर एक युवती सहित तीन लोग जिला अस्पताल पहुंचे। लक्षण मिलने पर तीनों की डेंगू की जांच की गई, जिसमें तीनों इससे ग्रसित मिले हैं। हालांकि डेंगू से ग्रसित दो लोग देहरादून और युवती हरिद्वार से यहां पहुंची हैं। लेकिन एक साथ तीन लोगों के डेंगू से ग्रसित मिलने पर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में डेंगू की जांच बढ़ा दी है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं डेंगू के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में डेंगू की पहचान और रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाया है। जिले के अस्पतालों में हर रोज 80 से अधिक मरीजों की डेंगू जांच हो रही है। राहत की बात यह है कि जिले में रहने वाले लोग डेंगू से

ग्रसित नहीं मिल रहे हैं। जिले में डेंगू के तीन एक्टिव केस हैं, जिनकी ट्रेवल हिस्ट्री बाहर की है। डेंगू से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी तेज कर दी है। विभाग ने डेंगू मरीजों के लिए रानीखेत उप जिला चिकित्सालय, जिला और बेस अस्पताल में डेंगू वार्ड बनाए हैं और प्रत्येक अस्पताल में 10-10 बेड लगाए गए हैं। जिले में तीन मरीज डेंगू से ग्रसित मिले हैं, जिनकी ट्रेवल हिस्ट्री बाहर की है। तीनों का इलाज किया जा रहा है। डेंगू की पहचान के लिए अस्पतालों में जांच हो रही है। - डॉ. कमलेश जोशी, जिला मलेरिया अधिकारी, अल्मोड़ा। जिस मच्छर के कारण लोग मलेरिया और डेंगू की जकड़ में फंस रहे हैं, उसके कारणों की पहचान करने वाले महान वैज्ञानिक रोनाल्ड की जन्मस्थली अल्मोड़ा रही है। उनका जन्म जिला मुख्यालय के थामसन हाउस में हुआ था। मच्छर के काटने से मलेरिया फैलने की खोज करने पर उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 13 मई 1857 को रोनाल्ड रास का जन्म हुआ। 1889 में महामारी फैलने पर उन्होंने मलेरिया को लेकर शोध शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने शोध पूरा कर मलेरिया के कारणों की खोज की। उन्होंने मच्छर खासकर मादा एनाफिलीज के काटने से मलेरिया रोग का पता लगाया। इस खोज के आधार पर वर्ष 1902 में उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी इस खोज ने मलेरिया के उपचार में पूरे विश्व में क्रांति लाने का काम किया जिसे आज भी याद किया जाता है। जिले में बीते तीन सालों में एक भी डेंगू का मरीज सामने नहीं आया है। स्वास्थ्य विभाग के आकड़ों के मुताबिक तीन साल से यहां डेंगू का प्रकोप पूरी तरह थमा था। लेकिन फिर से यहां डेंगू ने दस्तक दी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग के साथ ही आम लोगों की चिंता बढ़ गई है। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की बैठक में पूर्व सैनिकों ने जिले में बढ़ते डेंगू मरीजों की संख्या पर चिंता जताई। इस दौरान उन्होंने नगर पालिका से फॉगिंग और कीटनाशक के छिड़काव की मांग की। पूर्व सैनिकों ने कहा कि जिले में डेंगू पांव पसार रहा है। ऐसे में पालिका को मच्छरों से निजात दिलाने के लिए फॉगिंग करनी होगी। उन्होंने जिले के गांवों में जमीन की अवैध खरीद-फरोख्त पर भी चिंता जताई। कहा कि बाहरी लोग ग्रामीणों को लालच देकर जमीन की खरीद फरोख्त कर रहे हैं, जिसके प्रति सभी को जागरूक होना होगा। उन्होंने धारानौला, करबला से विकास भवन तक सिटी बस संचालित करने की भी मांग की। इस मौके पर सेवानिवृत्त कैप्टन महेंद्र सिंह मनराल, परिषद अध्यक्ष सेवानिवृत्त सूबेदार आनंद सिंह बोरा, सुरेंद्र लाल टम्टा, पीजी गोस्वामी, केशव दत्त पांडे, त्रिलोक सिंह, विनोद गिरी, प्रकाश बोरा आदि मौजूद रहे।

डेंगू के साथ चिकनगुनिया और स्क्रब टायफस भी कर रहा वार

देहरादून, एजेंसी। डेंगू के साथ चिकनगुनिया और स्क्रब टायफस भी मरीजों को परेशान कर रहा है। दून अस्पताल में स्क्रब टायफस और निजी अस्पताल में चिकनगुनिया का मरीज मिल चुका है। हालांकिए स्वास्थ्य विभाग ने इन मामलों को रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया है। दून अस्पताल के एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि अस्पताल में एक से दो फीसदी मरीज चिकनगुनिया और स्क्रब टायफस के आ रहे हैं। सभी मरीजों का इलाज किया जा रहा है। मेडिसिन विभाग के हेड डॉ. नारायण जीत सिंह ने बताया कि डेंगू, चिकनगुनिया और स्क्रब टायफस तीनों अलग हैं। जिस तरह से डेंगू में प्लेटलेट्स कम होती हैं, वैसे चिकनगुनिया या स्क्रब टायफस में प्लेटलेट्स कम नहीं होती हैं। चिकनगुनिया में तेज बुखार आता है। बुखार के बाद लंबे समय तक जोड़ों का दर्द परेशान करता है। वहीं, स्क्रब टायफस में मरीज को बुखार के साथ ही लिवर, किडनी और ब्रेन पर प्रभाव पड़ता है। चिकनगुनिया और डेंगू अगर एक मरीज में एक साथ आता है तब भी इलाज एक तरह से ही दिया जाएगा। अगले कुछ दिनों में इन तीनों बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है।

विवि के छात्रावास में न पेयजल ना ही खिड़कियों के शीशे

अल्मोड़ा, एजेंसी। सोबन सिंह जीना परिसर में छात्र जर्जर छात्रावास में रहने के लिए मजबूर हैं। कुर्मांचल छात्रावास का हाल यह है कि कमरों के दरवाजे और खिड़कियां क्षतिग्रस्त हैं। छात्रों ने खिड़कियों में शीशे न होने के कारण गत्ते लगा रखे हैं। इतना ही नहीं छात्रावास की छत जर्जर होने की वजह से बारिश का पानी कमरों में टपकता रहता है वहीं दूसरी ओर छात्रों को छात्रावास में पीने के लिए शुद्ध पेयजल तक मयस्सर नहीं है।

बृहस्पतिवार को संवाद टीम ने एसएसजे परिसर के कुर्मांचल छात्रावास की पड़ताल की। सुबह दस बजे टीम छात्रावास पहुंची। तो देखा कि छात्रावास भवन की दीवारों पर घास उगी हुई है। अधिकतर कमरों की छत जर्जर हो चुकी है, जिससे हल्की बारिश में भी पानी टपकने लगता है। कमरों की खिड़कियों के शीशे ही नहीं हैं। छात्रों ने अखबार और किताबों के गत्तों से खिड़कियों को बंद रखा है। वहीं कई छात्र प्राकृतिक जल स्रोत से पीने के लिए पानी ढोते मिले।

छात्रों ने बताया कि लंबे समय से छात्रावास में पेयजल संकट बना हुआ है और उन्हें पीने का पानी तक नसीब नहीं हो रहा है। ऐसे में उन्हें प्राकृतिक जल स्रोत की दौड़ लगाना मजबूरी है। ऐसे हालात में उनके लिए यहां रहना कठिन हो गया है। छात्रावास की समस्याओं के चलते उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। संवाद

अल्मोड़ा। छात्रावास में 70 से अधिक छात्र रहते हैं। लेकिन उनके लिए यहां बने शौचालयों की हालत दयनीय है। अधिकतर शौचालयों की खिड़कियों में लगी जाली क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिन्हें ठीक नहीं किया गया। छात्रावास की सुरक्षा दीवार भी क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

विभागों की आपसी खींचतान से शहर रहा प्यासा

हल्द्वानी, एजेंसी।
शहर में गौला से पानी की आपूर्ति कराने वाले शीशमहल फिल्टर प्लांट को बृहस्पतिवार को सात घंटे पानी नहीं मिल पाया जिससे सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक प्लांट से पेयजल आपूर्ति बाधित रही। इस दौरान दस हजार की आबादी पानी के लिए परेशान रही। विभागीय टैंकरों की संख्या कम होने के कारण कुछ ही इलाकों में वैकल्पिक व्यवस्था से आपूर्ति हो पाई।

गौला से हुए सात घंटे के ब्रेक डाउन ने उमस गर्मी में दस हजार की आबादी को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा दिया। इस ब्रेकडाउन को लेकर सिंचाई विभाग और जल संस्थान एक दूसरे के आमने-सामने आ गए। ब्रेक डाउन को लेकर जल संस्थान के अधिकारियों का कहना था कि पूर्व में सूचना दिए बिना ही सिंचाई विभाग ने गौला से आपूर्ति बंद कर दी। इधर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेटर के माध्यम से सूचना दे दी गई थी। दोनों विभागों की खींचतान का असर शहर की पेयजल व्यवस्था पर पड़ा। शाम को भी शीशमहल प्लांट से पानी नहीं मिल पाया।

दिनभर लोग उमस और गर्मी में पानी के लिए परेशान रहे। इस दौरान विभाग की ओर से सात टैंकरों के माध्यम से कमौला, गौला गेट, छड़ायल और दमुवाढूंगा में पानी बांटा गया। इसके अलावा टैंकरों की संख्या कम होने के चलते नारायण नगर, बजूनिया हल्दू, फूलचौड़, पीडी कॉलोनी, कुंवरपुर और कुसुमखेड़ा में पेयजल किल्लत बनी रही।

सिंचाई विभाग ने सूचना दिए बिना गौला से सप्लाई रोक दी है जिसके चलते दिन भर गौला आच्छादित इलाकों में पानी नहीं मिल सका। वहीं शाम की सप्लाई भी पूर्ण रूप से प्रभावित रही। - नीरज तिवारी, एई जल संस्थान।

जल संस्थान के प्लांट के ऑपरेटरों को पानी की सप्लाई रोकने की सूचना पूर्व में दे दी गई थी। अधिकारी और कर्मचारियों के मनमुटाव के चलते ये परेशानी सामने आई है। टैंकरों से पानी आपूर्ति रोकने के मामले में जल संस्थान के महाप्रबंधक डीके सिंह ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि लंबित बिलों की जांच की जाएगी। इसके अलावा वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था को ठीक करने के लिए विभागीय टैंकरों की संख्या को बढ़ाया जाएगा जिससे आने वाले समय में प्राइवेट टैंकरों की आवश्यकता नहीं रहेगी।

योग नगरी ऋषिकेश से संचालित होगी उज्जैन और इंदौर एक्सप्रेस, शेड्यूल हुआ जारी

ऋषिकेश, एजेंसी।
ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के पहले स्टेशन योग नगरी ऋषिकेश से अब लंबी दूरी की दो और रेल सेवाएं संचालित होंगी। अभी तक देहरादून से संचालित होने वाली उज्जैन एक्सप्रेस तथा इंदौर एक्सप्रेस को अब जनवरी 2024 से योग नगरी ऋषिकेश टर्मिनल से चलाने का निर्णय लिया गया है। रेलवे ने दोनों ट्रेनों का नया शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यह दोनों ट्रेन सप्ताह में दो-दो दिन संचालित होती हैं।

योग नगरी ऋषिकेश, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना का पहला और महत्वपूर्ण स्टेशन है। योग नगरी ऋषिकेश टर्मिनल से 11 जुलाई 2021 से लंबी दूरी की रेल गाड़ियों का संचालन शुरू हुआ था। जिसके बाद यहां लगातार ट्रेनों की संख्या बढ़ती जा रही है। अभी तक देहरादून से संचालित होने वाली उज्जैन एक्सप्रेस तथा इंदौर एक्सप्रेस को अब जनवरी 2024 से योग नगरी ऋषिकेश टर्मिनल से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। रेलवे ने इसके लिए बाकायदा शेड्यूल भी जारी कर दिया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने बताया कि उज्जैन एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 14309/10) तीन जनवरी से नए शेड्यूल के

मुताबिक योग नगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर के बीच संचालित होगी। लक्ष्मीबाई नगर से सायं 03:15 बजे चलकर चार जनवरी को सायं 06:45 बजे योग नगरी ऋषिकेश पहुंचेगी। जबकि योग नगरी ऋषिकेश से यह गाड़ी प्रातः 6:15 पर लक्ष्मीबाई नगर के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन सप्ताह में मंगलवार तथा बुधवार को संचालित होती है। वहीं सप्ताह में दो दिन शुक्रवार तथा शनिवार को संचालित होने वाली इंदौर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 14317/18) छह जनवरी से योगनगरी-लक्ष्मीबाई नगर के बीच संचालित होगी। यह ट्रेन सायं 03:25 बजे लक्ष्मीबाई नगर से चलकर अगले दिन सायं 06:45 बजे योग नगरी पहुंचेगी। जबकि योग नगरी से प्रातः 6:15 पर लक्ष्मीबाई नगर के लिए रवाना होगी। इन दोनों ट्रेनों का शेड्यूल जारी होने के बाद अब देहरादून से इन दोनों ट्रेनों के रिजर्वेशन भी बंद कर दिए गए हैं। नए शेड्यूल में खास बात यह है कि अब यह ट्रेनें योग नगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर के बीच संचालित होंगी।

मोबाइल को लेकर तकरार, खुशहाल परिवार में पड़ रही दरार

हल्द्वानी, एजेंसी। मोबाइल को लेकर होने वाली तकरार अब खुशहाल परिवारों में दरार डाल रही है। बीते अगस्त में महिला समाधान केंद्र हल्द्वानी में घरेलू विवाद के जिले भर से 356 मामले आए, इनमें 50 फीसदी विवाद का कारण मोबाइल पर समय-असमय बातचीत को लेकर हुई तकरार है। अधिकतर मामलों में पत्नी की ओर से फोन पर घंटों मायके वालों से बात करने और सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने को लेकर कलह सामने आई है।

महिला हेल्पलाइन की काउंसलर के अनुसार, कई ऐसी शिकायतें भी आई हैं जिनमें पति-पत्नी दोनों ही मोबाइल पर घंटों दूसरों से बतियाते हैं और एक-दूसरे पर एतराज जताते हुए आपस में झगड़ते हैं। पति को पत्नी के घंटों मोबाइल पर मायके वालों से बात करना भी नहीं भा रहा है। पत्नी भी पति के सोशल साइट पर घंटों एक्टिव रहने को लेकर एतराज जता रही हैं। संवाद

काठगोदाम निवासी महिला ने हेल्पलाइन पर फोन कर बताया कि उसके पति ने उसे मोबाइल पर बात करने पर घर से निकाल दिया। इसके बाद पति-पत्नी दोनों को समाधान केंद्र बुलाया गया जहां दो बार की काउंसलिंग के बाद पति ने बताया कि पत्नी घंटों तक मोबाइल पर मायके वालों से बात करती है जिससे उनकी गृहस्थी पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। दोनों को समझाया गया जिसके बाद पत्नी ससुराल जाने के लिए राजी हुई। मुखानी निवासी एक महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति सोशल साइट पर बिजी रहता है। कुछ कहने पर आक्रोशित होकर मारपीट करता है। समाधान केंद्र में दोनों की काउंसलिंग कराई गई जहां पति ने अपनी गलती कुबूली। उसके बाद दोनों को साथ रहने की शर्त पर जाने दिया गया। बनभूलपुरा निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि एक साल पहले उसकी शादी हुई है। शादी में उसके पति ने उसे मोबाइल दिया था जिस पर लॉक सिस्टम बदलने को दोनों में बहस हो गई। अब उसका पति उससे मायके वालों का फोन आने पर भी झगड़ा करता है।

15 साल में चांद पर पहुंचा चंद्रयान...इतने समय में धरातल पर नहीं उतरा आईएसबीटी

हल्द्वानी, एजेंसी।
इसरो के वैज्ञानिकों ने अक्तूबर-2008 में श्रीहरिकोटा से पहला मिशन चंद्रयान-1 लांच किया था। दूसरा चंद्रयान 22 जुलाई 2019 को लांच किया। हालांकि यह मिशन पूरी तरह सफल नहीं हो सका। उसके बाद 14 जुलाई 2023 को इसरो ने चंद्रयान-3 में सफलता पायी और पृथ्वी से 3.84 लाख किमी दूर चंद्रमा पर चंद्रयान पहुंचा दिया लेकिन विडंबना है कि इन 15 साल में हल्द्वानी में अंतरराज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी) बनाने की योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। योजना की फाइल यहां से करीब 300 किमी दूर देहरादून का सफर तय नहीं कर पाई। अगर यहां आईएसबीटी बन जाता तो शहर में जाम की समस्या से निजात मिलती। कुमाऊं के यात्रियों को सुविधा मिलती, लेकिन सरकारी तंत्र के आगे आईएसबीटी फिलहाल हारता नजर आ रहा है।

शहर में परिवहन सुविधाएं दुरुस्त करने और जाम से निजात के लिए राज्य सरकार ने साल 2008 में गौलापार में वन विभाग की आठ हेक्टेयर भूमि पर आईएसबीटी बनाने की संस्तुति दी थी। यहां एक साथ 300 बस खड़ी करने की योजना थी। इसके लिए 74 करोड़ का बजट भी स्वीकृत हुआ। केंद्र से अनुमति मिलने पर आईएसबीटी के निर्माण के लिए 2625 पेड़ काट दिए गए। साल 2016 में आईएसबीटी बनाने काम भी शुरू कर दिया गया था।

जून 2017 में इस जगह पर नर कंकाल मिले तो प्रोजेक्ट को रोक दिया गया। हालांकि तब तक करीब 11 करोड़ रुपये खर्च हो गए थे। उल्लेखनीय है कि मार्च-2017 में राज्य सरकार बदल गई। उसके बाद उसी साल योजना को तीनपानी शिफ्ट कर दिया गया।

तीनपानी में आईएसबीटी बनाए जाने की योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। सरकार यहां जमीन ही नहीं जुटा पाई। यहां जल्दबाजी में आईएसबीटी का उद्घाटन भी कर दिया गया। मामला कोर्ट तक पहुंच गया।

नवंबर-2022 में तत्कालीन परिवहन मंत्री चंदन रामदास ने हल्द्वानी में घोषणा की थी कि काठगोदाम में हिल डिपो बनाया जाएगा। यह अत्याधुनिक बस अड्डा होगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में आईएसबीटी योजना में केमू, टैक्सी स्टैंड, मौजूदा बस अड्डा के साथ ही रोडवेज कार्यशाला का भी प्रस्ताव था। हिल डिपो में भी कार्यशाला बनाए जाने की बात कही गई। हालांकि करीब 10 माह में डीपीआर संशोधन तक ही बात बनी है। इधर अब मौजूदा बस अड्डे के कायाकल्प का भी बजट आ गया है।

साल 2008 में आईएसबीटी की बात शुरू हुई तो उस समय भाजपा सरकार थी और भुवन चंद्र खंडूड़ी मुख्यमंत्री थे। बाद में डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक सीएम बनाए गए। साल 2012 में कांग्रेस की सरकार आ गई। मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा के बाद जब हरीश रावत सीएम बने तो हल्द्वानी की तत्कालीन विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ. इंदिरा हृदयेश ने इस योजना पर खास ध्यान दिया। साल 2016 में काम शुरू हो गया। सरकार बदली और त्रिवेंद्र सिंह रावत मुख्यमंत्री बने। साल 2017 में भाजपा सरकार में परिवहन मंत्री यशपाल आर्य के समय काम रोक दिया गया। फिर से भाजपा की सरकार आई और तीन पानी में आईएसबीटी बनाने की कवायद शुरू की गई। अब मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। 2008 से अब तक सात सीएम और चार सरकारें बन चुकी हैं, लेकिन आईएसबीटी की योजना धरातल पर नहीं उतर सकी।

अगर आईएसबीटी गौलापार में बनता तो यह शहर से दूर होता। पहाड़ और मैदान के लिए आसानी से बस को भेजा जा सकता था।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने की समर्पित कर्मचारियों की सराहना की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के समर्पित कर्मचारियों के लिए अटूट समर्थन और प्रोत्साहन के प्रदर्शन में, परिषद के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कल देर रात कई एनडीएमसी सेवा केंद्रों का औचक दौरा किया। उनकी दौरे का उद्देश्य आगामी जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले इन कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे आवश्यक कार्यों को प्रेरित करना और पहचानना है। अपने दौरे के दौरान उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मुलाकात की और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने इस अवसर पर जी-20 शिखर सम्मेलन के महत्व पर जोर दिया और बताया कि कैसे उनके आवश्यक कर्तव्य जी-20 की सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्री उपाध्याय ने जिन सेवा केंद्रों का दौरा किया, उन्हें जी-20 के लिए आवश्यक कार्य प्रदान किए गए हैं, जिनमें सरदार पटेल मार्ग पर विद्युत वितरण उप-स्टेशन, कौटिल्य मार्ग पर रोड डिवीजन, कौटिल्य मार्ग पर भवन रखरखाव पूछताछ और सरोजिनी नगर में सीवरेज सेवा केंद्र शामिल थे। देर रात की इन दौरों ने एनडीएमसी के कर्मचारियों के समर्पण और प्रतिबद्धता को प्रत्यक्ष रूप से देखा, क्योंकि वे जी-20 शिखर सम्मेलन से संबंधित आवश्यक रात्रि कर्तव्यों के लिए तैयार थे। उपाध्यक्ष ने उनकी कड़ी मेहनत के लिए सराहना व्यक्त की और इस बात पर जोर दिया कि उनकी प्रतिबद्धता परिषद की सफलता की रीढ़ है।

उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न एनडीएमसी सेवा केंद्रों में काम करने वाले कर्मचारी मथुरा, आगरा, बहादुरगढ़, मेरठ, दिल्ली-एनसीआर और अन्य जैसे दूरदराज के स्थानों से आते हैं, उन्हें आने जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नतीजतन, हमने इन आवश्यक कर्मचारियों को चार दिनों दिनांक 7 से 10 सितम्बर तक विशेष रूप से नई दिल्ली में रुकने वाले जी-20 कर्मचारियों के लिए एनडीएमसी क्षेत्र के भीतर उचित भोजन सुविधाओं और आरामदायक आवास तक पहुंच प्रदान करके उनका समर्थन करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी सभी कर्मचारियों को तीनो वक्त का भोजन उपलब्ध करा रही है, जिसे सामुदायिक रसोई में तैयार किया जाता है और प्रत्येक केंद्र में वितरित किया जाता है। श्री उपाध्याय ने कहा कि हमने अपने सामुदायिक भवनों-मालचा मार्ग और गोल्फ लिंक में भी सुरक्षा गार्डों, बेलदार, पालिका सहायकों के लिए रहने की व्यवस्था करी है और वहां पर उनके सोने के लिए गद्दों-बिस्तरों के प्रबंध के साथ-साथ तीनो वक्त का भोजन और समय-समय पर चाय-पानी की व्यवस्था भी की गई है।

श्री उपाध्याय ने इस बात पर जोर दिया कि उत्कृष्टता के प्रति एनडीएमसी की प्रतिबद्धता न केवल फील्ड कर्तव्यों तक बल्कि पर्दे के पीछे के संचालन तक भी फैली हुई है। इसमें एनडीएमसी मुख्यालय में स्थित एनडीएमसी कमांड और कंट्रोल सेंटर के माध्यम से नागरिक सेवाओं की सुचारू डिलीवरी की निगरानी और सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, एक समर्पित जी-20 नियंत्रण कक्ष शिखर सम्मेलन के सफल निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए अन्य निकायों जैसे पीडब्लूडी, सीपीडब्लूडी, एमसीडी, दिल्ली यातायात और अन्य के साथ समन्वय में काम करेगा। अटूट समर्पण और सावधानीपूर्वक योजना के साथ, एनडीएमसी ने जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले सम्मानित अतिथियों के स्वागत के लिए अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उपस्थित लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए परिषद् का बागवानी, नागरिक, बिजली, जल आपूर्ति, सड़क और स्वच्छता चौबीसों घंटे पूरी लगन के साथ काम कर रहे हैं।

भगवान श्री कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चले : अरविंदर सिंह लवली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जन्माष्टमी का पर्व आस्था का पर्व हैं हम सबको भगवान श्री कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलना चहिये हम सब को साथ लेकर मानव कल्याण में लगे रहना चाहिए यह विचार दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने जन्माष्टमी के अवसर पर यमुना पार में होने वाली विशाल दही हांडी प्रतियोगिता में व्यक्त किये। उन्होंने इस शानदार आयोजन के लिए आयोजक मंडल की भी प्रसंसा करी। हांडी प्रतियोगिता के संयोजक सुमित शर्मा ने बताया के पिछले एक दशक से शकरपुर के मास्टर ब्लॉक में हांडी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही धूम धाम से किया जाता है। हजारो की संख्या में लोगों की मौजूदगी में लड़कियो और लड़कों की टीमें हांडी को तोड़ती है। कार्यक्रम में शकरपुर थानाध्यक्ष संजय गुप्ता, समाजसेवी अमित मिश्रा, अधिवक्ता विनिता सिंह, जिला अध्यक्ष शिवम शर्मा, अमित भारती, सतबीर शर्मा, अर्पित उपाध्याय, इंदु गुसाईं आदि ने भी शिरकत की।

अपूर्वा सोनी हॉलीवुड एक्टर के साथ काम को तैयार

प्रात : किरण संवाददाता

एक कहावत है कि जब आप शुरूआत करते हैं, तो आपको धमाके के साथ शुरूआत करनी चाहिए और पूरी तरह से धधकते हुए बाहर आना चाहिए। खैर, यही वह मंत्र है जिसे अपूर्वा सोनी अपने जीवन में पहले से ही अपना रही हैं। वह हमेशा सफलता की ऊंची से ऊंची सीढ़ियां चढ़ने में विश्वास रखती हैं और इसीलिए, उनकी प्रगति निश्चित रूप से सभी को दिखाई देती है।लंबे समय तक मॉडलिंग की दुनिया में तहलका मचाने के बाद, अपूर्वा ने लोकप्रिय वेब शो अनदेखी में अपने काम से प्रभाव डाला और उसके बाद, इस लड़की ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह पहले फेमिना स्टाइल दिवा 2014 के शीर्ष 10 में रह चुकी हैं और नायका, मिंत्रा, शुगर कॉस्मेटिक्स, मैक, महिंद्रा और कई अन्य प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ विज्ञापनों की शूटिंग कर चुकी हैं। बहुत से लोग शायद इस तथ्य से अवगत नहीं हैं कि वह इंडिया टुडे पत्रिका के जनवरी 2016 अंक की कवर गर्ल भी रही हैं और 2017 में एमटीवी के इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल सीजन 3 में शीर्ष 16 में भी शामिल थीं।

वह सबसे सेक्सी दिवाओं में से एक बनने की पूरी क्षमता रखती है और क्यों नहीं? आत्मविश्वास वास्तव में कुंजी है और यह उसके डीएनए में चलता है। जब हम यह कहते हैं तो हमारा विश्वास करें, उनका आकर्षक व्यक्तित्व हमें महान स्मिता पाटिल की याद दिलाता है। हालाँकि हम यहाँ सभी बॉलीवुड चीजों के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में उनके साथ कुछ रोमांचक घटित हो रहा है जिसका हॉलीवुड से संबंध है। हाँ दोस्तों, आपने सही सुना। अगर अफवाहों पर विश्वास किया जाए, तो इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि यह प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री जल्द ही किसी हॉलीवुड सुपरस्टार के साथ स्क्रीन स्पेस साझा कर सकती है। हो सकता है कि वह इस क्षेत्र में एक नई बच्ची हो, लेकिन उसका दृष्टिकोण और उच्च भावना निश्चित रूप से उसे ऐसे स्थानों पर ले जाने की क्षमता रखती है। तो, क्या वह आगे चलकर शेरोन स्टोन या स्कारलेट जोहानसन का हमारा अपना भारतीय संस्करण बनने के लिए पूरी तरह तैयार है? खैर, इसके संभावित हिस्से में कोई कमी नहीं है। सौभाग्य और भाग्य का मिश्रण इस पूर्व सुपर मॉडल के लिए इसे वास्तविकता बना सकता है। इस बात की जोरदार चर्चा है कि वह जल्द ही एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं, इसने निश्चित रूप से कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है कि वह क्या करने वाली हैं।

लवली के नेतृत्व में कांग्रेस दिल्ली में होगी मजबूत : मुकेश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली कांग्रेस की बागडोर सौंपी है यह निर्णय पार्टी के हित में है। यह कहना है रोहताश नगर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश पांचाल का। मुकेश पांचाल ने श्री लवली के निवास पर पहुंच उन्हें शुभकामनाएं दी। और उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा देते हुए कामना की उनके कुशल नेत्रत्व में पार्टी मजबूती की ओर बढ़ेगी। इस मौके पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अश्वनी भारद्वाज, मांगे राम भारद्वाज, नवीन चन्द्र, मोबिन बाबा, रवि कुमार सहित कई प्रमुख लोग थे। मुकेश पंचाल ने कहा कि श्री लवली छात्र जीवन से ही पार्टी से जुड़े है और एनएसयूआई के बाद युवा कांग्रेस में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे, जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे, शीला दीक्षित जी के साथ कैबनेट मंत्री रहते हुए जनता की सेवा की। इससे पहले भी श्री लवली दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं, वे सभी कार्यकताओं को पहचानते हैं और सभी का सम्मान करते हैं। मुकेश पांचाल ने कहा हम कांग्रेस आलाकमान मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी राहुल गांधी जी का तहेदिल से शुक्रिया करते हैं कि उन्होंने दिल्ली को अरविंदर सिंह लवली जैसा जुझारू, मेहनती, कार्यकताओं को एकजुट करने वाला अध्यक्ष दिया। अरविंदर सिंह लवली को दिल्ली कांग्रेस की बागडोर सौंपने से दिल्ली के कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी की लहर है, एवं अब दिल्ली में जो भी चुनाव होंगे उनमे कॉग्रेस का अच्छा प्रदर्शन होगा, कांग्रेस जीतेगी। अरविंदर सिंह लवली ने हर्ष और विनम्रता के साथ सभी कार्यकताओं का अभिनंदन स्वीकार किया तथा सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिलशाद कॉलोनी में मनाई गई जन्माष्टमी धूमधाम से : रामनारायण दुबे

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

ग्लोबल एडुकेशन सेंटर द्वारा जन्माष्टमी का पर्व दिलशाद कॉलोनी में बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया। जिसमें पूर्व महापौर रामनारायण दुबे जिला उपाध्यक्ष व निगम प्रत्याशी सनरिका शर्मा मंडल अध्यक्ष महेन्द्र दुबे उपस्थित रहे। सेंटर के संस्थापक राजा हाशमी द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मटकी फोड़ भी हुआ, जिसमे सभी बच्चों ने अपनी भागीदारी की।जीते हुए बच्चों को श्री दुबे ने पुरुस्कृत किया। बच्चों की अलग-अलग टीमें श्रृंखला बनाकर ऊपर दूर लटक रही मटकी तक पहुंची और बड़े उत्साह के साथ गिरते व पड़ते हुए मटकियां फोड़ दी। मटकी फोड़ कार्यक्रम गोविंदा आला रे...का अवलोकन करने पहुंचे कृष्ण भक्त करतल ध्वनि से लड़के लड़कियों को उत्साहित करते रहे। मटकी की टीमों ने मटकियों को फोड़ते हुए उपस्थित भक्तों का खूब मनोरंजन किया

झंडेवाला देवी मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया

प्राचीन ऐतिहासिक झण्डेवाला देवी मंदिर में आज को श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से किंतू सादगी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर झंडेवाली देवी मंदिर को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित झांकी से सजाया गया। भगवान श्री कृष्ण के लडडू गोपाल स्वरूप की झांकी को फूलों से सजाया गया जो बडी आकर्षक लगती थी। मीडिया प्रमुख नंदकिशोर सेठी ने बताया, सवेरे से ही मंदिर में भक्तों की लम्बी लम्बी कतारें इस झांकी के दर्शन करने आने लग गयी थीं। लडडू गोपाल के झूले पर विषेश भीड रही। श्री सेठी ने बताया, रात्रि 10-00 से महिला कीर्तन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन आरंभ हुआ जो रात्रि 12-00 तक चला। तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की आरती की गयी। उस के बाद उपस्थित भक्तों को प्रसाद स्वरूप फल, माखन-मिश्रो का प्रसाद व चरणामृत दिया गया।

सिंदेरा एंड कम्पनी की लॉन्चिंग करेंगी अभिनेत्री अलंकृता सहाय

अलंकृता सहाय भारतीय मनोरंजन उद्योग की एक खूबसूरत युवती हैं जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। अब कई साल हो गए हैं जब यह युवती मनोरंजन जगत में अपना दबदबा बनाए हुए है और हम इसे पसंद करते हैं। मीडिया गेम बेहद सोशल मीडिया पर 1.1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स के साथ उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

अलंकृता सहाय फिलहाल खबरें और सुर्खियां बटोर रही हैं क्योंकि वह अब 10 सितंबर को चंडीगढ़ में एक विशेष ब्रांड लॉन्च का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। ब्रांड का नाम सिंडेरा एंड कंपनी है। आप को बात दे की, सिंडेरा एंड कंपनी एक प्रीमियम स्किनकेयर ब्रांड है जो ऑनलाइन उपलब्ध है। लॉन्च इवेंट 10 सितंबर को चंडीगढ़ में होने वाला है और अलंकृता ब्रांड की सम्मानित अतिथि के रूप में लॉन्च इवेंट का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उसी के बारे में, अभिनेत्री साझा करती है, सिंडेरा एंड कंपनी सबसे वास्तविक, प्रीमियम ब्रांडों में से एक है जो ऑनलाइन बाजार में उपलब्ध है। मैंने हाल ही में उनके उत्पादों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। चूंकि मैंने व्यक्तिगत रूप से उनके उत्पादों का उपयोग किया है, इसलिए 10 सितंबर को चंडीगढ़ में होने वाले उत्पादों की विशेष श्रृंखला के लिए उनका सम्माननीय अतिथि बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इसका इंतजार कर रही हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं। काम के मोर्चे पर, अलंकृता सहाय जल्द ही आदर्श समयसीमा के अनुसार दिलचस्प कार्य घोषणाएँ करने वाली हैं। अधिक अपडेट के लिए बने रहें।

रिंग रोड पर तिब्बती संगठनों ने प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। मजनू का टीला इलाके में शुक्रवार को रिंग पर तिब्बती संगठनों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। करीब छह घंटे बाद प्रदर्शनकारियों को समझाने पर वे चले गए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जी-20 सम्मेलन के मद्देनजर तिब्बती संगठनों ने धरना प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। इसके लिए संगठन की तरफ से अनुमति भी मांगी गई थी, लेकिन पुलिस ने मना कर दिया था। इसके बावजूद संगठन के लोग प्रदर्शन करने पर अड़े थे, जिसे देखते हुए सुबह सात बजे से ही मजनू का टीला इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। स्थानीय पुलिस के अलावा चार कम्पनी अर्धसैनिक बलों के जवान भी थे। खुद डीसीपी सागर सिंह कलसी, पांच एसीपी रैंक के अधिकारी और आठ एसएचओ दलबल सहित मौके पर मौजूद थे।

भ्रष्टाचार मामले में पांच लोगों को जमानत मिली

नई दिल्ली। बुराड़ी परिवहन प्राधिकरण में भ्रष्टाचार के मामले में पांच लोगों को अदालत ने जमानत दे दी। आरोप है कि ऑटो परमिट कथित तौर पर धोखाधड़ी और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके स्थानांतरित किए गए थे। तीस हजारी स्थित विशेष न्यायाधीश जय थरेजा की अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी प्राधिकरण में पांच हजार से अधिक परमिट हस्तांतरण की जांच पर विचार कर रही है। इस प्रक्रिया को पूरा होने में काफी समय लगेगा। अदालत ने आरोपी अनिल सेठी, रविंदर कुमार, अनूप शर्मा, अजीत कुमार और दीपक चावला को जमानत देते हुए कहा कि इस प्रकार आरोपियों को इतने लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में रखना उचित नहीं है। मामले में दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में ऑटो रिक्शा परमिट की अधिकतम सीमा एक लाख तय की गई थी। दिल्ली में उस एक लाख ऑटो रिक्शा परमिट में से 70 प्रतिशत का अवैध कारोबार सांठगांठ के आधार पर किया जा रहा था। यह भ्रष्टाचार ऑटो रिक्शा के फाइनेंसरों/डीलरों, दलालों और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच चल रहा था। इसमें दावा किया गया कि सांठगांठ का प्रभाव ऐसा था कि एक ऑटोरिक्शा, जिसकी सड़क पर कीमत 2 लाख 46 हजार रुपये थी, दिल्ली में 6 लाख 30 हजार रुपये की कीमत पर बेचे जा रहे थे।

अदालत ने ऑटो परमिट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पांच लोगों को जमानत दी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुराड़ी परिवहन प्राधिकरण में भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार पांच लोगों को जमानत दे दी है। आरोप है कि ऑटो परमिट, धोखाधड़ी से तथा जाली दस्तावेजों का उपयोग करके कथित तौर पर स्थानांतरित किए गये थे, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ था।

विशेष न्यायाधीश जय थरेजा ने कहा कि जांच एजेंसी, प्राधिकरण में 5,000 से अधिक परमिट हस्तांतरण की जांच पर विचार कर रही है और इस प्रक्रिया को पूरा होने में काफी समय लगेगा। अदालत ने छह सितंबर को पांच आरोपियोंङ्क अनिल सेठी, रविंदर कुमार, अनूप शर्मा, अजीत कुमार और दीपक चावला को जमानत देते हुए कहा, इस प्रकार आरोपियों को इतने लंबे समय तक न्यायिक हिरासत में नहीं रखा जा सकता है।

अदालत ने कहा कि 29 जून को गिरफ्तारी के बाद से आरोपियों ने हिरासत में पर्याप्त समय बिताया है। न्यायाधीश ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि आरोपियों की जमानत याचिका को अनुमति दी जानी चाहिए क्योंकि अन्य आरोपियों में से ज्यादातर को जमानत दे दी गई है। न्यायाधीश ने कहा, ह्वआरोपियों को न्यायिक हिरासत में रखने से कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा होने की संभावना नहीं है।

दिल्ली पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने आरोप लगाया था कि दिल्ली में ऑटोरिक्शा परमिट की अधिकतम सीमा एक लाख तय की गई थी तथा उक्त एक लाख ऑटोरिक्शा परमिट में से 70 फीसदी का अवैध कारोबार ऑटोरिक्शा के फाइनेंसरों/डीलरों, दलालों और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच सांठगांठ से किया जा रहा था। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के मुताबिक, सांठगांठ का प्रभाव ऐसा था कि 2.46 लाख रुपये की कीमत वाले ऑटो रिक्शा को दिल्ली में 6.30 लाख रुपये में बेचा जा रहा था तथा कोई भी सामान्य व्यक्ति/ऑटोरिक्शा मालिक, फाइनेंसरों, डीलरों और दलालों के गठजोड़ के बिना प्राधिकरण में कुछ नहीं कर पा रहा था। पुलिस ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान जांच एजेंसी (एसीबी) ने पाया कि ऑटोरिक्शा के फाइनेंसरों/डीलरों, दलालों और बुराड़ी परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों ने, कोविड-19 महामारी के दौरान जीएनसीटीडी द्वारा शुरू की गई फेसलेस योजना का घोर दुरुपयोग किया है।

आईए शिव को अपना गुरु बनाएं

नई दिल्ली। मंडावली में बच्चों द्वारा एक आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मंडावली तथा सोनिया विहार के आसपास के सैकड़ो बच्चों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में शिव चर्चा के माध्यम से बताया गया की बताया गया की किस तरह हम शिव चर्चा के माध्यम से अपने समाज तथा बच्चों में भारतीय संस्कृति के अच्छे विचार तथा बड़े बूढ़ों के प्रति अच्छा व्यवहार करने से क्या फल मिल सकता है तथा पश्चिमी सभ्यता के प्रभाव को किस तरह कम किया जा सकता है आजकल देखा जाता है की किस तरह माता-पिता अपने बच्चों के गलत व्यवहार की वजह से कितना दुखी रहते हैं उससे किस तरह आध्यात्मिक को अपनाकर निजात पाया जाए और भारतीय समाज को टूटने से किस तरह बचाया जाए। इस संगोष्ठी में आदित्य कुमार सोनाक्षी कुमारी साक्षी कुमारी नेहा कुमारी नीलम कुमारी माया कुमारी अंशिका आकाश प्रीति अर्चना संध्या और पूनम देवी, सोनिया विहार से एडवोकेट कृष्ण कुमार वेदों में शिव के स्थान की व्याख्या की तथा मंच का संचालन खुशबू सुनैना एवं राकेश ने किया। राकेश ने कहा की शिव ही एकमात्र देवता है जो गुरु पद को धारण करते हैं महेश्वर शिव ही समस्त सृष्टि के सृजन करता है इसलिए कहा जाता है की गुरु को बहुत सोच समझ कर बनाना चाहिए इसलिए इस संगोष्ठी में यह विषय रखा गया की शिव को ही अपना गुरु बनाया जाए।

46 कॉलेजों को जल्द मिलेंगी ईडब्ल्यूएस कोटे की 1891 अतिरिक्त सीटें

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव (कॉलेजिज) ने तीन महीने पूर्व विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी कॉलेजों के प्राचार्यों तथा संस्थान के निदेशकों से यह जानकारी मांगी थी कि ईडब्ल्यूएस की 10 फीसदी अतिरिक्त सीटें बढ़ने पर उनके कॉलेज में कितने अध्यापकों की जरूरत होगी। कॉलेजों के प्राचार्यों ने शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों के आंकड़े विश्वविद्यालय को भेज दिए। भेजे गए शैक्षिक पदों के आंकड़ों को लेकर पिछले दिनों डूटा के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय भागी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकत की थी। शिक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था कि दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे ही अपने कॉलेजों में शिक्षकों की 75 फीसदी पदों पर स्थाई भर्ती प्रक्रिया पूरी कर लेगा शिक्षा मंत्रालय उन्हें ईडब्ल्यूएस के कारण बढ़ी सीटें दे देगा।

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस शिक्षक संगठन के चेयरमैन डॉक्टर हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में शैक्षिक पदों पर ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 10 फीसदी अतिरिक्त सीटों का ब्यौरा 46 कॉलेजों के प्राचार्यों ने उपलब्ध करा दिया है। प्राचार्यों ने छात्रों की बढ़ी संख्या के आधार पर 25 फीसदी अतिरिक्त शिक्षकों की मांग की है। इन कॉलेजों में 1891 सीटों के बढ़ने की संभावना है। अभी लगभग 35 कॉलेजों के आंकड़े जारी होने हैं। यदि सभी कॉलेज ईडब्ल्यूएस सीटें जारी करते हैं तो 25 सौ सीटों का इजाफा होगा।

डॉ.सुमन का कहना है कि कॉलेजों व संस्थानों में ईडब्ल्यूएस की अतिरिक्त सीटों के बढ़ने से सामान्य वर्गों के उन एडहॉक टीचर्स को राहत मिलेगी जिनकी सीटें 200 पॉइंट पोस्ट बेस रोस्टर के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस में चली गई थीं तथा स्थाई नियुक्ति के समय कुछ कॉलेजों से डिस्प्लेसमेंट भी हुए हैं। डॉ. हंसराज सुमन ने डूटा अध्यक्ष प्रोफेसर एके भागी से मुलाकात कर उनसे ईडब्ल्यूएस की अतिरिक्त सीटों पर बातचीत की। प्रोफेसर भागी ने बताया कि ईडब्ल्यूएस की टीचिंग पोस्ट्स के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से लंबी बातचीत हुई है। उनका कहना है कि दिल्ली विश्वविद्यालय पहले विज्ञापित पदों पर 75 फीसदी शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करे। इन पदों के भरने के बाद शिक्षा मंत्रालय दिल्ली विश्वविद्यालय को 25 फीसदी ईडब्ल्यूएस की अतिरिक्त सीटें देगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन के मेहमानों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है एनडीएमसी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

जी-20 शिखर सम्मेलन में विशिष्ट अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यह बातें एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने सम्मेलन के लिए एनडीएमसी की तैयारी के संबंध में जानकारी साझा करते वक्त कही।

श्री उपाध्याय ने बताया कि एनडीएमसी के बागवानी विभाग ने जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वालों के मार्गों पर लगभग 1000 पेड़ों को सजाने के लिए एक आश्चर्यजनक परियोजना शुरू की है। इन पेड़ों को जीवंत दो-रंग के गेंदे के फूलों से सजाया जा रहा है, जिससे मेहमानों के वाहनों में यात्रा करते समय एक मनमोहक और उत्सव का माहौल बनेगा। इस पहल का उद्देश्य शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले विश्व नेताओं और प्रतिनिधियों को एनडीएमसी की ओर से गर्मजोशी से और सुरम्य स्वागत प्रदान करना है।

उन्होंने आगे कहा कि जिन स्थानों पर बागवानी विभाग बीस जी-20 बोर्ड लगा रहा है वे इस प्रकार हैं: 11 मूर्ति, विंडसर प्लेस, ललित होटल, इंपीरियल होटल, कर्तव्य पथ-सी हेक्सागोन, अकबर रोड-सी हेक्सागोन, शेर शाह सूरी मार्ग-सी हेक्सागोन, पटियाला हाउस-पुराना किला रोड, तीन मूर्ति राउंड अबाउट, पीएम हाउस राउंड अबाउट, मैथ्यू सर्कस, ताज पैलेस होटल, मौर्य शेरेटन होटल, कौटिल्य मार्ग राउंड अबाउट, लीला होटल, एसटीपी के पास शांतिपथ, मैथ्यू सर्कस, जाकिर हुसैन मार्ग-सी हेक्सागोन, यॉर्क प्लेस, और ताज मानसिंह होटल। यह बोर्ड पांच तरह के अलग-अलग फूलों से सजाए जा रहे हैं जिसमें गुलदावरी, गुम्फ्रीना, डेजी, एस्परैगस, मेरी, मैरीगोल्ड आदि शामिल हैं। श्री उपाध्याय ना बताया की इस कार्य के लिए मैरीगोल्ड के गुच्छे हजारों की संख्या में खरीदे गए हैं।

उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर 23 फूलों के फव्वारे लगाए और बनाए जा रहे हैं वे इस प्रकार हैं: मंडी हाउस राउंड अबाउट, विंडसर प्लेस राउंड अबाउट, उपराष्ट्रपति हाउस राउंड अबाउट, त्रिकोणीय प्लॉट अकबर रोड तीन मूर्ति राउंडअबाउट, कौटिल्य मार्ग राउंड अबाउट, कनाडा दूतावास राउंड अबाउट का खंड, यशवंत प्लेस राउंड अबाउट, और पीएम हाउस चौराहा। 9 प्रमुख स्थानों पर कुल 23 फूलों के फव्वारे स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि वृक्ष सजावट परियोजना आज सुबह शुरू हो गई है और इसमें सभी प्रमुख क्षेत्रों और सड़कों को शामिल किया गया है जहां जी20 शिखर सम्मेलन के मेहमान अक्सर आते रहेंगे। यह एनडीएमसी की सावधानीपूर्वक तैयारियों का हिस्सा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस हाई-प्रोफाइल आयोजन के दौरान शहर अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में रहे। श्री उपाध्याय ने कहा कि एनडीएमसी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए एक यादगार और आकर्षक माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि नई दिल्ली वैश्विक मंच पर चमक सके।

मूलचंद अस्पताल ने 2017 से भर्ती अमेरिका की अल्जाइमर रोगी के बिल के भुगतान में अदालत से मदद मांगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मूलचंद अस्पताल ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा है कि उसके यहां 2017 से भर्ती अमेरिका के न्यूयॉर्क की अल्जाइमर रोगी 84 वर्षीय एक स्त्री रोग चिकित्सक की स्थिति बिगड़ गयी है। अस्पताल ने अदालत से इस मरीज के करीब 52 लाख रुपये के चिकित्सा बिल के भुगतान में मदद मांगी है। डॉ. सुंदरी जी भागवनानी को 2017 में उनके भाई अस्पताल लेकर आए थे जिनका अपनी एक याचिका के लंबित रहने के दौरान निधन हो गया था। भागवनानी के भाई ने अदालत से अपनी बहन के स्वास्थ्य की देखभाल करने एवं मेडिकल बिल का भुगतान करने के लिए उन्हें अभिभावक नियुक्त किए जाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति पुरुषैन्द्र कुमार कौरव ने अस्पताल की अर्जी पर दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई नवंबर के लिए निर्धारित कर दी। अस्पताल ने अदालत से अपनी अर्जी में आग्रह किया है कि महिला चिकित्सक के 51,97,329 रुपये के चिकित्सा बिल का भुगतान कराने में मदद की जाए। चूंकि भागवनानी अपनी यादाश्त खो बैठी हैं और उनकी देखभाल के लिए कोई रिश्तेदार आगे नहीं आया है, ऐसे में उच्च न्यायालय ने इस मामले में पिछले साल एक अदालत मित्र नियुक्त किया था। अदालत ने मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) से रोगी की स्थिति का परीक्षण करने और उपाय सुझाव को भी कहा।

भागवनानी का अल्जाइमर रोग एक ऐसे चरण में पहुंच गया है जहां वह अपनी देखभाल करने में असमर्थ हैं और उनके लिए चिकित्सकीय निरीक्षण की जरूरत है। इस साल मई में उच्च न्यायालय ने दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जिलाधिकारी को मरीज के लिए सीमित अधिकार वाला अभिभावक नियुक्त किया था तथा इहबास को मरीज की देखभाल करने और अभिभावक के साथ मिलकर फैसला करने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश भी दिया था।

उच्च न्यायालय ने कहा था, ह्यह्लजहां तक लंबित बिल की बात है तो जिलाधिकारी को यह फैसला करने का निर्देश दिया जाता है कि अस्पताल का कितना बिल बकाया है और उन्हें प्रतिवादी नंबर दो मूलचंद अस्पताल के पक्ष में उस देय राशि को जारी

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 09 सितंबर, 2023

2070 में नेट जीरो के विजन के साथ ग्रीन अर्थव्यवस्था को तेज करना

- वित्त वर्ष-23-24 में देश में बायोडीजल सेक्टर में 2000 करोड़ से ज्यादा का निवेश किया जा रहा है

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

● वित्त मंत्रालय की अधिसूचना संख्या के अनुसार 15/2023, 1 अप्रैल 2024 से बायोडीजल सम्मिश्रण अनिवार्य हो जाएगा, जिससे 100 से अधिक बायोडीजल संयंत्र स्थापित होंगे, जिनसे अगले एक वर्ष के दौरान औसतन रुपये 2000 करोड़ के निवेश के साथ आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।

● लगभग 61 बायोडीजल संयंत्र पहले से ही ओएमसी के साथ पंजीकृत हैं और नई क्षमताएं निर्माण और कमीशनिंग के विभिन्न चरणों में हैं, जिससे कुल बायोडीजल क्षमता 2 मिलियन टन प्रति वर्ष हो जाती है।

● राष्ट्रीय बायोडीजल सम्मिश्रण कार्यक्रम के लिए कोविड के बाद लगभग 25 करोड़ लीटर की आपूर्ति की गई है और बायो डीजल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने ओएमसी को वर्ष 23-24 के दौरान 100 करोड़ लीटर आपूर्ति का लक्ष्य रखा है।

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2070 में नेट जीरो के लक्ष्य को लक्ष्य बनाकर लगातार ग्रीन अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते सबसे पहले वायु प्रदूषण पर जोर दिया जा रहा है, जिसके कारण पूरे देश में जैव ईंधन की मांग लगातार बढ़ रही है। देश वित्त मंत्रालय अधिसूचना संख्या. 15/2023 में 1 अप्रैल 2024 से बायोडीजल मिश्रण को अनिवार्य कर दिया गया है, जिसके कारण बायोडीजल की मांग तेजी से बढ़ी है। पिछले एक साल में मांग औसतन दोगुनी देखी गई है और तेल कंपनियों की अनुमानित मांग के कारण बड़े पैमाने पर निवेश आ रहा है। बायोडीजल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह राजपुरोहित ने संकेत दिया है कि अगले एक साल में देश में 2000 करोड़ औसतन 100 करोड़ रुपये के निवेश से 100 से ज्यादा नये प्लांट शुरू किये जायेंगे.देश में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में जैव ईंधन पर वैश्विक गठबंधन के लिए भारत के प्रस्ताव का उद्देश्य वैश्विक ऊर्जा के हिस्से के रूप में टिकाऊ जैव ईंधन को बढ़ावा देना है। टिकाऊ जैव ईंधन ऊर्जा सुरक्षा बढ़ा सकता है, घरेलू उद्योगों के लिए नए अवसर खोल सकता है और ग्रीन नौकरियाँ पैदा कर सकता है। हाल ही में, बायोडीजल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की एक नई प्रबंध समिति का गठन किया गया है जिसमें श्री एसके मंडल को अध्यक्ष, धर्मवीर सिंह राजपुरोहित को उपाध्यक्ष, के चेरन को वीपी और कोषाध्यक्ष और डिपिन शाह को सचिव के रूप में चुना गया है।

बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल जैसी देश की शीर्ष तेल कंपनियां प्री-कोविड युग के दौरान सालाना लगभग 5-10 करोड़ लीटर बायोडीजल खरीद रही थीं, जो अब निकट भविष्य में कई गुना बढ़ जाएगी।

*बायोडीजल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष श्री धर्मवीर सिंह राजपुरोहित ने कहा कि, ह्लटिकाऊ जैव ईंधन ऊर्जा सुरक्षा बढ़ा सकता है, घरेलू उद्योगों के लिए नए अवसर खोल सकता है और हरित नौकरियां पैदा कर सकता है। हमने सरकार को वित्त वर्ष 2023 में 100 करोड़ लीटर बायोडीजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध किया है ह्व -24. अगले 1 साल में महाराष्ट्र, दिल्ली, दक्षिण, गुजरात, राजस्थान और कई अन्य राज्यों में 100 प्लांट लगेंगे और लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। ई-डीजल बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड का सबसे बड़ा बायोफ्यूल देश में नडियाद (गुजरात) स्थित संयंत्र में भी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने के लिए 150 करोड़ रुपये का निवेश और दैनिक 10 लाख लीटर उत्पादन की क्षमता दिखाई जाएगी।

उषा केबल इंडस्ट्रीज के ब्रांड उषा केबल ने रेलवे एवं मेट्रो के लिए सिगनलिंग केबल को इंट्रोड्यूस किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

उषा केबल इंडस्ट्रीज ने अपने ब्रांड उषा केबल रेलवे मेट्रो के लिए सिगनलिंग केवल मैं सुधार करते हुए मार्केट में उतारा कंपनी के निदेशक श्री अमन गुप्ता ने कहा की कंपनी इस केबल का निर्माण काफी समय से करती आ रही है जिसकी भारी डिमांड को देखते हो कंपनी ने इसमें और अच्छी क्वालिटी मैं सिगनलिंग केबल को बाजार में उपलब्ध कर दिया है।

साथ ही कंपनी ने टेंट डेकोरेटर केबल कॉपर रबराइस पीवीसी केबल को भी बाजार में उतारा है यह केबल छअउ पर भी कार्य करता है उषा की अल्युमिनियम एवं कॉपर केबल- 10 डिग्री टेंपरेचर को भी सहन कर सकता है यह केबल एफ आर एस में आती है। उन्होंने कहा की एरियल बच केबल और हाउस वायरिंग केबल की डिमांड विगत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

कंपनी ने ट्रांसपेरेंट फैंसी लाइट केबल जो की चीन से आती थी उसका भी निर्माण भारत में ही कर रही है और यह केबल भारत के सभी बड़े बाजारों में उपलब्ध है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन

खोडा के हिमालय एंक्लेव स्थित प्राचीन शिव शक्ति दुर्गा मंदिर सेवा समिति द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूम धाम से मनायी गयी। संगीतमय भजन कीर्तन के साथ भगवान श्रीकृष्ण का रात्रि 12 बजे जन्म हुआ और बच्चो ने कृष्ण -सुदामा की झांकी निकाल कर सच्ची दोस्ती का संदेश दिया. वहीं, कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति कर सभी भक्तों की तालियां बटोरीं । मटकी फोड़ का भी आयोजन किया गया। इस बीच मँदिर समिति के वरिष्ठ संरक्षक श्री तेजपाल गुप्ता जी का पगड़ी पहनाकर और शाल भेंट कर उनका सम्मान किया गया । विनोद तिवारी और विनोद कुमार नागर ने सभी बच्चों का आभार प्रकट किया। संगीतमय भजनों पर भक्तों ने मस्ती में डूबकर खूब नृत्य किया । भगवान जन्म के बाद आरती और प्रसाद बितरित किया गया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष श्री विनोद तिवारी, विनोद कुमार नागर, तेजपाल गुप्ता जी, डी. पी. उपाध्याय, सूरज सिंह कुशवाह, परमात्मा यादव, पं. शेष नारायण मिश्र, उदय नारायण पांडेय, राम अनुज मिश्र, सभासद राजकुमार शर्मा, हृदयराम मिश्र, हरिश्चंद्र शर्मा, कृष्ण स्वरूप वर्मा, संतोष वर्मा, संदीप मिश्रा, मनमोहन तिवारी, नारायण सिंह कुशवाह, दिलीप सिंह कुशवाह, लोकेंद्र सिंह, भगवती दुबे, संतोष मिश्रा, श्री राम पांडे, जगबीर सिंह, शंकर राम पटेल, शिवराम सिंह, मोनू उपाध्याय, सत्य नारायण गुप्ता, रामजी यादव, भोला पांडेय, सी . एम. झा, मुकेश बघेल, मनोज चौहान, समरपाल सिंह, डब्बु कुमार आदि मौजूद थे।

दिल्ली की इन तस्वीरों को देखकर कोरोना के लॉकडाउन की यादें हो जाएंगी ताजा, सड़कों पर सन्नाटा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर आज से पाबंदियां शुरू हो गई हैं। इसी के चलते आज पूरी दिल्ली से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं, वह काफी कुछ कोरोना में लगे लॉकडाउन की याद ताज करा रही हैं।

● रोजाना दिल्ली-एनसीआर की जिन सड़कों पर लंबा जाम लगता था, आज वह सड़कें सूनी पड़ी हैं। इनमें प्रमुख हैं दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे और नोएडा से दिल्ली जाने वाला डीएनडी मार्ग।

● सरोजिनी नगर मार्केट में नाममात्र के ग्राहक

● गुरुग्राम में सिग्नेचर टावर के पास एक्सप्रेस-वे पर पुलिस नाका लगाया गया है। इस नाके को पार कर सिर्फ कार और बाइक ही जा सकते हैं, भारी वाहन और ऑटो जाना वर्जित हैं।

● रिंग रोड के पास स्थित नौरोजी नगर मार्केट में बंद दुकानें व उनके बाहर बैठी महिला पुलिसकर्मी।

● दूसरा नाका इफको चौक के समीप, तीसरा नाका उद्योग विहार, चौथा नाका शंकर चौक और पांचवा नाका सिरहौल बार्डर के समीप लगाया गया है। इस नाके पर आईटीबीपी के जवान तैनात किए गए हैं।

● अरबिंदो मार्ग पर आईएनए मार्केट से एम्स आने-जाने वाले मार्ग पर कुछ इस तरह पसरा दिखा सन्नाटा।

● बता दें कि गुरुग्राम के उद्योग विहार स्थित ओबेरॉय होटल के आसपास पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आ रहे दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल दिल्ली एयरपोर्ट से सीधे गुरुग्राम के पांच सितारा होटल ओबेरॉय में ठहरे हुए हैं।

● धौला कुआं स्थित फ्लाईओवर के ऊपर की ओर जाने के लिए लगी सीढ़ियों पर पैदल राहगीरों को रोकने के लिए बैठा पुलिसकर्मी।

● इफको चौक से एमजी रोड की तरफ ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है बाकी शहर के अंदर यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है लेकिन आज दिल्ली गुरुग्राम एक्सप्रेस के साथ साइबर सिटी का आईटी हब और उद्योग विहार मैं सन्नाटा नजर आया।

● आईजीआई एयरपोर्ट पर पुलिस का कड़ा पहरा, लेन वन में किसी वाहन को आवाजाही की नहीं है इजाजत।

● आईजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल तीन से धौला कुआं जाने वाले मार्ग पर वीआईपी मूवमेंट से पांच मिनट के लिए लगाया जा रहा रूट।

● गुरुग्राम की सड़कें दिखीं खाली।

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे का हाल।

● साइबर सिटी का हाल

● गाजीपुर बार्डर पर तैनात पुलिस व अर्धसैनिक बल के जवान।

● पूर्वी दिल्ली में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को भी सुरक्षा में लगाया गया है। अक्षरमधाम मंदिर के पास तैनात वॉलंटियर।

● जी-20 के मद्देनजर दिल्ली नगर निगम अक्षरमधाम मंदिर के सामने गाड़ियों के जरिये सड़क की धुलाई कर रहा है।

जन्माष्टमी पर एक शाम राधा माधव के नाम

नई दिल्ली। जब सब तरफ अंधकार हो तो भगवद चिंतन जारी रखें निश्चित भगवान आयेंगे यही संदेश देता है श्री कृष्ण जन्मोत्सव यह संदेश दिया गया स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में गोरख पार्क शाहदरा स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में उपस्थित भक्त समूह को। संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित भव्य समारोह में मंदिर परिसर को रंगीन कपड़ो कृतिम फूलों, लाइटों से सजाया गया। सांयकाल से देर रात तक बाल लला का हिंडोला झुलाते हुए महोत्सव चलता रहा। गणेश वंदना से शुभारंभ के पश्चात नन्ही बालिका वामिका द्वारा राधा के बिना शाम आधा भजन पर तो दूसरी तरफ नन्हे मुन्ने बालक राघव एवम बालिका मन्नत ने ह्ले श्यामा तू है नंदगांव दा मैं वी जट्टी आ पंजाब दीह्व भजन पर अति उत्साहित होकर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई ।प्र सिद्ध नृत्य नाटिका कलाकार सलोनी अरोड़ा द्वारा क्लासिकल संगीत पर नृत्य नाटिका के साथ भक्तो की टोली झूमती हुई देखी गई। राम राज एवं साथी कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन में भक्तो ने डांडिया रास का पूरा लाभ प्राप्त किया। युवा भक्तो की टोली द्वारा मंदिर परिसर में ऊंचाई पर लगी दही हांडी को पिरामिड बनाकर तोड़ा गया। मध्य रात्रि में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के समय ह्यनंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की गगन भेदी गूंज पर आनंद सागर हिलोरे मारता दिखाई दिया। मध्य रात्रि लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराने के बाद भव्य आरती, बधाई गाई गई। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने महोत्सव में पहुंचकर पूजा अर्चना में भाग लिया। प्रसाद ग्रहण करते हुए महोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि देवकी और वासुदेव ने इतने कष्ट में भी धैर्य रखते हुए भगवद चिंतन नही छोड़ा अंततः उनके जीवन में भगवान श्री कृष्ण का प्राकट्य हुआ और सारी बेड़ियां हथकड़ियां खुल गई जिससे ज्ञान मिलता है कि मनुष्य को विषम परिस्थितियों में भी धैर्य न छोड़कर भगवद सुमिरण चिंतन करना चाहिए जिससे आत्मबल बढ़ेगा और बंधनो से मुक्त होते हुए नई दिशाएं दिखाई देती हैं।

झूम उठी दिल्ली विश्व प्रसिद्ध भजन गायक श्री कन्हैया मित्तल ने किया सभी को मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली के एमटीएनएल ग्राउंड, यमुना विहार में मटकी फोड़ कार्यक्रम में जैसे समा बांध दिया। युवा लड़के और लड़कियों गोविंदाओ की 20 अलग-अलग टीमें श्रृंखला बनाकर ऊपर दूर लटक रही मटकी तक पहुंची और बड़े उत्साह के साथ गिरते व पड़ते हुए मटकियां फोड़ दी। मटकी फोड़ कार्यक्रम गोविंदा आला रे...का अवलोकन करने पहुंचे कृष्ण भक्त करतल ध्वनि से लड़के लड़कियों को उत्साहित करते रहे। मटकी की टीमों ने मटकियों को फोड़ते हुए उपस्थित भक्तों का खूब मनोरंजन किया। यह अद्भुत नजारा छत्रपति शिवाजी समाज कल्याण एवं शिक्षा प्रचार समिति (रजि.) द्वारा लगातार 20 वें मटकी फोड़ कार्यक्रम का था। इसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध भजन गायक श्री कन्हैया मित्तल जी द्वारा गाये गए भजन ह्यलहरायेगा भगवाह्व से पूरा पंडाल भगवामय हो गया, सुप्रसिद्ध एवं बहुचर्चित बैंड साधो बैंड की प्रस्तुति ह्यमच गया शोर सारी नगरी मेंह्व पर झूम उठे श्रृद्धालु। शिक्षा, चिकित्सा जगत में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों के साथ-साथ समाज के प्रति वर्णनीय काम कर दिखाने वाले प्रशासनिक, न्यायिक व पुलिस उच्च अधिकारियों और उद्योगपतियों को छत्रपति शिवाजी वार्ड से सम्मानित भी किया जा रहा है। कई प्रकार की बाल लीलाओं का भी मंचन किया गया और ठीक 12 बजे विद्वान पंडितों द्वारा आरती पूजन करके भगवान को भोग लगाकर भगवान श्री कृष्ण का प्रकोटत्सव धूम धाम से मनाते हुए सभी भक्तों को माखन मिश्री, लड्डू व फलों का प्रसाद वितरित किया गया।

अब दिल्ली होगी साफ अभियान साबित हो रहा है बे-असर : हाजी जरीफ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम में सत्तासीन आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा बड़े जोर-शोर से शुरू किया गया अभियान अब दिल्ली होगी साफ का राजधानी में कोई असर देखने को नहीं मिल रहा। यह कहना है कबीर नगर के निगम पार्षद हाजी जरीफ का। हाजी जरीफ कहते हैं रूटीन सफाई भी कई वार्डों में नहीं हो पा रही। फिर किस बात का है विशेष सफाई अभियान। भीतर गलियों की तो बात छोडिये जनाब मेन रोड तक इस अभियान में साफ नहीं दिख रहे। अनेक स्थानों पर ढलाव घर भी समय पर साफ नहीं किये जा रहे। आम आदमी पार्टी की कथनी और करनी में हमेशा फरक दिखता है प्रचार तो ये लोग इतना करते है लेकिन करते कुछ नहीं। जहां तक हमारे कबीर नगर वार्ड का सवाल है, हम जब पार्षद नहीं थे तब भी अपने निजी संसाधनों के माध्यम से लोगो की शिकायतों पर अमल करते हुए काम करवाया करते और अब तो ऊपर वाले की मेहरबानी से जनता का आशीर्वाद हमें मिला है हम सफाई तो क्या कोई भी समस्या जो हमारे संज्ञान में लायी जाती है उसका समाधान करने का प्रयास करते हैं। आम आमदी पार्टी की नगर निगम सरकार ने बड़े जोर शोर से राजधानी दिल्ली में विशेष सफाई अभियान की शुरूवात की थी। कई दिनों तक इनके नेताओं ने हाथों में झाड़ू ले फोटो सेशन भी जमकर किये थे लगता था अब दिल्ली का सफाई सिस्टम कुछ ठीक होगा लेकिन अन्य घोषणाओं की तरह आप पार्टी का यह अभियान भी कागजी बनकर रह गया। हाजी जरीफ कहते हैं विशेष सफाई अभियान का आलम यह है कि रूटीन में होने वाली सफाई में भी कमी देखी जा रही है। खासतौर से यमुनापार में तो इस अभियान का कोई असर देखने को नहीं मिल रहा।

आपात स्थिति में अमीरात की फ्लाइट की दिल्ली में लैंडिंग, दुबई से चीन के गुआंगझू जा रहा था विमान

नई दिल्ली। दुबई से गुआंगझू जाने वाली फ्लाइट अमीरात की फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में शुक्रवार को फ्लाइट को दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया।

इसके बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट ईके 362 शुक्रवार को लगभग चार बजकर पांच मिनट पर दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। अ380 विमान दुबई से चीन के गुआंगजू के लिए उड़ान भर रहा था और मेडिकल इमरजेंसी के कारण उसका मार्ग बदल दिया गया।

कन्हैया मित्तल के भजनों पर झूमें हजारों श्याम भक्त

नई दिल्ली। रोहिणी स्थित जापानी पार्क के लॉन न.1 में श्री श्री खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा आयोजित षष्टम् श्री कृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव 2023 में आज कन्हैया मित्तल द्वारा प्रस्तुत भजनों ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध। कन्हैया मित्तल जैसे ही स्टेज पर आए जोरदार तालियों से उपस्थित लोगों ने उनका स्वागत किया। आज की सांस्कृतिक संध्या मशहूर भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के नाम रही। षष्टम् श्री कृष्ण जन्माष्टमी नंदोत्सव 2023 में अपनी प्रस्तुति देने आए मुख्य कलाकार के रुप में कन्हैया मित्तल ने श्याम बाबा के भजनों की प्रस्तुति से माहौल को भक्तिमय कर दिया। उन्होंने अपना प्रसिद्ध गीत सेठो के सेठ खाटू नरेश.....तेरे दर पर आना रोज..., मैने अच्छा लगा..., तुनें कर दी मोज..., मैने अच्छा लगे से....., तेरी भक्ति का चढ गया सरुर बालाजी..... व लेने आजा रिंग्स के मोड पे..... गाकर पंडाल में बैठे दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया। समिति चेयरमैन हरीश शर्मा व सदस्यों ने कन्हैया मित्तल को स्मृति चिन्ह देकर उनको सम्मानित भी किया। इस अवसर पर समिति के चेयरमैन हरीश शर्मा, वाइस चेयरमैन संजय मित्तल, चेयरमैन कंट्रोल बोर्ड जय किशन बंसल, प्रेसिडेंट अमित गोयल, वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता, महामंत्री अरविंद गोयल, कोषाध्यक्ष सीए नितेश गोयल सहित समिति के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण के जयकारों के बीच दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने किया जी20 के वेदांतिक मॉडल का अनावरण!

नई दिल्ली। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा दिल्ली के द्वारका स्थित सेक्टर-10 के डीडीए ग्राउंड में विलक्षण एवं विशाल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस जन्माष्टमी की विशेषता थी जी20 की थीम-वसुधैव कुटुम्बकम् पर आधारित वेदांतिक मॉडल का अनावरण। संस्थान के सनातनी युवा कार्यकरताओं के संग दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के भगवाधारी सन्यासियों ने गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में इस जी20 के वेदांतिक मॉडल का लॉन्च किया। लहराते भगवा झंडों एवं तिरंगों के बीच, और श्रीकृष्ण के जयकारों की गूंज के साथ, यह मॉडल लॉन्च किया गया, जिसने इस उपलक्ष्य को और सुंदर व उत्साहपूर्ण बना दिया। इस मॉडल में जी20 के एजंडे में अंकित प्रासंगिक पहलुओं, जैसे कि पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियाँ, महिला सशक्तिकरण, संस्कृति संवर्धन और संरक्षण इत्यादि का वेदों में निहित ज्ञान द्वारा निदान प्रस्तुत किया गया। आपको बता दें कि इस लॉन्च को 3000 वर्ग फुट की एलईडी स्क्रीन से बने पूर्ण डिजिटल मंच एवं पंडाल में स्थापित विशाल आकार की 10 एलईडी पर भी प्रदर्शित किया गया।

इसके अलावा इस भव्य महोत्सव में अनेकानेक श्रीकृष्ण लीलाओं पर आधारित नृत्य-नाटिकाएँ तो हुई हीं। साथ ही उनमें छिपे श्रीकृष्ण-तत्व की सरल आध्यात्मिक विवेचनाओं को भी श्री आशुतोष महाराज जी के पूर्ण रूप से समर्पित विद्वत स्वामी तथा साध्वी शिष्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। पंडाल में 350 फीट से अधिक क्षेत्रफल झाँकियों के लिए समर्पित किया गया था, जिनमें श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण की लीलाओं में सहभागी होने का विलक्षण अवसर भी प्राप्त हुआ। भक्तों को उत्सुकता एवं उत्साह के साथ इन प्रदर्शनियों में भाग लेते और फोटो खिंचवाते हुए पाया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, श्री सोम प्रकाश जी समेत दिल्ली प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि भी पधारे। गत दिवस इसी कार्यक्रम में केंद्रिय मंत्री श्रीमति स्मृति ईरानी जी ने भी शिरकत की थी।

जय सियाराम बोलने वाले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री जाएंगे अक्षरधाम मंदिर, भगवान स्वामीनारायण के करेंगे दर्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक शुक्रवार को अपनी पत्नी के साथ दिल्ली पहुंच गए। राजधानी में 9 और 10 सितंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक जी-20 समिट के अलावा रविवार को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर भी जाएंगे। अक्षरधाम मंदिर जाएंगे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और उनका पत्नी का स्वागत किया। पिछले साल अक्टूबर में प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली बार सुनक भारत के दौरे पर हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने अलावा ऋषि सुनक रविवार यानी 10 सितंबर को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर भी जाएंगे।

शांगरी ला होटल में रुके हैं ऋषि सुनक वह अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ भगवान स्वामिनारायण के दर्शन करेंगे। हालांकि, मंदिर के पदाधिकारी ने अभी समय की पुष्टि नहीं की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के लिए दिल्ली के शांगरी ला होटल में ठहरने का इंतजाम किया गया है।

ऋषि सुनक ने बोला था जय सियाराम खास बात है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का कुछ समय पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह मोरारी बापू की कथा में जय सियाराम कहते नजर आए थे। उस दौरान मोरारी बापू से ऋषि सुनक ने कहा था कि मैं एक ब्रिटिश पीएम नहीं, एक हिंदू के नाते आया हूं।

दिल्ली पहुंचने से पहले ऋषि सुनक ने कहा कि वह स्पष्ट फोकस के साथ जी20 शिखर सम्मेलन में जा रहे हैं, जिसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करना, अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाना और सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करना शामिल है।

सुनक के साथ प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय बैठक बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ 9 सितंबर को जी-20 सम्मेलन से अलग द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेताओं ने इस साल मई में हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन के मौके पर मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों के साथ-साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते, नवाचार और विज्ञान पर चर्चा की।

फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाने वाले तीन जालसाज दबोचे

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-63 की पुलिस ने फर्जी आधार व पैन कार्ड बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से थम्ब स्कैनर मशीन, फिंगर प्रिंट स्कैनर, बायोमेट्रिक मशीन सहित अन्य सामान बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपी ऐसे लोगों को फर्जी आधार व पैन कार्ड उपलब्ध कराते थे जिनका सिविल खराब होता था। नोएडा के थाना सेक्टर-63 के थाना प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि एक सूचना के आधार पर सेक्टर-63 डी ब्लॉक से संजीत कुमार पुत्र रविंदर निवासी बिहार, जितेंद्र शर्मा पुत्र धर्मवीर शर्मा निवासी अलीगढ़ व आकाश कुशवाहा पुत्र रमेश चंद्र कुशवाहा निवासी आगरा को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए तीनों आरोपी हाल में नोएडा में रह रहे हैं। इनके पास से 6 लैपटॉप, 11 टैबलेट, एक वेब कैमरा, दो आई स्कैनर मशीन, दो बायोमेट्रिक मशीन, 6 फर्जी आधार कार्ड, एक सिलिकॉन का अंगूठा, भारी मात्रा में आधार कार्ड व पैन कार्ड बनाने के प्लास्टिक स्मार्ट कार्ड, 8 फिंगर प्रिंट स्कैनर, थंब स्कैनर मशीन बरामद हुई हैं।

देश का विकास भूल नाम बदलने में ही निकाल दिया भाजपा ने कार्यकाल : कैलाश जैन

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा दिल्ली के द्वारका स्थित सेक्टर-10 के डीडीए ग्राउंड में विलक्षण एवं विशाल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस जन्माष्टमी की विशेषता थी जी20 की थीम-ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व पर आधारित वेदांतिक मॉडल का अनावरण। संस्थान के सनातनी युवा कार्यकरताओं के संग दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के भगवाधारी सन्यासियों ने गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में इस जी20 के वेदांतिक मॉडल का लॉन्च किया।

लहराते भगवा झंडों एवं तिरंगों के बीच, और श्रीकृष्ण के जयकारों की गूंज के साथ, यह मॉडल लॉन्च किया गया, जिसने इस उपलक्ष्य को और सुंदर व उत्साहपूर्ण बना दिया। इस मॉडल में जी20 के एजंडे में अंकित प्रासंगिक पहलुओं, जैसे कि पर्यावरण और जलवायु परिस्थितियाँ, महिला सशक्तिकरण, संस्कृति संवर्धन और संरक्षण इत्यादि का वेदों में निहित ज्ञान द्वारा निदान प्रस्तुत किया गया। आपको बता दें कि इस लॉन्च को 3000 वर्ग फुट की एलईडी स्क्रीन से बने पूर्ण डिजिटल मंच एवं पंडाल में स्थापित विशाल आकार की 10 एलईडी पर भी प्रदर्शित किया गया।

इसके अलावा इस भव्य महोत्सव में अनेकानेक श्रीकृष्ण लीलाओं पर आधारित नृत्य-नाटिकाएँ तो हुई हीं। साथ ही उनमें छिपे श्रीकृष्ण-तत्व की सरल आध्यात्मिक विवेचनाओं को भी श्री आशुतोष महाराज जी के पूर्ण रूप से समर्पित विद्वत स्वामी तथा साध्वी शिष्यों द्वारा प्रस्तुत किया गया। पंडाल में 350 फीट से अधिक क्षेत्रफल झाँकियों के लिए समर्पित किया गया था, जिनमें श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण की लीलाओं में सहभागी होने का विलक्षण अवसर भी प्राप्त हुआ। भक्तों को उत्सुकता एवं उत्साह के साथ इन प्रदर्शनियों में भाग लेते और फोटो खिंचवाते हुए पाया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, श्री सोम प्रकाश जी समेत दिल्ली प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि भी पधारे। गत दिवस इसी कार्यक्रम में केंद्रिय मंत्री श्रीमति स्मृति ईरानी जी ने भी शिरकत की थी।

संक्षिप्त खबरें

पानी भरे गड्ढे में डूबने से बच्ची की मौत

मुजफ्फरपुर।गायघाट थाना अन्तर्गत बेनीबाद ओपी क्षेत्र के जांता डीह गांव में पानी में डूब जाने से एक आठ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। मृतका की पहचान जांता डीह गांव के राजनीश कुमार पाण्डेय की आठ वर्षीय पुत्री परिधि कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि परिधि कुमारी बीते कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार थी जिसका ईलाज चल रहा था। इसी बीच बीते गुरुवार की दोपहर में अचानक वह घर से गायब हो गई थी। इसके बाद परिजन लगातार खोजबीन कर रहे थे। शुक्रवार की सुबह जब गांव के कुछ महिला खेत में घास लेने गई इसी बीच पानी से भरे गड्ढे में एक शव उपलाते हुए दिखा। शव मिलने के जानकारी सुन पहुंचे परिजनों ने उसकी पहचान की। बेनीबाद ओपी अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। इसके साथ ही आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

सांसद के जन्मदिवस पर अस्पताल में मरीजों के बीच फल वितरण

बेगूसराय, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री सह बेगूसराय के लोकप्रिय सांसद गिरिराज सिंह के जन्मदिवस के पर सदर अस्पताल में शुक्रवार को भाजपा नेताओं के द्वारा मरीज के बीच फल वितरण कार्यक्रम किया गया। जिला अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम किया गया। जिला अध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने गिरिराज सिंह के लंबी आयु की कामना करते हुए बताया कि बेगूसराय के लोकप्रिय सांसद गिरिराज सिंह के जन्मदिवस के पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनके जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में हम लोगों ने मनाया। जिसके तहत जिला भाजपा के द्वारा सदर अस्पताल में फल वितरण, दलित बस्ती में कॉपी किताब, वितरण, खिचड़ी वितरण सहित अन्य कई जगहों पर जिला भाजपा के द्वारा कार्यक्रम किया गया है। सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर ने कहा कि हम सभी लोग अपने यशस्वी सांसद के दीघार्यु जीवन की कामना करते हैं एवं ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उन्हें लंबी आयु दें। वह इसी प्रकार राष्ट्रवाद की परचम को देश में लहराते रहे। उन्होंने कहा कि उनका प्रतिनिधित्व आगे भी हम लोगों को मिलता रहे, इसकी कामना करते हैं। जिला प्रवक्ता शुभम कुमार ने बताया कि संध्या में सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र अमर के द्वारा साई की रसोई में भोजन वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार विरेश, जिला महामंत्री कुंदन भारती, जिला प्रवक्ता शुभम कुमार, अमित कुमार, आईटी सेल के सह संयोजक दीपक पोद्दार, सीताराम कुमार सहित अन्य नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्थानीय संत शिरोमणि रविदास भवन में बीएसपी के बैठक संपन्न

कैमूर : बहुजन समाज पार्टी जिला इकाई कैमूर के तत्वाधान में स्थानीय संत शिरोमणि रविदास आश्रम में बाबू जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस मनाया गया। शहादत दिवस की अध्यक्षता बसपा के जिला अध्यक्ष छोटेलाल राम ने किया बैठक में बिहार प्रदेश प्रभारी सुरेश राव बसपा प्रदेश महासचिव श्रीमती मानकी देवी प्रदेश महासचिव विश्वंभर सिंह यादव उर्फ वकील प्रदेश महासचिव जिला पार्षद सदस्य विकास कुमार सिंह उर्फ लल्लू पटेल बाबू जगदेव प्रसाद के तेल चित्र पर माल्यार्पण पर करते हुए कहा कि शोषित वंचित पिछड़े तब को के लिए के लिए जीवन प्रयन्न संघर्ष करते रहे। बाबू जगदेव प्रसाद को सत्ता पक्ष के लोगों ने विभिन्न प्रकार के लालच देकर अपने पक्ष में लाना चाहते थे लेकिन उन्होंने कहा था कि सौ में 90 भाग हमारा है। उन्होंने संघर्ष के बदौलत पूरे देश में लेनिन के नाम पर एक पहचान बनाए सत्ता पक्ष ने घबराकर उनके ऊपर जानलेवा हमला कर के हत्या कर दिया गया आज भी पूरे भारत में क्रांति के जनक के रूप में याद किया जाता है। बहुजन समाज पार्टी ने रविदास आश्रम में पार्टी के विस्तारवादी सोच के लिए एक समीक्षात्मक बैठक आहूत किया। बैठक में आगामी 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर रणनीति पर विचार विमर्श किया गया।

मानव तस्करी रोधी इकाई ने नाबालिग युवती को तस्करों से बचाया

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। पुनः एक नाबालिग नेपाली लड़की की तस्करी होने से रोक कर उसका जीवन बर्बाद होने से बचा लिया गया। मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय, रक्सौल एक मोहम्मद वारिस अली नामक व्यक्ति को तब पकड़ा, जब वह नेपाल की एक नाबालिग लड़की को पटना में झांसा दे कर अन्यत्र ले जाने की फिराक में था। मिली जानकारी के मुताबिक मानव तस्करी रोधी इकाई टीम ने एक लड़के और एक लड़की को ऑटो से जाते देखा तो थोड़ा संदेह हुआ। संदेह के कारण जब उनको रोका गया, तब पता चला कि ये युवक इस लड़की को बहुत दिनों से ले कर भागा हुआ था। जिसके बाद सूचना देकर एनजीओ आफन्त, नेपाल, बीरगंज ने जब लड़की की काउंसिलिंग की तब पता चला कि फेसबुक और एक दोस्त के माध्यम से उक्त व्यक्ति ने नेपाली नाबालिग लड़की से दोस्ती कर व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर मात्र तीन महीने में लड़की को अपने साथ ले जाने के लिए तैयार कर लिया था। वहीं मोहम्मद वारिस अली की जान-पहचान की एक संदिग्ध लड़की का नाम भी उजागर हुआ, जो नाबालिग लड़की को फंसाने के लिए सहायता कर रही थी। जब लड़की से पूछा गया कि उससे पहले कभी मिली थी तो उसने बताया की पहले मोबाइल से ही बातचीत होती थी। लड़के ने बातचीत करने के दौरान अपनी जान-पहचान वाली महिला से भी बात कराया था, महिला ने मेरे से अच्छे से बातचीत की और उसने मुझे बताया कि ये बहुत अच्छा लड़का है, मै इससे लव मैरिज कर के बहुत खुश रहूंगी।

जब लड़के से पूछताछ की गयी तो लड़के ने बताया कि मै इसे तीन-चार दिन से ले कर घूम रहा था। शादी करने के बारे में कुछ सोचा नहीं था। जब लड़की के घरवालों से बात की गयी तो उन्हे इस बात की कोई जानकारी नही थी की उनकी लड़की किसी लड़के के साथ जा रही है। लड़की के घरवालों ने अनुरोध किया कि उनकी लड़की को नही जाने दिया जाए। वे अपनी लड़की को लेने के लिए भारत-नेपाल सीमा पर आ रहे है। उसके बाद मोहम्मद वारिस अली पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए इनरवा प्रहरी चौकी बीरगंज नेपाल पुलिस को सौंप दिया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में मानव तस्करी रोधी इकाई क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया कार्यालय 47वी वाहिनी एसएसबी रक्सौल के इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक नेहा सिंह, सहायक उपनिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा, मुख्य आरक्षी अरविन्द द्विवेदी एवं एनजीओ आफन्त नेपाल की दीर्घा थापा रही।

युवक ने कार पर किया पथराव पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर : थाना क्षेत्र के गिद्धौर झाझा मुख्य राजमार्ग पर बनझुलिया गांव के समीप एक युवक द्वारा एक कार पर पथराव किया गया। वहीं थाना पुलिस द्वारा पथराव करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान गंगरा निवासी रूपेश मनी सिंह के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के बनझुलिया गांव निवासी रौशन कुमार एक बोलेनो कार नंबर जेएच 01ईजी 0667 को लेकर देवघर जा रहा थी इसी क्रम में उसकी कार बनझुलिया से गंगरा की ओर जैसी ही बढ़ी तो उत्क्रमित मध्य विद्यालय बनझुलिया के पास ट्रैफिक जाम होने के कारण चालक रौशन ने गाड़ी रोकी कि तभी गंगरा निवासी रामसागर सिंह के पुत्र रूपेश मनी सिंह गाड़ी के पास पहुंचकर गाड़ी की चाबी छीन ली व गाड़ी पर पथराव करने लगा। उक्त गाड़ी पर जमुई व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता प्रसिद्ध नारायण सिंह सवार थे। वहीं गाड़ी के चालक रौशन कुमार ने बताया कि जान मारने की नीयत से रूपेश मनी सिंह द्वारा कार पर पथराव किया गया। पथराव इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी का शीशा तोड़ते हुए पिछली सीट पर बैठे अधिवक्ता को छू कर बगल जा गिरा। वहीं वाहन चालक रौशन ने बताया कि गाड़ी पर कई जगह पथराव किया। जिससे गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। इधर अधिवक्ता को बचाने लगा तो रूपेश मनी सिंह द्वारा मुझे जातिसूचक शब्द का प्रयोग करते हुए मेरे साथ मारपीट कर मुझे घायल कर दिया। पीड़ित ने आगे बताया कि इस घटना की सूचना तत्क्षण गिद्धौर थाना को दी गई। वहीं सूचना मिलते ही गिद्धौर थाना पुलिस के अवर निरीक्षक शंकर कुमार घटनास्थल पहुंचकर रूपेश मनी सिंह को गिरफ्तार कर लिया। कहते है थानाध्यक्ष इस संबंध में थानाध्यक्ष बृजभूषण सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि गाड़ी पर पथराव एवं चालक के साथ मारपीट व गाली गलौज किये जाने की सूचना मिली। जिस पर त्वरित कारवाई करते हुए गंगरा निवासी रूपेश मनी सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक होगा एआईएसएफ का राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय, प्रातः किरण ब्यूरो। जिले में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक होने वाले एआईएसएफ के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारी जोर-शोर पर है।

इस बीच ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के कार्यकर्ता राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर आयोजित बेगूसराय में दिनकर विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग को लेकर शिक्षा बचाओ रैली में भाग लेने के संपर्क कर रहे हैं। बेगूसराय के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में छात्र संपर्क अभियान चलाते हुए राज्य सचिव अमीन हमजा ने कहा कि बेगूसराय में दिनकर के नाम पर विश्वविद्यालय की मांग हमारा संगठन दशकों से कर रहा है। लेकिन सरकार के कानों तक जू नहीं रेंग रही है।जिले में लगभग 1 लाख स्टूडेंट्स हैं। इसलिए बेगूसराय को एक विश्वविद्यालय की जरूरत है।

इसलिये हमारे राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर आयोजित महारैली बेगूसराय में दिनकर विश्वविद्यालय की मांग को लेकर होगी। यह लड़ाई आम छात्रों की लड़ाई है। इसलिए उन्हें इस महारैली में शामिल होकर अपनी चट्टानी एकता का परिचय देने की जरूरत है। दूसरी तरफ बिना संसद में बहस किये इस देश की शिक्षा को पूरी तरह से गर्त में धकेलने वाली नई शिक्षा नीति 2020 जबरदस्ती थोप दिया गया। इसके खिलाफ भी आम छात्रों को लड़ने की जरूरत है।

जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार ने कहा कि बेगूसराय के दो नमूने सांसद हैं। जिन्हें बेगूसराय के शिक्षा से कोई लेना-देना नहीं है और उन दो नमूने के चट्टे बट्टे छात्र संगठन ने कभी अपने सांसद से दिनकर विश्वविद्यालय की मांग नहीं किया। यह दुर्भाग्य की बात है।

राज्यपाल, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति जिस छात्र संगठन का हो वह अगर छात्रों के लिए कुछ नहीं करता है तो आम छात्रों को वैसे छात्र संगठन पर विचार करने की जरूरत है। पूर्व छात्र नेता राजीव रंजन ने कहा कि अभी देश के शिक्षा को बचाने के लिए ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन जैसे छात्र संगठनों की जरूरत है। आम छात्र इसी संगठन से जुड़कर अपनी हक की लड़ाई को बुलंद कर सकते हैं। जिला उपाध्यक्ष बसंत कुमार एवं नगर मंत्री विपिन कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि हमारा संगठन बेगूसराय में ऐतिहासिक राष्ट्रीय सम्मेलन करेगा। जिसकी तैयारी में पूरे बेगूसराय के छात्र जुट हैं। यह रैली जीडी कॉलेज से निकलकर गांधी स्टेडियम तक जाएगी वहां सभा का आयोजन होगा।

अलीगंज प्रखंड आपूर्ति कार्यालय बंद रहने से आमजन परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

अलीगंज। इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड आपूर्ति कार्यालय अधिकांश दिन बंद ही रहता है। जिससे राशन कार्ड व अन्य समस्याओ को लेकर प्रखंड आपूर्ति कार्यालय आये आमजनो को काफी परेशानियो का सामना करना पडता है। ग्रामीणो ने बताया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी व कर्मी का दर्शन होना अपने सौभाग्य की बात समझने लगे है। ग्रामीण मनोज कुमार सिंह, मुकेश कुमार, अर्जुन सिंह, सोहर मांझी, कारी देवी, महादेव साह, अजय पाण्डेय, राजकुमार पासवान, जगदीश मांझी ने बताया कि 15- 20 दिनो से आपूर्ति कार्यालय आ रहा हू लेकिन लगातार बंद ही रहता है। और कभी 12 बजे तो कभी 2 बजे खुलता है।और घंटो मे ही बंद हो जाता है।लगता है कि सरकार के द्वारा प्रखंड आपूर्ति कार्यालय खुलने व बंद होने का कोई समय सीमा ही निर्धारित नही है। मैना गांव निवासी मनोज सिंह, हरिराम कुमार, सरोजनी देवी, कविता देवी, चिन्ता देवी सहित आधा दर्जन लोग शुक्रवार की दोपहर लगभग 1:30 बजे तक कार्यालय के बाहर बैठे थे, और कार्यालय मे ताला लगा था। उक्त लोगो ने बताया कि राशन कार्ड के लिए ऑनलाइन किया था।बन कर तैयार है राशन कार्ड लेने सहित अन्य समस्याओ की जानकारी के लिए 20 दिनो से कार्यालय आ रहा हू।लेकिन अधिकांश दिनशकार्यालय बंद ही रहता है। आज भी दस बजे से कार्यालय के बाहर बैठा हू न एम ओ साहब और न ही कोई कर्मी आये है। यह हालात 20 दिनो से देख रहा हू। कभी एक बजे तो कभी दो बजे कार्यालय खुलता है।लेकिन दो सप्ताह से बंद ही रह रहा है। लगता है जैसे इस विभाग के अधिकारी व कर्मी को कार्यालय खोलने व बंद करने कोई समय सीमा निर्धारित नही है। ग्रामीणो ने बताया कि आपूर्ति कार्यालय अधिकांश दिन बंद ही रहता है।इसे सरकार की कार्यालय खुलने व बंद करने की कोई समय सीमा निर्धारित नही किया गया है। एक ओर सरकार वन नेशन वन वेशन कर उपभोक्ताओ को हर सुविधा मुहैया कराने के लिए रात दिन प्रयासरत है।और अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यो का निर्वहन कागजी कोरम पर निर्धारित कर कार्यालय से अनुपस्थित रह रहे है।जिससे अपने दैनिक मजदुरी व कार्य को छोड़कर राशन कार्ड बनाने एवम नाम जोड़े जाने एव डीलर के द्वारा यूनिट के अनुसार राशन नही देने संबंधित शिकायत करने के लिए कार्यालय बंद रहने पर वापस लौटना पड रहा है। आपूर्ति कार्यालय बंद रहने की शिकायत कार्यालय आये दर्जनो उपभोक्ताओ ने एसडीओ जमुई से किया है। एसडीओ अभय कुमार तिवारी ने बताया कि इस्लामनगर अलीगंज आपूर्ति कार्यालय बंद रहने की शिकायत मिली है। जाचोपरानत कारवाई किया जाएगा।

बारिश से अस्पताल में हुआ जलजमाव, संक्रमण का बना खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

झाझा-दो दिनों से हो रही बारिश के कारण रेफरल अस्पताल में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।खासकर अस्पताल परिसर के बाहर प्रसव कक्ष जाने वाले मार्ग पर जलजमाव होने के कारण मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जलजमाव होने के कारण गर्भवती महिलाओं को आवागमन में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।जलजमाव होने के कारण उन्हे फिसलने का डर भी बना रहता है।इसके अलावे अस्पताल परिसर के अन्य कई जगहों पर भी जलजमाव हो चुका है।जलजमाव के कारण कई प्रकार की संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है।बावजूद अस्पताल प्रशासन की नजरे इस ओर नही जा पा रही है।दरअसल गुरूवार और शुक्रवार को घंटो देरी तक हुई बारिश के कारण मौसम सुहाना तो हो गया वही अस्पताल में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।जिससे स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था की पोल खुल गई।इसके अलावे अस्पताल के कई कक्ष में पानी का रिसाव की स्थिति भी बन गई।इधर अस्पताल प्रशासन की ओर से इस मामलें मे किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया स्पष्ट रूप से नही दिया गया जिससे मरीजों को हो रही परेशानी का समाधान हो सके।इधर अस्पताल में इलाज करवाने पहुँचे मरीजो ने भी कहा कि जलजमाव के कारण परेशानी हो रही है

पीडीएस डीलरों ने किया चावल उठाव से इन्कार

मुजफ्फरपुर, गायघाट प्रखंड मुख्यालय स्थित एसएफसी गोदाम से पीडीएस दुकानदारों ने चावल लेने से इंकार कर दिया है। पीडीएस दुकानदारों का कहना है की इस बार चावल नहीं चावल का टुकड़ा भेजा गया है। जो उपभोक्ता लेने से इंकार कर रहे हैं। एसएफसी गोदाम के प्रबंधक विजय कुमार सिंह ने बताया कि तीन दिन से चावल लदा ट्रक गोदाम परिसर में खड़ा है। इससे पूर्व 6 सितंबर को एक ट्रक चावल भेजा गया था, जिसमें 75 फीसदी चावल टूटा हुआ पाया गया। बताया कि सभी पीडीएस दुकानदारों ने एक साथ टूटा चावल लेने से मना कर दिया है। जो वापस भेजने के लिए सीएमआर के एजीएम को सूचना दिया गया है। इसके साथ ही जिला प्रबन्धक को भी इस मामले की जानकारी दी गई है।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्थानीय दयालु सिंह महाविद्यालय में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन ,अजय कुमार, वरीय उप समाहर्ता ,अर्चना कुमारी और जिला जन संपर्क पदाधिकरी दिनेश कुमार ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर युवा महोत्सव का शुभारंभ किया ।कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी दिनेश कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया।उन्होंने बताया कि 25 विधाओं में कुल 70 युवा प्रतिभागी आज अपनी प्रस्तुति दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन युवाओं की असीम ऊर्जा को सही दिशा देता है। यह न सिर्फ संस्कृतिक बल्कि अन्य क्षेत्रों में युवा शक्ति को प्रखर करता है। मुख्य अतिथि के रुप में एडीएम आपदा अजय कुमार ने भी युवा शक्ति को ,उनकी कलात्मक प्रतिभा को आगे लाने का अवसर प्रदान करता है।उप निर्वाचन पदाधिकारी सत्य प्रिय कुमार अवर निर्वाचन पधा धिकारी राजू कुमार ने भी युवा को संबोधित किया। विकास प्रभारी सह वरीय उप समाहर्ता अर्चना कुमारी ने युवाओं का हौसला अफजाई किया। सभी अलग अलग विधाओं में निर्णायक मंडल की टीम ने पूरी पारदर्शिता के साथ निर्णय किया।

लूट की 4 मोटरसाइकिल के साथ चार कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत छिनतई और लूट की घटना को अंजाम देने वाले 04 अभियुक्तों को पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।उसके पास से लुटी गई चार मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय मुजफ्फरपुर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि विगत 5सितम्बर को कुछ अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा अहियापुर थाना क्षेत्र के एसकेएमसीएच ओभर ब्रिज पर मोटरसाईकिल सवार अज्ञात अपराधकर्मी द्वारा मोटरसाईकिल लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के संदर्भ में 05. सितम्बर को ही आवदेक दुर्गेश गौरव के लिखित बयान पर अहियापुर थाना कांड संख्या-1110/23 धारा 392 भा०द०वी० दर्ज की गई। कांड के सफल उद्भेदन हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम द्वारा तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त दिलकश अंसारी पिति अफरोज अंसारी ग्राम बोआरी डीह थाना गायघाट , बिटु कुमार पिता गरीब नाथ सहनी ग्राम झपहा डीह थाना अहियापुर, छोटु कुमार पिता धनेश्वर दास ग्राम रामनगर थाना गायघाट, एवं मो0 शहनवाज उर्फ रौशन पिता मो० खुर्शीद ग्राम बुधौली थाना बोचहाँ सभी जिला मुजफ्फरपुर को रंगे हाथ लूट की मोटरसाईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। लूट की मोटरसाईकिल के अलावा गायघाट एवं बोचहाँ थाना अंतर्गत चोरी के पल्सर एवं अपाचे मोटरसाईकिल एवं एक मोबाइल भी बरामद किया गया हैं। गिरफ्तार अपराधी बिट्टु कुमार के विरुद्ध सीतामढ़ी के महिंदवारा एवं मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाने में विभिन्न धाराओं के तहत पहले से ही चार मामले दर्ज हैं।

डेंगू एवं चिकनगुनिया संबंधित मरीजों को लेकर बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। डेंगू एवं चिकनगुनिया के संभावित, प्रतिवेदित मरीजों के जाँच, उपचार एवं प्रबंधन के साथ निरोघात्मक कारवाई हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं आईएमए तथा निजी प्रयोगशाला के चिकित्सकों के साथ एक समन्वय बैठक स्थानीय आईएमए भवन, मोतिहारी में डॉ. अंजनी कुमार, सिविल सर्जन, पूर्वी चम्पारण के आईएमए के अध्यक्ष, डॉ. आशुतोष शरण की संयुक्त अध्यक्षता में स्थास्थ्य विभाग, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय, मोतिहारी के तत्वाधान में आहुत की गई।

बैठक में विभिन्न चिकित्सको के साथ निजी प्रयोगशाला के चिकित्सकों के द्वारा अपनी स्थिती से अवगत कराया गया। सिविल सर्जन, पूर्वी चम्पारण एवं डा. एस. सी. शर्मा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी तथा सहायक वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आलोक कुमार के द्वारा सभी उपस्थित चिकित्सकों, निजी नर्सिंग होम संचालकों एवं निजी प्रयोगशाला से अपील किया गया कि डेंगू के संभावित मरीज अगर आपके संस्थान में आते है तो उनका जॉच अगर एनएस 1 रैपिड टेस्ट से करनें पर अगर धनात्मक आता है तो उसका स्थानीय सदर अस्पताल, मोतिहारी में कन्फर्मएटिव एलिसा एनएस 1 टेस्ट काराकर उसे डेंगू धनात्मक कंफर्म कराया जाना आवश्यक है।नइस हेतु सभी एनएस 1 रैपिड टेस्ट किट पॉजिटिव मरीज का लाईन लिस्ट मोबाईल न. के साथ ब्लड सैम्पल सदर अस्पताल को भेजना सुनिश्चित करेगें। साथ ही धनात्मक मरीजों की सूची जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय को ससमय प्रेषित करें। डा. आशुतोष शरण के द्वारा बताया गया कि अभी जो डेंगू के मरीज उनके अस्पताल में आ रहे है, वे सभी बिहार से बाहर यथा- कोटा, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदी से है। डेंगू का ससमय जॉच, उपचार एवं निरोधात्क बचाव आवश्यक है। रेड क्रॉस के चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार एवं सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के प्रभारी डा. जी.डी. तिवारी द्वारा डेंगू के मरीजों को प्लेटलेट्स उपलब्ध कराने के लिये सहमती दी गयी ।

गंगा ग्लोबल बीएड कॉलेज के प्रशिक्षुओं ने मनाया विश्व साक्षरता दिवस

● तकनीकी रूप से भी हमें साक्षर होने की जरूरत है : डॉ. नीरज

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय, गंगा ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन के सत्र 2020-22 एवं 2023-25 के प्रशिक्षुओं ने विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित की।

गोष्ठी का मुख्य विषय था वर्तमान समय में बिहार में साक्षरता दिवस समारोह की सार्थकता।

कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार ने किया। विषय प्रवेश करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि बिहार की साक्षरता दर थोड़ी कम है। इसे बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही कहा कि तकनीकी रूप से भी हमें साक्षर होने की जरूरत है। ये वर्तमान समय की मांग है।

प्रो.सुधाकर पांडेय ने कहा कि पहले साक्षर बने फिर शिक्षित बने। प्रशिक्षुओं ने साक्षरता के महत्व के साथ इसकी आवश्यकता तथा जागरूकता पर बल दिया। सुजीत कुमार ने साक्षरता पर आधारित लोकगीत गाया तथा कुमारी ममता ने केदारनाथ अग्रवाल की कविता प्रस्तुत किया।

गोष्ठी में प्रतिभा कुमारी, पुष्पांजलि कुमारी, नीलू कुमारी, अमीषा कुमारी, दिव्या कुमारी, डॉली कुमारी, सुशांत कुमार, ममता कुमारी, सौम्या झा, अंगुरी खातून, लिपि कुमारी, आदर्श कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये।

हिमरेणु कुमारी ने शिक्षा पर आधारित उक्त अवसर पर प्रो. सुधाकर पांडेय, प्रो. परवेज यूसुफ, प्रो.अंजली, डॉ. कामायनी कुमारी, प्रो. विपिन कुमार, प्रो. अमर कुमार, डॉ. एस अनिथा एस, डॉ. अविनाश कुमार, प्रो.धनंजय कुमार, प्रो. कुंदन कुमार आदि सहायक प्राध्यापक के साथ कार्यालयकर्मी प्रकाश सिन्हा व पुस्तकालय प्रभारी आलोक कुमार उपस्थित थे। मंच संचालन सत्र 2022-24 की प्रशिक्षु शिवानी और निशांत कुमार ने किया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. विपिन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

हजारीबाग स्कॉर्पियो दुर्घटना मे सभी चार मृतक मुजफ्फरपुर के,परिवार में मचा कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। झारखंड स्थित रजरप्पा छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जा रही स्कार्पियो हजारीबाग चरही घाटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। स्कॉर्पियो पर सवार चार युवक की दर्दनाक मौत मौके पर हो गई, वहीं तीन की हालत चिंता जनक बताई जा रही है। सभी मृतक और घायल मुजफ्फरपुर के विभिन्न गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।घटना की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया है।घटना कू बारे मे बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो से सात युवक छिन्नमस्तिका मंदिर के दर्शन करने के लिए चले थे। हजारीबाग की चरही घाटी में स्कॉर्पियो एक डिवाइडर से जा टकराई। इस हादसे में स्कॉर्पियो पर सवार मुजफ्फरपुर जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के अरविंद कुमार, मोहनपुर गांव के दिलीप कुमार, गौसनगर के मिंटू कुमार के साथ एक डॉक्टर की मौत मौके पर हो गई।

तीनों घायलों को गंभीर हालत में चिकित्सकीय उपचार के लिए हजारी बाग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना की सूचना मिलने के साथ ही एसकेएमसीएच से लेकर मृतक के गांव तक कोहराम मच गया है। इसके साथ ही सभी के परिजन एवं नजदीकी रिश्तेदार गांव से एवं मेदांता अस्पताल के मनोज कुमार अपने साथियों के साथ हजारीबाग के लिए रवाना हो चुके हैं। सभी की उम्र 40 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। जान कारी के मुताबिक मृतकों में अरविंद कुमार एसकेएमसीएच के पास मानव सेवा हॉस्पिटल चला रहे थे। मुकेश कुमार का ओलीपुर में हार्डवेयर की दुकान है। गौसनगर निवासी पिंटू राय मीनापुर , गंजबाजार पर महालक्ष्मी स्वीट हाउस चला रहे थे। घायलों में बंगाली डॉक्टर ओलीपुर के, धर्मेंद्र भगत और मदन राय गौसनगर निवासी बताए जा रहे हैं, जिनका इलाज हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है।

सम्पादकीय

संसद सत्र एजेंडे के बिन

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यालय और प्रवक्ता का कहना है कि संसद का सत्र 18-22 सितंबर को बुलाया गया है, लेकिन संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत कई मंत्री और पार्टी प्रवक्ता इसे विशेष सत्र करार दे रहे हैं। यह राष्ट्रपति के कथन और निर्णय में अतिक्रमण है और महामहिम तथा केंद्र सरकार के बीच विरोधाभास भी है। हमने यह स्थिति पहली बार देखी और महसूस की है। विपक्ष में सोनिया गांधी और इंडिया गठबंधन के नेताओं का भी मानना है कि सरकार ने संसद के विशेष सत्र का निर्णय मनमुताबिक लिया है। विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया गया। दरअसल भारत सरकार के परामर्श पर ही राष्ट्रपति ने संसद सत्र आहूत किया है। बहरहाल इस असमंजस से बाहर निकलते हुए हम मानते हैं कि पांच दिन का संसद सत्र बुलाया गया है। यदि यह विशेष सत्र है, तो कमोबेश मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए था कि किस विशेषता के तहत यह सत्र बुलाया गया है, जबकि मानसून सत्र 11 अगस्त को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था। संसद का शीतकालीन सत्र भी नवम्बर के अंत अथवा दिसंबर के शुरू में बुलाया जाता है। उस दौरान कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा राजनीतिक दलों के केंद्रीय नेता भी चुनाव-प्रचार में व्यस्त होंगे। क्या इसी के मद्देनजर यह विशेष सत्र बुलाया गया है? क्या शीतकालीन सत्र नहीं होगा? इन सवालों के संदर्भ में कहा जा सकता है कि संपूर्ण सत्र की तुलना में पांच दिवसीय सत्र पर्याप्त नहीं होता, क्योंकि विधायी कार्य लटके रहेंगे! चूंकि प्रस्तावित सत्र में शून्यकाल और प्रश्नकाल सरीखी संवैधानिक व्यवस्थाओं को अनुपस्थित रखा गया है, लिहाजा सवाल उठता है कि क्या सत्र वाकई विशेष है? यदि ऐसा है, तो उसका विशेष एजेंडा सार्वजनिक करने में दिक्कत क्या है?

यह भी परंपरा रही है कि कोई विधेयक पेश करने से पहले कमोबेश विपक्ष के सदनीय नेताओं को मसविदा जरूर मुहैया कराया जाता रहा है, ताकि उसका समुचित अध्ययन वे कर सकें और संसद में अपने संशोधन पेश कर सकें। विशेष सत्र का एजेंडा गोपनीय अथवा सनसनीखेज बनाने के लाभ क्या हैं? उससे सरकार की कौन-सी खुफियागीरी खंडित होगी? यदि विशेष सत्र में एक देश, एक चुनाव या महिला आरक्षण बिल अथवा भारत नामकरण सरीखे प्रस्ताव पेश किए जाने हैं, तो इनमें विशेष जल्दबाजी की जरूरत क्या थी कि संसद सत्र आनन-फानन में बुलाना पड़ा? यदि सरकार चंद्रयान-3, आदित्य एल-1 और जी-20 शिखर सम्मेलन सरीखी अमृत-काल की उपलब्धियों पर संसद का शाबाश प्रस्ताव पारित कराना चाहती है, तो इस कार्य-सूची को सार्वजनिक करने में परेशानी क्या है? कौन-सी गोपनीयता भंग हो सकती है? दरअसल मोदी सरकार की यह प्रवृत्ति बन गई है कि वह अत्यंत सामान्य फैसले को भी सनसनीखेज बना कर पेश करती है। प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात वही जानते हैं, इस पर सरकार और भाजपा बड़ा महान महसूस करती है। लोकतंत्र ऐसे नहीं चला करते। लोकतंत्र में सभी की भागीदारी और सोच बेहद जरूरी है।

मौजूदा संदर्भ में हमें लगता है कि संसदीय कार्य मंत्री को भी जानकारी नहीं है कि विशेष सत्र क्यों बुलाया गया है, लिहाजा वह टालू से जवाब दे रहे हैं। शायद प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद ही कुछ घोषणा की जाए! हालांकि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर शिकवा किया है कि विशेष सत्र विपक्ष से पूछे बिना ही आहूत किया गया है। यह संसद की स्थापित परंपराओं के विरुद्ध है। अलबत्ता उन्होंने चर्चा के लिए 9 बिंदु सुझाए हैं। ये ऐसे बिंदु हैं, जिन पर मानसून सत्र के दौरान बहस हो सकती थी, लेकिन विपक्ष और सरकार अपने-अपने नियमों पर अड़े रहे और सत्र लगभग धुल गया। चूंकि मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था, लेकिन फिर भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, मणिपुर और सांप्रदायिक हिंसा पर कोई ठोस बहस सामने नहीं आई। हालांकि सूचना मंत्री अनुराग ठाकुर भारत नामकरण पर तमाम अफवाहों का खंडन कर चुके हैं, तो भी उम्मीद करते हैं कि अभी सत्र में 10 दिन शेष हैं। शायद सरकार सत्र की विशेषता का खुलासा कर दे!

जी-20समिट : अतिथि देवो भवः

राकेश अचल

दिल्ली में होने वाली जी -20 समिट यानि समागम के जरिये भारत को एक बार लम्बे आरसे बाद दुनिया के 20 बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी का सौभाग्य मिला ह। देश की सरकार ने जिस तरिके से विदेशी मेहमानों के स्वागत की तैयारी की है उसे देखकर लगा है की विदेशी मेहमान कुछ देकर जाएँ या न जाएँ लेकिन अपने साथ भारतीय सौजन्यता की मधुर यादें अपने साथ अवश्य ले जायेंगे। ये आयोजन और यादगार बन जाता यदि सरकार औदार्य दिखाते हुए इस आयोजन के माध्यम से देश की सीआईसी एकता को भी प्रकट करता तो।

भारत में अतीत में ऐसे तमाम बड़े आयोजन हुए हैं जिनके जरिये दुनिया भारत की मेहमाननवाजी की कायल हुई है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों को हमने दिल्ली आते-जाते देखा है। हमने अपने पारम्परिक मित्रों के साथ पारम्परिक शत्रुओं को भी कटुता भुलाकर दिल्ली में उनके स्वागत में पालक पांवड़े बिछाए हैं,उन्हें झूला झुलाया है, लेकिन ये पहला मौका है जब इतनी बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान एक साथ एक मंच पर खड़े दिखाई देंगे।

एक जमाने में भारत की पहचान पंडित जवाहर लाल नेहरू के पंचशील और गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये दुनिया में बनीं थी। आज कुछ-कुछ वैसा ही जी-20 सम्मेलन के जरिये होता दिखाई दे रहा है। हमारे आज के प्रधानमंत्री उद्भट विद्वान हैं और उनकी अपनी कूटनीति इस सम्मेलन में अपनी छाप छोड़ेगी ये देखने वाली बात होगी। नेहरू के बाद या उनके मुकाबले दुनयातन करने वाले मोदी जी दुसरे या तीसरे भारतीय र्प्धानमंती हैं जिन्हें दुनिया जानती-पहचानती है और मानती है। दुनिया के पांच बड़े देश तो अब मोदी और भारत को जानते और मानते ही हैं। भारत की साख मोदीकाल में बढ़ी या घटी इसका आकलन किये बिना ये संतोष की बात है की हम मेजबानी के मामले में किस से कम नहीं नजर आ रहे। भारत सरकार ने विदेशी मेहमानों की आवभगत के लिए पूरे इंतजाम किये हैं पूरे केंद्रीय मंत्रिमंडल को इसके लिए तैनात किया है।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का स्वागत जनरल (सेवानिवृत) वीके सिंह करेंगे, जबकि इटली के पीएम, बांग्लादेश के पीएम, ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का स्वागत क्रमशः शोभा करंदलाजे, दर्शना जरदोश, अश्विनी चौबे और केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर करेंगे। ब्राजील के राष्ट्रपति के स्वागत की जिम्मेदारी नित्यानंद राय, फ्रांस की राष्ट्रपति के लिए अनुप्रिया पटेल, जर्मन चांसलर के लिए बी. एल. वर्मा. और मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए श्रीपद नाइक को कहा गया है. इसी तरह से सिंगापुर के प्रधानमंत्री को एल. मुरुगन, यूरोपीय संघ प्रमुख को प्रह्लाद पटेल, स्पेन के राष्ट्रपति को शांतनु ठाकुर और चीन के प्रधानमंत्री को वीके सिंह हवाई अड्डे पर लेने जायेंगे। श्री मोदीजीने दुनिया में अपने दौरों से सबक लेकर खुद किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की अगवानी से अलग रखा है। प्रधानमंत्री सभी राष्ट्राध्यक्षों का स्वागत कैसे और कहाँ करेंगे,ये रहस्य है।

आपको याद दिला दूँ कि जी-20 समूह का एजेंडा वैश्विक भलाई का है, पृथ्वी की भलाई का है, पृथ्वी के सतत भविष्य का है और इसीलिए जी-20 के लिए हमारा नारा एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य है. मिशन लाइफ इसका बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत के संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी भले ही देश को संसद के विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में नहीं बता पाए हों लेकिन उनका कहना है कि तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के नतीजे निस्संदेह पूरी दुनिया के लिए अच्छे परिणाम लाएंगे। जोशी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश पिछले कुछ वर्षों में एक नेता के रूप में उभरा है और आज भारत जो कहता है, दुनिया उसे सुनती है और उसका समर्थन करती है। जोशी ने कहा कि भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान संकट से निपटने के लिए विभिन्न देशों को घरेलू स्तर पर निर्मित टीकों और अन्य आवश्यक दवाओं की आपूर्ति करके वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

गौरतलब है कि जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (27 सदस्यीय समूह) शामिल है। जी-20 सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का करीब 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और करीब दो-तिहाई वैश्विक आबादी का प्रतिनिधित्व करते है। इस बार कि एक बात और महत्वपूर्ण है कि इस मौके पर विदेशी मेहमानों के सम्मान में भारत के राष्ट्रपति भोज देंगें इंडिया के नहीं। इंडिया को टाटा-बाय-बाय करने की ये शुरूवात है। सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इस सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले तमाम राष्ट्राध्यक्ष पहली बार भारत आएंगे।

भारतः विश्व ऊर्जा परिदृश्यऔ एवं जी-20

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न तात्कालिक खतरे के साथ ही साथ कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए त्वरित गति से जीवाश्म ईंधन से गैर-जीवाश्म ईंधन का रुख करने की तत्काल आवश्यकता और वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिककरण स्तर से 1.5 डिग्री तक सीमित करने के प्रयास को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया है। भारत दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वाले देशों में से एक है। हमारा प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.40 टीसीओ2ई (टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य) है, जबकि वैश्विक औसत 6.3 टीसीओ2ई है। कार्बन डाइऑक्साइड भार में हमारा योगदान केवल 4 प्रतिशत है जबकि हम दुनिया की आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा हैं। हम एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था हैं जिसकी ऊर्जा परिवर्तन गतिविधियां तापमान में 2 डिग्री से कम वृद्धि के अनुरूप हैं। सीओपी 21 पेरिस में, हमने वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का संकल्प लिया था, इस लक्ष्य को हमने नौ साल पहले 2021 में ही हासिल कर लिया। हमारी गैर-जीवाश्म उत्पादन क्षमता 187 गीगावॉट है और 103 गीगावॉट निमार्णाधीन है। ग्लासगो में सीओपी 26 में, हमने 2030 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन तक पहुंचने की प्रतिबद्धता व्यहक्त की है।

श्री आर.के. सिंह

केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री

भा जी-20 के सदस्यक देशों के नेता जब इस महीने की 9 और 10 तारीख को मिलेंगे, तो उनकी प्रमुख चिंता जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने की होगी। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न तात्कालिक खतरे के साथ ही साथ कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के लिए त्वरित गति से जीवाश्म ईंधन से गैर-जीवाश्म ईंधन का रुख करने की तत्काल आवश्यकता और वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिककरण स्तर से 1.5 डिग्री तक सीमित करने के प्रयास को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया है। भारत दुनिया में सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वाले देशों में से एक है। हमारा प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.40 टीसीओ2ई (टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य) है, जबकि वैश्विक औसत 6.3 टीसीओ2ई है। कार्बन डाइऑक्साइड भार में हमारा योगदान केवल 4 प्रतिशत है जबकि हम दुनिया की आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा हैं। हम एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था हैं जिसकी ऊर्जा परिवर्तन गतिविधियां तापमान में 2 डिग्री से कम वृद्धि के अनुरूप हैं।

सीओपी 21 पेरिस में, हमने वर्ष 2030 तक 40 प्रतिशत गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करने का संकल्प लिया था, इस लक्ष्य को हमने नौ साल पहले 2021 में ही हासिल कर लिया। हमारी गैर-जीवाश्म उत्पादन क्षमता 187 गीगावॉट है और 103 गीगावॉट निमार्णाधीन है। ग्लासगो में सीओपी 26 में, हमने 2030 तक 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म बिजली उत्पादन तक पहुंचने की प्रतिबद्धता व्यहक्त की है।

हमने सीओपी 21 में 2030 तक उत्सर्जन गहनता में 33 प्रतिशत की कमी लाने का संकल्प लिया था और 2019 में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। सीओपी 26 में हमने 2030 तक उत्सर्जन गहनता में 45 प्रतिशत कमी लाने की नई प्रतिबद्धता व्यीक्तक की है।

ऊर्जा दक्षता से संबंधित कदम उठाने की दिशा में हम अग्रणी हैं। हमारे उद्योग-केंद्रित प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) कार्यक्रम के माध्यम से हमने कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में सालाना 106 मिलियन टन की कमी की है। उपकरणों पर स्टार लेबलिंग से संबंधित हमारे कार्यक्रम से कार्बन उत्सर्जन में सालाना 57 मिलियन टन, जबकि हमारे एलईडी कार्यक्रम से हर साल 106 मिलियन टन की कमी आई है।

ऊर्जा तक पहुंच एसडीजी-7 में सबसे महत्व।पूर्ण है। विस्तार की दिशा में किए गए हमारे अभूतपूर्व प्रयासों ने 18 महीनों के भीतर हजारों गांवों और 26 मिलियन घरों को ऊर्जा उपलब्ध कराई है। पिछले नौ वर्षों में, हमने अपनी बिजली उत्पादन क्षमता में 190 गीगावॉट की वृद्धि की है और 1,97,000 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनें स्थापित कर दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ग्रिड बनाया है। हमने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

ऊर्जा परिवर्तन के संबंध में दुनिया के सामने कई चुनौतियां हैं। चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज विश्व में बैटरी भंडारण विनिर्माण क्षमता केवल 1163 जीडब्यूं एच है। भंडारण की लागत वर्तमान में बहुत अधिक है। हम 1000 एमडब्यूक एच भंडारण के लिए बोली लेकर आए हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी बोलियों में से है, और हमने बैटरी विनिर्माण क्षमता स्थापित करने के लिए कदम उठाए हैं।

परमाणु ऊर्जा निरंतर, स्वच्छ बिजली उत्पादन प्रदान करती है। हालांकि, हमें छोड़कर अधिकांश विकासशील देशों के पास महत्वपूर्ण परमाणु क्षमताओं का अभाव है। छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर इस दिशा में समाधान हो सकते हैं, लेकिन यह अभी तक विकास के चरण में है।

दूसरा समाधान कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (सीसीयूएस) है लेकिन यह भी शुरूआती चरणों में है। अधिग्रहण का प्रश्न लागत के प्रश्न की तरह ही बरकरार है।

एक अन्यं चुनौती आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की है। वर्तमान में, सौर सेल और मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक ही देश तक केंद्रित है। हमने बड़े पैमाने पर विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए एक उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) की स्थापना की और 2026 तक 100 गीगावॉट विनिर्माण क्षमता हासिल करने की राह पर हैं। इसी तरह, भंडारण के लिए लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण क्षमता का अधिकांश हिस्सा एक ही देश तक केंद्रित है। सौभाग्य से, हमने अपनी सीमाओं के भीतर लिथियम भंडार की पहचान कर ली है और लिथियम बैटरी विनिर्माण के लिए एक सफल पीएलआई बोली हासिल की है।

उपर्युक्त मुद्दे ऊर्जा परिवर्तन की राह में आने वाली बाधाओं को रेखांकित करते हैं, जिन्हें मेरी अध्यक्षता में गोवा में संपन्नय जी-20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के दौरान हल किया गया। पिछली किसी भी जी-20 बैठक की तुलना में अधिक मुद्दों पर सहमति होने के कारण यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। हमने ऊर्जा परिवर्तन का रुख करते हुए ऊर्जा पहुंच के सर्वोपरि महत्व को स्वीकार किया। हम इस बात को स्वीजकार करते हैं कि जब तक वैश्विक स्तर पर 773 मिलियन लोग ऊर्जा तक पहुंच से वंचित हैं, तब तक ऊर्जा परिवर्तन को पूर्ण नहीं माना जा सकता।

हमने ऊर्जा संक्रमण प्रयासों के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच और सामर्थ्य को आगे बढ़ाने के महत्व को सामूहिक रूप से स्वीाकार किया है। हमने प्राकृतिक परिस्थितियों के आधार पर समानता और विभेदित जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए पेरिस समझौते और उसके तापमान लक्ष्य के पूर्ण कार्यान्वयन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की समस्यात को हल करने की आवश्यकता पर भी सहमति प्रकट की है।

सभी मंत्रियों ने ऊर्जा दक्षता सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर प्रतिबद्धता जताई और भारत की अध्य क्षता के तहत तैयार की गई ह्व2030 तक ऊर्जा दक्षता सुधार की वैश्विक दर को दोगुना करने संबंधी स्वैच्छिक कार्य योजनाह्व को स्वीकार किया। इसके अलावा, हमने नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए विश्वसनीय और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। भविष्य के लिए ईंधन के रूप में शून्य और कम उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों से उत्पादित हाइड्रोजन के महत्व को स्वीकार किया गया। सभी मंत्रियों ने शून्य और कम उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों से उत्पादित हाइड्रोजन और अमोनिया के लिए मानकों को सुसंगत बनाने की आवश्यकता पर सहमति प्रकट की और इसमें निष्पक्ष और खुले व्यापार की वकालत की। मंत्रियों ने भारत की अध्य क्षता के तहत शुरू किए गए ह्यहाइड्रोजन पर जी-20 उच्च-स्तरीय स्वैच्छिक सिद्धांतोंह्व को अंगीकार किया । उभरती ऊर्जा संक्रमण प्रौद्योगिकियों को वहन करने की क्षमता और न्यायसंगत पहुंच को विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए आवश्यक माना गया, और इसलिए प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए क्षेत्रीय बहुपक्षीय और सार्वजनिक-निजी नेटवर्क तैयार करना आवश्यक है।

विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऊर्जा परिवर्तन के लिए कम लागत वाले वित्तपोषण तक पहुंच को महत्वपूर्ण माना गया। मंत्रियों ने इस संबंध में भारत की अध्योक्षता के तहत तैयार की गई ह्वऊर्जा परिवर्तन के लिए कम लागत वाले वित्तपोषणह्व से संबंधित रिपोर्ट का संज्ञान लिया।

ऊर्जा मंत्रियों की यह बैठक अत्यधिक सफल रही। इस बैठक के उत्कृष्ट आयोजन के लिए भारत की एक स्वीर से प्रशंसा की गई। हमारे लिए दो महत्वपूर्ण निष्कर्ष रहे - भारत ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में अग्रणी और ग्लोमबल साउथ की आवाज बनकर उभरा है।

जी-20 में भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता?

भारत सरकार इस सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाईडेन, जापान के फुमियो किसीदा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डॉक्टर सिल्वा ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक सहित 20 देश के राष्ट्र प्रमुख अथवा उनके प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंच रहे हैं। भारत सरकार द्वारा विदेशी मेहमानों के आव-भगत,स्वागत सत्कार,खाने-पीने के विशेष इंतजाम किए हैं। सोने चांदी के बर्तनों में शाही खाना खिलाने की व्यवस्था की गई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बैठक में भाग लेने नहीं आ रहे हैं। इन दोनों देशों से भारत के व्यापारिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। दोनों देशों के राष्ट्रपति के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध भी बहुत मजबूत हैं। भारत सरकार द्वारा पिछले 1 साल में इस सम्मेलन को लेकर कई बड़े आयोजन किए गए हैं। यह माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का दावाइस सम्मेलन से मजबूत होगा। दोनों देशों के राष्ट्रपति के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध भी बहुत मजबूत हैं। भारत सरकार द्वारा पिछले 1 साल में इस सम्मेलन को लेकर कई बड़े आयोजन किए गए हैं।

सनत जैन

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

20 देशों के शीर्ष नेता जी-20 की बैठक में शामिल होने के लिए भारत पहुंच रहे हैं। भारत सरकार इस सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो वाईडेन, जापान के फुमियो किसीदा और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डॉक्टर सिल्वा ब्रिटिश प्रधानमंत्री सुनक सहित 20 देश के राष्ट्र प्रमुख अथवा उनके प्रतिनिधि सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंच रहे हैं। भारत सरकार द्वारा विदेशी मेहमानों के आव-भगत,स्वागत सत्कार,खाने-पीने के विशेष इंतजाम किए हैं। सोने चांदी के बर्तनों में शाही खाना खिलाने की व्यवस्था की गई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बैठक में भाग लेने नहीं आ रहे हैं। इन दोनों देशों से भारत के व्यापारिक रिश्ते बहुत मजबूत हैं। दोनों देशों के राष्ट्रपति के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध भी बहुत मजबूत हैं। भारत सरकार द्वारा पिछले 1 साल में इस सम्मेलन को लेकर कई बड़े आयोजन किए गए हैं। यह माना जा रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का दावाइस सम्मेलन से मजबूत होगा। सभी जी-20 के देश भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन करेंगे। विशेष रूप से चीन को लेकर भारत को आशा है,कि चीन इसका विरोध नहीं करेगा। चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए भारत का समर्थन करेगा। पिछले एक दशक में चीन के साथ भारत का व्यापार बहुत तेजी के साथ बढा है। चीन से बहुत आयात हो रहा है, उस तुलना में भारत से निर्यात कम हो रहा है। भारत का निर्यात और आयात संतुलन चीन के साथ लगातार बढ़ने के बाद भी,भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के साथ दोस्ती को कम नहीं होने दिया। जी 20 का सम्मेलन भारत में हो रहा है। भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। ऐसी दशा में चीन की यह जिम्मेदारी बनती है,कि वह भारत को सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता दिलाने के प्रस्ताव को समर्थन दे। रूस ओर चीन के राष्ट्रपति जी 20 के सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत नहीं आ रहे हैं। इसके बाद भी यह आशा की जा रही है, भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थाई रूप से शामिल होगा, तो विश्व बंधुत्व की भावना और विश्व गुरु के रूप में भारत सारी दुनिया के देशों को एक नई दिशा देगा। चीन के राष्ट्रपति के साथ भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुत अच्छे संबंध हैं। इसका दावा समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करते रहे हैं। जी 20 के इस सम्मेलन में उस दावे को रिश्तो की कसौटी में परखा जाएगा। भारत को चीन और रूस से बड़ी आशा है। दोनों ही राष्ट्रपति जी-20 के सम्मेलन में नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं अमेरिका भारत की मेजबानी को सफल बनाने के लिए पुरजोर समर्थन दे रहा है। यूरोपीय देशों का समर्थन भारत कोअमेरिका के कारण हासिल है। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थाई सदस्य बनाए जाने के बड़े पैरोकार हैं। दुनिया के अन्य देश भी स्थाई सदस्यता के लिए भारत का समर्थन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर जो ख्याति अर्जित की है। उसके बाद यह आशा की जा रही है, कि भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्यता दिए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास होगा। यदि ऐसा हुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर जी 20 के शिखर सम्मेलन में भारत की राजनीति और कूटनीति सफलता होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कद सारी दुनिया में बढ़ेगा।

सनातन विरोध की राजनीति के लिए देश तैयार नहीं

अजीत द्विवेदी

तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए बयान के विरोध का दायरा बढ़ रहा है। हालांकि अभी तक इसे सिर्फ धर्म के एकांगी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। लेकिन असल में इसे धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक तीनों संदर्भों में देखने की जरूरत है। बुनियादी रूप से उदयनिधि का बयान एक राजनीतिक बयान है, जिसकी जड़ें तमिलनाडु की द्रविड राजनीति में अंतर्निहित हैं, जहां समाज व्यापक रूप से ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार और उनसे भी पहले के दार्शनिक रामालिंगा स्वामीगल उर्फ वल्लालार के विचारों से प्रभावित है। वल्लालार केरल के महान समाज सुधारक नारायण गुरू के समकालीन थे। दोनों उस समय में थे, जब लगभग समूचे दक्षिण भारत में समाज सुधार के छोटे छोटे आंदोलन चल रहे थे। दोनों ने जाति प्रथा, पितृसत्तात्मक समाज और सनातन धर्म की कई परंपराओं का विरोध किया और तर्क आधारित विचार पद्धति का समर्थन किया। उनका दर्शन बाद के समय में राजनीतिक आंदोलनों का आधार बना।उदयनिधि उस विचार के साथ बड़े हुए हैं। उन्होंने अपने दादा और अपने पिता को वही राजनीति करते देखा है इसलिए वे उसी राजनीतिक विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। सो, अगर द्रविड राजनीति के नजरिए से देखें तो उन्होंने एक मास्टरस्ट्रोक चला है, जिसका फायदा उनकी पार्टी को हो सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या पूरा देश इस राजनीति के लिए तैयार है? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि उदयनिधि के बयान पर तमिलनाडु में कोई हंगामा नहीं हो रहा है। वहां की मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके इसका विरोध नहीं कर रही है। वहां की एक दर्जन छोटी पार्टियां हैं, जिनमें से कई भाजपा के साथ हैं लेकिन किसी ने इसके विरोध में एक बयान जारी नहीं किया है। इसका कारण यह है कि तमिलनाडु में सनातन विरोध की पुरानी परंपरा रही है। परंतु पूरा देश अभी इस राजनीति के लिए तैयार नहीं है। देश के अलग अलग हिस्सों में अलग अलग तरह से इस राजनीति को आजमाने का प्रयास हो रहा है लेकिन अभी उसमें बड़ी कामयाबी नहीं हासिल हुई है।इस बात को समझने के लिए पिछले एक साल में देश के अलग अलग राज्यों में शुरू हुए राजनीतिक विमर्श को देखने और समझने की जरूरत है। इस साल अप्रैल में कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की बात कही और भाजपा ने बजरंग दल को ही बजरंग बली बताते हुए कांग्रेस पर हमला शुरू किया। उसी समय बिहार में राज्य सरकार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने रामचरितमानसइ का विरोध शुरू किया। मानस में पिछड़ी व दलित जातियों व स्त्रियों को लेकर जो कुछ लिखा गया है चंद्रशेखर ने उसका विरोध किया। ठीक उसी समय उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य ने तुलसीदास और उनकी रचना रामचरितमानसइ के खिलाफ मोर्चा खोला। उन्होंने इसे बदलने और इसमें महिलाओं, दलितों, पिछड़ों के लिए कही गई बातों को मिटाने की बात कही। चंद्रशेखर और स्वामी प्रसाद मौर्य को अपनी पार्टियों का खुला समर्थन नहीं मिला लेकिन उनका विरोध भी नहीं हुआ और न पार्टी के स्तर पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। अब उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर जो कहा है वह चंद्रशेखर और स्वामी प्रसाद मौर्य के बयानों से जुड़ता है और उसका ही विस्तार प्रतीत होता है।इनकी बातों को और गहराई से समझने के लिए यह जानना होगा कि सनातन का क्या मतलब है? सनातन का अर्थ है- सदा से। यानी जो चीज हमेशा रही है और हमेशा रहेगी, जो अजर-अमर है वह सनातन है- जैसे आत्मा। सनातन धर्म में आत्मा को अजर-अमर माना गया है और पुनर्जन्म को स्वीकार किया गया है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि बौद्ध और जैन धर्म भी अपने को सनातन मानते हैं और आत्मा व पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं। अब दूसरा सवाल यह है कि क्या सनातन और हिंदू एक ही हैं? कई विद्वानों ने इस सवाल का अपनी अपनी तरह से जवाब दिया है लेकिन सबसे सरल जवाब यह है कि व्यापक हिंदू समाज में सनातन एक हिस्सा है, जो उन तमाम परंपराओं और मान्यताओं में विश्वास करता है, जिन्हें आधुनिक समय की प्रवृत्तियों या आधुनिक समाज व्यवस्था में बुरा या अमानवीय माना जाता है। असल में 19वीं सदी में जब देश के अलग अलग हिस्सों में समाज सुधार के प्रयास शुरू हुए और स्त्री शिक्षा, विधवा विवाह, जाति उन्मूलन आदि बातें जोर पकडे लगीं तो हिंदुओं के अंदर एक समूह ने इसका विरोध किया। वे जाति प्रथा और पितृसत्तात्मक समाज व्यवस्था को बनाए रखने के पक्ष में थे। वे शुद्धता में विश्वास करते थे, जिसके लिए शाकाहार आवश्यक था। उन्होंने अपने को सनातन कहना शुरू कि

संक्षिप्त खबरें

नेत्र परीक्षण में 140 रोगियों का किया परीक्षण

बिसौली-सिद्ध बाबा इंटर कालेज शरह बरौलिया में आज रोटरी क्लब बिसौली के सहयोग से निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र चिकित्सक अनुज कुमार वाष्णेय ने ने 140 मरीजों की आंखों की जांच की। और चिन्हित कर आपरेशन की सलाह दी। शिविर में निशुल्क चश्मे की जांच की गई। शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ. अनुज कुमार वाष्णेय ने आंखों की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से हमें अपनी आंखों की जांच कराते रहने की सलाह व प्रतिदिन आंखों से संबंधित योग भी करने की सलाह दी। शिविर दिनेश मधु हॉस्पिटल चेयरमेन रवि प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि आंखों की जांच के शिविर आगे भी लगाए जाते रहेंगे। उक्त शिविरों में मरीजों को निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। इससे पहले शिविर का उद्घाटन पूर्व ब्लाक प्रमुख अमित पाठक ने किया।इस अवसर पर अध्यक्ष डॉक्टर मनोज महेश्वरी,सचिव आलोक गर्ग,डॉ जितेंद्र कुमार रजनीश गुप्ता,विनय कुमार मिश्रा अतुल यादव,विष्णु कुमार,भावना अजीत कुमार केशव कुमार,इंतजार अली सुमित पाठक,रिंकू पाठक शहादत बख्श राजकुमार शर्मा,अश्वनी शर्मा डॉ प्रमोद शर्मा आदि लोग थे।

जिलापंचायत उपचुनाव में मनीराम सिंह 1797 वोटों से विजयी घोषित

अमरोहा।जिला पंचायत के वार्ड नौ के लिए हुए उपचुनाव की मतगणना में ग्राम शेरपुर निवासी मनीराम सिंह विजयी घोषित किए गए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी दीपक कुमार को 1797 मतों से पराजित किया। मनीराम सिंह को 5762 मत प्राप्त हुए। दीपक कुमार को 3965 मत मिले। मनीराम की जीत की सूचना पर समर्थकों ने मिष्ठान वितरित कर अपनी खुशी मनाई। मतगणना में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जिला पंचायत के वार्ड संख्या नौ से कमलेश आर्य के इस्तीफे के बाद यहां उप चुनाव कराया गया था।शुक्रवार की सुबह आठ बजे ब्लॉक के सभागार में मतगणना का कार्य शुरू हुआ। मनीराम सिंह ने मतगणना के पहले चक्र से ही अपनी बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। कुल आठ राउंड की गिनती के बाद मनीराम सिंह को विजयी घोषित किया गया।मनीराम सिंह को 5762, दीपक कुमार को 3965 मत प्राप्त हुए। शेर सिंह बौद्ध को 3673 मत प्राप्त हुए। मनीराम को 1797 मतों से विजयी घोषित कर दिया गया। मनीराम सिंह ग्राम शेरपुर के पूर्व प्रधान है।जनपद के तमाम बसपा नेताओं की सहानुभूति मनीराम सिंह के साथ थी। प्रमाण पत्र लेने के बाद बाहर आने पर समर्थकों ने फूलमाला से उनका स्वागत किया। थानाध्यक्ष मनीरात सिंह अपनी गाड़ी में बिठाकर उन्हें गांव ले गए।

भूमाफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करे प्रदेश सरकार:रविंद्र शुक्ला

अमरोहा/गजरौला।औद्योगिक नगरी गजरौला अवंतिका नगर /मानसरोवर कॉलोनी स्थित हरे-भरे आम व अन्य प्रजाति के वृक्षों,जीव जंतुओं पर अपराधिक प्रवृत्ति के भूमाफिया गिराहो द्वारा रात्रि में भारी मात्रा में खतरनाक केमिकल डालकर अनियोजित विकास हेतु वृक्षों को सुखाने,जीव जंतुओं को नष्ट करने ,मरणासन्न आदि गंभीर कृत्य कारित किया गया है।हरे भरे 28 बीघा बाग में स्थित व्रक्षो में खतरनाक केमिकल डालकर सूखने व मरणासन्न स्थिति में पहुंचने पर क्षेत्र में अत्यधिक प्रदूषण व गंभीर स्थिति,सनातन धर्म में पूजनीय हरे व्रक्षो जिसमे हम सब की गहरी आस्था है से खिलवाड़ किया गया है।उक्त घटना को अंजाम देने वाले अपराधी प्रवृत्ति के भूमाफियाओं के अवैध कार्यों के खिलाफ ,रोकने के लिए सम्मानित प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई है साथ ही औद्योगिक नगरी गजरौला में संरक्षित हरे भरे वृक्षों, इंसानी जिंदगियों को बचाने हेतु सम्मानित जनप्रतिनिधियों,सम्मानित किसान यूनियन संगठन ,संत समाज ,सम्मानित पर्यावरणविद्, सामाजिक कार्यकताओं व धार्मिक संगठनों ,शासन, प्रशासनिक अधिकारियों से प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से यह अपेक्षा की गई है की हरे भरे वृक्षों व जीव जंतुओं को मरणासन्न स्थिति से बचने हेतु डबल इंजन की सरकार में आगे आए जिससे भूमाफिया गिरहो निजी स्वार्थ हेतु करोड़ों रुपए कमाने के लिए किसी भी कीमत पर हरे भरे वृक्षों का कटान व खतरनाक केमिकल डालकर सूखने आदि घटना को रोका जा सके व भूमाफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बोला भाजपा सरकार पर हमला

डीजल पेट्रोल एवं गैस की बढ़ी कीमतो के लिए मोदी सरकार ज़िम्मेदार:ओमकार कटारिया

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। राष्ट्रीय एवं प्रदेश के निर्देश अनुसार ज़िला एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा भाजपा सरकारों में डीजल पेट्रोल गैस के दाम बढ़ाकर देश की जनता को लूटा गया है उसके खुलशो के लिये प्रेस वार्ता का आयोजन गजरौला के आसीम पैलेस में किया गया।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ज़िलाध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया ने कहा की लूट भाजपा के डीएनए में मौजूद है और उसकी रिवर्स रोबिनहुड हरकते अमीरों को और अमीर ,गरिवों को और गरीब बना रही है क्या यह बहुत आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी जिन्होंने एलपीजी सिलेंड्र डीजल पेट्रोल बिजली सहित सभी आवश्यक बस्तुओं की कीमतो में अत्यधिक वृद्धि के कारण अपने देश के लोगो और उनके पीड़ा की कभी परवाह नहीं की उन्हें अचानक उनके दर्द का अहसास जब हुआ जब उन्हें आने वाले पाँच राज्यो के चुनाव में एवं आने बाले 2024 के लोकसभा चुनाव में अपनी हार सामने दिखायी दे रही है इसलिए गैस सिलेण्डर की कीमत में 200 रुपए कम कर दिए एलपीजी सिलेण्डर की कीमत 2014 से लगातार बढ़ी है और पिछले 7 वर्षों में दुगनी हो गई है और 2020 से भाजपा सरकार ने सवसीडी देना भी बंद कर दिया है जिन राज्यो में कांग्रेस की सरकार है बहाँ गैस का सिलेण्डर 500 रुपए का हैपिछले 2 दशकों में एलपीजी सिलेण्डर की मूल्य वृद्धि के रुझान पर वारिकी एसई नजर डालने से हर मतदाता की आँखें खुल जायेंगी और कोई भी स्पष्ट रूप से समझ ससकता है कि कीमते केवल भाजपा सासन के दोरान ही बेहरमी से बढ़ाई गई है पिछले साढ़े नौ साल में मोदी सरकार ने रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर 31.37 करोड़ लोगो को लूटा है उन्होंने जनता की जैव पर रू 8,33,640.76 करोड़ से ज्यादा की लूट की है सिर्फ.हमारी उज्वला बहनों से ही 2017 से अव तक मोदी जी ने रू 68,702.76 करोड़ लूट लिये ,एलपीजी सिलेण्डर की कीमतो में रू की कटौती मतदाताओं को लुभाने और चुनाव वाले 5 राज्यो और उसके बाद के लोकसभा चुनावो में बढ़त हासिल करने के लिये भाजपा का यह एक और राजनीतिक स्टंट है।इस अवसर पर ज़िला अध्यक्ष ओमकार सिंह कटारिया,प्रदेश सचिव चौधरी सुखराज सिंह,प्रदेश सचिव चौधरी शमीम अय्यूब, शहर अध्यक्ष फैज आलम रायनी,ज़िला मीडिया प्रभारी मनोज कटारिया,गजरौला ब्लॉक अध्यक्ष वाहिद अली सैफी,उझारी नगर अध्यक्ष आफक खाँ,ज़िला सचिव मकसूद खां आदि मौजूद रहे।

सभी संकल्पित होकर और जनसहभागिता के साथ मनाएं मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ :। आजादी का अमृत महोत्सव भारत की आजादी के 75 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक पुनीत माटी-वन्दनोत्सव है, जिसमें हम सभी के लिए अपनी विराट सांस्कृतिक विरासत से रूप से रुबरू होने, उसकी भव्यता पर गर्व करने और ऐसे गर्वजनित रस में डूबकर उत्सवमय आनन्द लेने का स्वर्णिम अवसर है। यदि सभी संकल्पित होकर और जनसहभागिता के साथ इसको मनायें तो परम सौभाग्य होगा और ऐसे सौभाग्यमय उत्सवी रस की जन-जन तक पहुँच का सुनिश्चयन सरकार का परम ध्येय है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिलाधिकारी मनोज कुमार ने मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, एसपी आरए अजय प्रताप, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार पटेल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन वीके सिंह व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों, स्वंयसेवी संस्थाओं, उद्यमियों व व्यापारियों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव योजना के अन्तर्गत मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम आयोजन के सम्बंध में बैठक आयोजित की। उन्होंने कहा कि मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम की महिला मंगलदल, युवक मंगल दल/ऑगनबाड़ी कार्यकत्री ग्राम पंचायत के सदस्य आदि अन्य उत्साही स्वयंसेवी ग्रामीणजन के साथ जुलूस निकालकर गांव के प्रत्येक घर से मुट्ठीभर मिट्टी अथवा चुटकी भर अक्षत (चावल) प्राप्त करेंगे। जुलूस, टोलियाँ 11 से 30 सितम्बर 2023 के मध्य गांव के प्रत्येक घर जाकर इस सामग्री का संचयन करेंगे एवं शासकीय प्राथमिक, अपर प्राइमरी विद्यालय अथवा ग्राम सचिवालय भवन में अमृत कलश में इसका संग्रहण करेंगे। अमृत वाटिकाओं, अमृत शिलापट्ट स्थलों पर एक समारोह का आयोजन करेंगे, जिसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, राशन कोटेदार, ग्राम स्तरीय समस्त कर्मी तथा अन्य समस्त स्थानीयजन उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम भव्य रूप से मनाया जायेगा, जिसमें स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कलाकारों द्वारा राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं माटी-गीत की प्रस्तुति के साथ-साथ सम्बन्धित ग्राम पंचायतों के वीर शहीदों के परिवारजनों का सम्मान एवं पंचप्रण की शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 01 से 13 अक्टूबर तक ब्लॉक स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर से अमृत कलश को जिला मुख्यालय पर सम्मान के साथ डायट स्थित ऑडिटोरियम में लाया जाएगा जनपद स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन 20 अक्टूबर को ऑडिटोरियम में किया जाएगा। 26 अक्टूबर को अमृत कलशो को ससम्मान लखनऊ पहुंचाया जाएगा। 27 अक्टूबर लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, 30 अक्टूबर को इन अमृत कलशो को लखनऊ से दिल्ली भेजा जाएगा। डीएम ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सकुशल सम्मान के साथ संपन्न कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सौंपे गए दायित्वों को जिम्मेदारी से निभाएं। आजादी का अमृत महोत्सव बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है इसमें किसी प्रकार की लापरवाही को क्षम्य नहीं किया जाएगा। डीएम ने सभी से अपील की है कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी बढ़-चढ़कर सहभाग करें।

उघैती पुलिस ने नहीं की कार्रवाई फरियादी पहुंचा कप्तान की शरण में

नैशनल एक्स्प्रेस संवाददाता विकाश कश्यप

प्रात : किरण संवाददाता

उघैती थाना क्षेत्र फकीर हुसैन पुत्र नजाकत हुसैन निवासी नसरौल थाना इस्लामनगर का रहने वाला है दांतों के इलाज को लेकर गांव करनपुर उघैती थाना क्षेत्र में चलता है

दांतों के इलाज को लेकर फकीर हुसैन की दुकान पर बहुत से लोग आते हैं अमन नाम का व्यक्ति भी दांतों का क्लीनिक चलाता है फकीर हुसैन से अमन रंजिश रखता है इसी को लेकर अमन ने षडयंत्र रचकर डॉक्टर को बीच चौराहे पर जमकर पिटवाया 5 सितंबर को समय करीब शाम 6:00 बजे फकीर हुसैन लोगों को दातों की देसी दवाई दे रहा था तभी दूसरे पक्ष के लोग फकीर हुसैन की दुकान पर एकत्रित हो गए और दुकान में डंडा लेकर घुस गए घुसते ही गंदी-गंदी गालियां देकर कहने आज तुझे हम जान से मार देंगे

तेरी दुकान को हम चौपट कर देंगे या तुझे जान से मार देंगे मेने गालियां देने का विरोध किया तो सभी लोगों ने जमकर मेरी पिटाई की आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया और फकीर हुसैन की जेब में 4000 रखे हुए थे दंवको ने निकाल लिए जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दे गए फकीर हुसैन के शरीर पर गुम चोटे आई हैं

डॉक्टर के साथ हाथापाई की भी वीडियो वायरल हो गई सीसीटीवी फुटेज में दबंग किस्म के व्यक्ति डॉक्टर को जमकर पीट रहे हैं लेकिन पुलिस कार्रवाई आखिर क्यों नहीं कर रही है

इसी को लेकर फकीर हुसैन दवंगो के खिलाफ नाम दर्ज उघैती थाने में तहरीर दी तहरीर देने के बाद दबंगो पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और फैसले का दबाव दबंग किस्म के व्यक्ति बनाने लगे फकीर हुसैन जान को बचाते हुए बदायूं एसपी को शिकायत पत्र दिया।

भाजपा की शुरू हो चुकी है उल्टी गिनती : अखिलेश यादव

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने घोसी उपचुनाव में जनता की जीत का अभिनंदन करते हुए इसे लोकतंत्र की भी विजय बताया है। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन प्रत्याशी की जीत ने भाजपा का घमंड तोडे के साथ सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम का भी संकेत दे दिया है। यह भाजपा की उल्टी गिनती की शुरूआत है। अखिलेश यादव ने कहा कि घोसी उपचुनाव की जीत सकारात्मक राजनीति की जीत और सांप्रदायिक नकारात्मक राजनीति की हार है। भाजपा की तोडफोड़ और समाज को बांटने वाली राजनीति को भी यह मुंहतोड़ उत्तर है। भाजपा ने सत्ता के दुरूपयोग की भरसक कोशिशें की पर जनता ने करारा जवाब देकर भाजपा प्रत्याशी को सबक सिखाया है। पीडीए की धारा को इंडिया गठबंधन के साथ जोड़कर सामाजिक न्याय के लिए जातीय जनगणना की मांग करने वालों की भी जीत है। उन्होंने कहा कि भारत ने इंडिया को जिताने की शुरूआत कर दी है। उत्तर प्रदेश एक बार फिर से देश में सत्ता के परिवर्तन का अगुआ बनेगा। इसमें जीते तो एक विधायक हैं पर हारे कई दलों के भावी मंत्री है। सन् 2022 के चुनाव में भाजपा ने जनादेश के साथ छल किया था। यूपी में भाजपा की सरकार के 6 वर्ष बीत चुके हैं। चारों तरफ अराजकता से राज्य की जनता तबाह है। झूठे प्रचार और जुमालाजीवियों को अब कोई नहीं पूछेगा। घोसी उपचुनाव की जीत के साथ लखनऊ, बरेली, जालौन तथा मिजार्पुर में भी जिला पंचायत के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत मिली है। सभी जीते प्रत्याशियों को बधाई और मतदाताओं को धन्यवाद है।

भाजपा सरकार में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर :डॉक्टर यगदत्त गौड़

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। कांग्रेस पार्टी के नवनियुक्त उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अजय राय ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में आज पूरे प्रदेश में जिला, ब्लाक और नगर स्तर पर प्रेस कांफ्रेंस कराने का कांग्रेस पार्टी के नेताओ, पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओ सहित जिला अध्यक्षो,ब्लाक अध्यक्षो, नगर अध्यक्षो से अपने-अपने क्षेत्रो में प्रेस कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम कराने का आह्वान किया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत स्योहारा के कांग्रेस नगर अध्यक्ष खलीक चौधरी के निवास पर एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई खलीक चौधरी की देख रेख में उमेर जावेद मेम्बर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रेस कांफ्रेंस की व्यवस्था की गई।प्रेस वार्ता में जिला सचिव कांग्रेस कमेटी बिजनौर डॉक्टर यगदत्त गौंड ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भाजपा केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है महंगाई ने देश की ग्ररीब जनता की कमर तौड़ दी है। जब कांग्रेस की केंद्र में सरकार थी तब गैस सिलेंडर 350 और 400 रुपये में मिलता था लेकिन अब लगभग पिछले 1 साल से गैस का सिलेंडर 1100 में जनता को मिल रहा है। इसी तरह अन्य खाने की वस्तुओ जैसे सरसो का तेल, टमाटर और तमाम चीजों की कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने गैस के दाम 200 घटाकर जनता के हमदर्द होने का दिखावा कर रहे हैं जबकि सच्चाई कुछ और है इसी तरह बेरोजगारी भी देश के अंदर बेतहाशा बढ़ रही है आज नौजवान पढ़ लिखकर सड़कों पर बेकार घूम रहे हैं मोदी जी का रोजगार देने का चुनावी वादा फेल हो चुका है उन्होंने कहा था कि प्रत्येक वर्ष 2 करोड़ नौजवानों को सरकारी नौकरी देंगे। जो कि यह पूरी तरह चुनावी जुमला साबित हुआ। कांग्रेस पार्टी ही कमर तोड़ महंगाई और बेरोजगारी से छुटकारा दिला सकती है। सभी लोग कंधे से कन्धा मिला कर कांग्रेस पार्टी का साथ दें।इस अवसर पर खलीक चौधरी नगर अध्यक्ष कांग्रेस,चौधरी अयान जावेद जिला महासचिव यूथ कांग्रेस बिजनौर, चौधरी उमेर जावेद सदस्य दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी,नासिर अहमद उर्फ बब्बू चौधरी मुजीब अहमद, चौधरी हाफिज मुकीम अहमद, नौशाद चौधरी , आफताब अहमद व्यापार प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष, फैजान सुल्तान नगर उपाध्यक्ष कांग्रेस , वसीम अहमद चौधरी, अकील अहमद उर्फ कलवा आदि सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घोसी उपचुनाव: सपा प्रत्याशी सुधाकर 17वें दौर की मतगणना के बाद भाजपा उम्मीदवार चौहान से काफी आगे

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में घोसी विधानसभा उपचुनाव में शुक्रवार को 17वें दौर की गिनती के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सुधाकर सिंह ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दारा सिंह चौहान पर 22,923 मतों के अंतर से अपनी बढ़त मजबूत कर ली है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, सिंह को अब तक 66,707 वोट मिले हैं, वहीं चौहान को 43,784 वोट मिले हैं। मतगणना के दौरान कुल 34 दौर की गिनती होनी है। उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में वोटों की गिनती शुक्रवार सुबह शुरू हो गई, जिसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के बीच पहला बड़ा चुनावी मुकाबला माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के घोसी विधानसभा क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मंगलवार (पांच सितंबर) को उपचुनाव के लिए अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था, जो विपक्षी गठबंधन इंडिया के गठन के बाद राज्य में पहला चुनावी मुकाबला था। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में घोसी में 58.59 प्रतिशत मतदान हुआ था। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, पांच सितंबर को हुए विधानसभा उपचुनाव में मतदान प्रतिशत 50.77 दर्ज किया गया था। सपा के टिकट पर 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में यह सीट जीतने वाले दारा सिंह चौहान के जुलाई में इस्तीफे के बाद यहां उपचुनाव जरूरी हो गया था। सपा से इस्तीफा देकर चौहान फिर भाजपा में लौट आए थे। भाजपा ने उन्हें उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन सपा ने उनके मुकाबले सुधाकर सिंह को मैदान में उतारा। साल 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में चौहान ने भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार राजभर को 22,216 मतों के अंतर से हराया था। इस उपचुनाव में चौहान को राजग के सहयोगियों अपना दल (सोनेलाल), निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) पार्टी और पूर्व सपा सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का समर्थन मिला है। दूसरी ओर सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह को विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों झ कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), राष्ट्रीय लोक दल (रालोद), आम आदमी पार्टी (आप), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (भाकपा-माले)-लिबरेशन और सुहेलदेव स्वाभिमान पार्टी का समर्थन मिला है। उपचुनाव के नतीजे का भाजपा सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिसे 403 सदस्यीय राज्य विधानसभा में अच्छा बहुमत हासिल है। इसका परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव के लिहाज से एक संकेत हो सकता है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीट हैं। इस उपचुनाव में कुल 10 उम्मीदवार मैदान में थे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उपचुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था।

डीएम ने विद्यालयों में परखी शिक्षण व्यवस्थाएं

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ :। जिलाधिकारी मनोज कुमार ने शुक्रवार को विकासखंड उझानी अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बदरपुर, प्राथमिक विद्यालय गुराई एवं प्राथमिक विद्यालय बसंत नगर का औचक निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय बदरपुर में 42 के सापेक्ष 14, गुराई में 61 के सापेक्ष 39 एवं बसंत नगर में 32 के सापेक्ष 18 बच्चे उपस्थित मिले। डीएम ने उपस्थिति कम होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों को निर्देश दिए कि उपस्थित पर विशेष ध्यान दिया जाए। डीएम ने बच्चों से गिनती, पहाड़े, पूर्ण विराम, अल्पविराम एवं महापुरुषों के संबंध में पूछा। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में बच्चों से शिक्षण गतिविधियों से संबंधित चार्ट बनवा कर भी पढ़ाई कराए। विद्यालयों में महापुरुषों के बारे में प्रत्येक दिन एक-एक महापुरुष के संबंध में बताया जाए। शिक्षक बच्चों को मेहनत एवं अच्छी भावना से पढ़ाएं। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ संस्कारिक शिक्षा भी दी जाए। बच्चों को पढ़ा लिखा कर उनका भविष्य उज्जवल बनाया जाए। डीएम ने विद्यालयों के शौचालयों में गंदगी होंने पर अप्रसन्नता व्यक्त की है। विद्यालय भवनों एवं परिसरों, शौचालयों की साफ-सफाई अच्छे ढंग से कराई जाए। डीएम ने निर्देश दिए कि विद्यालयों की टूटी बाउंड्री वॉल को बनवाया जाए। विद्यालयों में हैंडवॉश संचालित रहे और शौचालयों को साफ सुथरा रखा जाए। बच्चों को मिड-डे मील में निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन दिया जाए। डीएम ने इन्हीं विद्यालयों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रो का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रो पर वजन मशीन, पोषण ट्रैकर, ई-कवच एप आदि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक उपकरण आंगनबाड़ी केंद्रो पर उपलब्ध रहें, जिससे गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों की नाप तोल आदि जांचें सही ढंग से हो सकें। आंगनबाड़ी केंद्र गुराई में आंगनबाड़ी कार्यकत्री नीतू द्वारा ई-कवच एवं पोषण ट्रैकर आदि के संबंध में अच्छे ढंग से जानकारी देने पर डीएम ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिए कि नियमित रूप से टीकाकरण तथा बच्चों के वजन एवं लंबाई करने के लिए भी माता-पिता को प्रोत्साहित करें। तत्पश्चात उन्होंने बसंत नगर के पंचायत भवन का निरीक्षण किया। पंचायत मित्र को निर्देश दिए कि पंचायत भवन में बने पुस्तकालय में रखी पुस्तकों को गांव के कंपटीशन की तैयारी करने वाले बच्चों को पढ़ने के लिए बुलाए। उन्होंने पंचायत भवन में ग्रामीणों को दी जाने वाली सेवाओं के संबंध में भी जानकारी ली।

2940 आंगनबाड़ी केंद्रो को 18 मूलभूत अवस्थापना सुविधा से कराएं संतृप्त : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ :। जिलाधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी केंद्रो की अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के संबंध में बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित की गई। डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में 2940 आंगनबाड़ी केंद्रो को 18 मूलभूत अवस्थापना सुविधा से संतृप्त कराएं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल सुविधा, समस्त शौचालय एवं मूत्रालयों में नल जल आपूर्ति, क्रियाशील महिला शौचालय, शौचालय एवं मूत्रालयों में टाइलीकरण, आंगनबाड़ी केंद्र भवन की फर्श का टाइलीकरण, कक्षा कक्ष में उचित ऊंचाई के साथ ब्लैक बोर्ड, ग्रीन बोर्ड, दिव्यांग लाभार्थियों हेतु रेलिंग युक्त रैंप, सुरक्षित वायरिंग के साथ विद्युतीकरण, गेट के साथ बाउंड्री वॉल, ओवरहेड टैंक के साथ नल-जल व्यवस्था, क्रियाशील बाल मैट्रिक शौचालय, मल्टीपल हैंड वॉश, दिव्यांग मैत्रिक शौचालय, आंगनबाड़ी केंद्र की रंगाई पुताई एवं बाला चित्रकारकारी व विद्युतीकरण, फर्नीचर एवं रसोई में सिंक के साथ नल जल व्यवस्था के कार्य कराए जाएं। आंगनबाड़ी केद्रों के माध्यम से 0 से 6 वर्ष के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, कुपोषित बच्चों तथा किशोरी-बालिकाओं को समन्वित बाल विकास योजना के अंतर्गत बाल विकास एवं पुष्टाहार अनुपूरक पोषाहार स्कूल पूर्व शिक्षा टीकाकरण स्वास्थ्य जांच पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केद्रों की सुविधाओं को बेहतर किया जाए। लाभार्थियों को अनुकूल वातावरण प्रदान कर विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से प्रभावी ढंग से लाभान्वित किया जाए। संतृप्तिकरण की वृहद रूप से तीव्र गति से कार्य कराया जाए। समस्त कार्य निर्धारित मानक के अनुसार किए जाएं।

किसान, मजदूर एवं नौजवान वंचित समाज के हक की लड़ाई लड़ रही हैं सुभासपा:दयाराम भार्ग

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की जन चौपाल के माध्यम से मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव /प्रवक्ता दयाराम भार्ग ने विधानसभा धनोरा के गांव सलेमपुर गोसाईपुर प्राथमिक विद्यालय और ग्राम पंचायत वेरमपुर मै ग्राम प्रधान राजेश कुमार के यहां पर सदस्यता अभियान चलो गांव की ओर जन चौपाल के माध्यम से कार्यकताओं पदाधिकारी को यह बताने का काम किया गया कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी गांव गरीब किसान मजदूर नौजवान वंचित समाज की हक अधिकार की लड़ाई लड़ने का काम करती है सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी चाहती हूं की नर्सरी से स्नातक तक शिक्षा फ्री हो जिससे गरीब कमजोर दलित पिछड़ा अति पिछड़ा सभी को शिक्षा समान रूप से मिल सके और गरीब कमजोर वंचित समाज को स्वास्थ्य सेवाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं एवं उसका खर्च सरकार द्वारा उठाया जाना चाहिएजिला अध्यक्ष सत्य पाल तोमर ने कहा कि आज सुभासपा का जनाधार बहुत तेजी से बढ़ रहा है अभी तक पूर्वांचल की पार्टी थी अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक ओमप्रकाश राजभर जी का बोल बाला है राष्ट्रीय अध्यक्ष की विचार धारा से प्रभावित होकर लोग सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष सत्यपाल तोमर मेरठ मंडल अध्यक्ष दीपक चौहान जी मानसिंह फौजी आदेश अमरोली वीरेंद्र गुर्जर मोहम्मद रफी सुमित रस्तोगी नीतू चौधरी शुभम त्यागी कामिनी खान गीता रानी बिट्टू प्रजापति अमित शर्मा अनिल सैनी कमल सैनी बाबूराम पाल पंडित राम अवतार घनेंद्र शर्मा, ऋषिपाल प्रधान लोकेश चौधरी, सरताज अहम सोनू सैनी प्रिंस करण सिंह जी प्रदीप कुमार सैनी, प्रीतम सिंह, भगवान सिंह छात्र पाल सिंह ,महेश कुमार सैनी विजयपाल सैनी आदेश सैनी सचिन सैनी चंद्रपाल सिंह रघुवीर सिंह टीटू कलुआ ओमकार सिंह रशीद फिरोजआदि मौजूद रहे।

घोसी उपविधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली बड़ी जीत

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सदर महबूब विधायक,पूर्व केबिनेट मंत्री, सभापति, लोक लेखा समिति महबूब अली ने घोसी विधान सभा उपचुनाव में समाज वादी पार्टी प्रत्याशी की जीत पर बोलते हुए कहा कि साम्प्रदायिकता विरोधी व संविधान विरोधी सरकार की हार है घोसी विधान सभा की जनता ने मैनपुरी के उपचुनाव के बाद घोसी विधान सभा मे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को जीताकर धरती पुत्र मुलायम सिंह को सच्ची श्रद्वांजली दी है। मौजूदा सरकार से जनता का मोह भंग हो गया है जिसका परिणाम आज घोसी विधान सभा के उपचुनाव मे देखा जा सकता है। आने वाले लोकसभा के चुनाव में समाजवादी पार्टी अधिक से अधिक वोट लेकर विजयी होगी।

संक्षिप्त खबरें

5076 लीटर विदेशी शराब को किया विनष्ट

भागलपुर। बिहार में शराब पर पूर्ण रूपेण पाबंदी के बावजूद जिला सहित आसपास के क्षेत्र इलाके में अवैध रूप से शराब की तस्करी व कारोबार जारी है। शराब को लेकर जिले की पुलिस प्रशासन व उत्पाद विभाग की टीम लगातार मुस्ताद दिखाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस टीम नशे के कारोबार को ध्वस्त करने के लिए लगातार शराब की तस्करी करने वाले लोगों के चंगुल से शराब की खेप को क्षेत्र के कई जगह से पकड़ कर थाने में एकत्रित करती रही है और उसे एक साथ विनष्ट करती है, इस करोड़ों रुपये के नुकसान के बावजूद लोग सचेत होते नही दिख रहे हैं। इस बाबत नवगछिया थाना परिसर में जिलाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों के आदेश के आलोक में 5076 लीटर की अवैध शराब की खेप को विनष्ट किया गया है। वही मामले को लेकर उत्पाद एसपी नवगछिया निरंजन कुमार ने बताया कि क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न थानों से पकड़ा गया अवैध रूप तस्करी किये जा रहे शराब को संबंधित पुलिस कर्मियों के द्वारा बरामदगी की गई विदेशी व देशी शराब को नवगछिया थाना परिसर में थानाध्यक्ष व कई पुलिस पदाधिकारी के निगरानी में विनष्ट कर दिया गया है।

खेत में कम कर रहे किसान को करंट लगने से हुई मौत

टेटिया बम्बर। टेटिया बम्बर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टेटिया पंचायत के ग्राम खरुई स्थित तरी बहियार में विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बिजली पोल में बिजली का करंट आ जाने से खेत में कम कर रहे किसान इसके चपेट में आ गया। बिजली पोल के सहारे खेत में विजली करंट के आने से 48 वर्षीय उदय यादव पिता शनिचर यादव की मौत हो गई। जिसे तत्काल ग्रामीणों के सहयोग से टेटिया बंबर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों विद्युत आपूर्ति विभाग के पावर सब स्टेशन कटनी के समीप पार्थिव शरीर को रखकर विभाग से मुआवजा की मांग करने लगे। ग्रामीणों द्वारा सड़क पर शव रखकर जाम लगने से यातायात ठप हो गया। तत्पश्चात टेटिया बम्बर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिसके बाद टेटिया बम्बर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे एवं ग्रामीणों को समझा बूझकर शांत किया गया। मौके पर पूर्व जिला परिषद विनोद कुमार सिंह एवं टेटिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित थे। मृतक ने अपने पीछे अपने तीन पुत्री पत्नी और एक पुत्र को छोड़ गए हैं मृतक के दो पुत्री कोमल कुमारी और रोजी कुमारी तथा दो पुत्र का विवाह हो चुका है। शिवानी कुमारी और पुत्र नवनीत कुमार अभी अविवाहित है। मृतक के पत्नी काली देवी का रो रो कर बुरा हाल है। इधर अंचल पदाधिकारी ने मुआवजा राशि के देने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम को हटा लिया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भजन कीर्तन का आयोजन

मुंगेर। शास्त्रों की मान्यता अनुसार भगवान श्रीं कृष्ण रोहिणी नक्षत्र में अष्टमी तिथि को श्री हरि विष्णु जी के आठवें अवतार के रूप में भूलोक में प्रकट हुए। ऐसे में इस काल पर श्री कृष्ण के जन्म की खुशी मनाई जाती है। इस अवसर कृष्ण भक्त भगवान के लिए मंगल गान गाते हैं। उन्हें भोग लगाने से पहले माखन मिश्री / छप्पन भोग खिलाते हैं। फिर यही प्रसाद भक्तों को बांटा जाता है। लड्डू गोपाल को झूला झुलाने की रीति वर्षों से चली आ रही हैं - इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए संध्यओत्तम रामदरवार खंडबिहारी में बड़े हीं हर्ष उल्लास के साथ गुरुवार के दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाया गया। संध्योत्तम राम दरवार के राम चरण अनुरागी, उत्तम कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बताया की प्रत्येक वर्ष पूरे बर्ष भर इस मंदिर की कृपा से अनेकों धार्मिक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक ओर अन्यान्य मानव जरूरत के क्षेत्र में सेवा कार्य प्रभु कृपा से होते रहता हैं - जिसे संपन्न करने में दंपति संध्या एवम् उत्तम को प्रसन्नता होती हैं जन्मोत्सव के शुभ उपलक्ष्य पर सुगम संगीत एवं भजन गायकों ने भी अपने सुरीले भजन से समस्त श्रोता नर नारी बच्चे एवम् बड़े बूढ़ों को मंत्र मुग्ध कर दिया। भजन गायक तरुण कुमार उर्फ मुन्ना ने ह्न मेरे राम गाड़ी बाले ह्न और मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा हैंह्न भजन गाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। भजन गायक अमर ज्योति अनुज ने ह्न मेरी लगी श्याम से प्रीत एवम् ह्न ह्नएक राधा एक मीरा दोनों ने श्याम को चाहाह्न आदि अनेकों भजन द्वारा इस तरह से समा बांधा कि सभी आह्लादित नजर आ रहे थे। भजन गायक एवम् ऑर्गन वादक - राजू कुमार बिट्टू - ने ह्नराम नाम के साबुन से मन का मेल छुड़ायेगाह्न आदि अनेकों सुरीले भजन गा कर मन मोह लिया। इस मौके पर नाल बादक अमन कुमार उर्फ डिस्को ने नाल पर बेहतरीन ताल से श्रोता गणों को झूमने को और गायकों को बेहतरीन संगत दिया। भगवान के जन्म के ठीक 12 बजे बधाई गीत से समस्त श्रोता गणों में हर्षित हो उठे - मानस 56 भोग के साथ अमर ज्योति अनुज ने 56 भोग गीत गाकर भगवान को भोग अर्पित किया - आरती के साथ जन्मोत्सव संपन्न हुआ और श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप से स्थिति बनी भयावह, अस्पतालों में बढ़ाए गए बेड : स्वास्थ्य विभाग

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों जिले भर में डेंगू अपना पांव पसार रहा है, स्थिति इतनी भयावह होती जा रही है कि अस्पताल परिसर में लगातार डेंगू मरीजों की वृद्धि के साथ तादाद बढ़ती जा रही है। वही मायागंज अस्पताल में भर्ती डेंगू के 7 मरीजों की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। जबकि जयप्रकाश नारायण सदर अस्पताल में डेंगू के 17 नए मरीज भर्ती होने के बाद अस्पताल प्रबंधक अलर्ट मोड में नजर आ रही है। सदर अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए समुचित व्यवस्था की गई है, वही महिला और पुरुष मरीजों के लिए अलग-अलग वार्ड बनाए गए हैं। अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वार्डो में बेड की संख्या बढ़ाकर 30 कर दिया गई है।

अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी राजू कुमार ने बताया कि अस्पताल में लगातार मरीजों के संख्या को देखते हुए वर्तमान में तत्काल 30 बेड लगाए गए हैं, वही जरूरत हुई तो और बेड लगाए जाएंगे। वही अस्पताल परिसर में डेंगू के मरीजों के लिए पर्याप्त बेड और दवाई उपलब्ध है, मरीजों के इलाज परामर्श व निगरानी के लिए 24 घण्टे चिकित्सक टीम लगातार ड्यूटी पर मौजूद हैं। हालात इतनी खराब है कि बाढ़ व बारिस के जद्दोजहद में मच्छरों की संख्या में वृद्धि होती दिख रही है घरों व आसपास के इलाके में मच्छरों के प्रकोप साफ तौर पर दिख रहा है, जिसके प्रभाव में आकर मरीज लगातार डेंगू पीड़ित मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। वही दूसरी ओर अस्पताल परिसर में जांच के लिए पहुंचे मरीजों ने बताया कि घरों में दिन रात मच्छर मंडराते रहते हैं मॉस्किटो व धुंआ से भी कोई प्रभाव नही पड़ता है। आलम यह है कि अस्पताल में जगह कम पड़ रहे लोग जमीन पर लेटे इलाज करवाने के लिए बिबस हो गये हैं। निगम के वार्ड में चल रहे फॉगिंग व्यवस्था सड़कों पर घूम रहे हैं लेकिन गली मोहल्ले के घरों के अंदर करना सुनिश्चित हो जिससे कोई ठोस उपाय साबित हो सके अन्यथा अस्पताल ही नही क्षेत्र के निजी अस्पताल में भी जगह कम पड़ जायेगा।

अस्पताल परिसर की हालत बद से बत्तर स्थिति में होता दिख रहा है मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं लेकिन अस्पताल में इलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में बेड उपलब्ध हैं ही नही मरीज जमीन पर गद्दे डाल कर इलाज करते दिख रहे हैं। वही जिला प्रशासन के निरीक्षण के दौर जिले भर के अस्पताल में करते रहे हैं लेकिन उनकी दिये निर्देशों के बावजूद अस्पताल में सिर्फ एक दूसरे के ऊपर आदेशो की ढोल पीट रहे हैं। हकीकत में न तो रेडियोलॉजिस्ट की समय पर सुविधा उपलब्ध है और न ही पैथोलॉजी लैब जांच रिपोर्ट की जिससे मरीजों के दवाई सलाह चिकित्सक द्वारा निर्धारित नही हो पा रही हैं और मरीज की हालत सुविधाओं के अभाव में और खराब होती दिख रही हैं। वही अस्पताल की व्यवस्था को लेकर कोई भी अधिकारी मौखिक रूप में कुछ बताने से कतराते दिख रहे हैं।

कांग्रेसियों ने जनता के बीच पहुंच बाटी मिठाइयां

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। शहरी क्षेत्र के स्टेशन चौक स्थित कांग्रेस के युवा कार्यकताओं ने अपने प्रेणा स्वरूप में जाने जाने वाले युवा नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के सफलता पूर्वक एक साल पूरा होने पर युवा कांग्रेस भागलपुर इकाई के कार्यकताओं ने जनता के बीच मिठाइयां बांटी साथ ही इस दौरान कार्यकताओं ने अपनी खुशी का इजहार करते हुए कहा नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल कर हम लोग आज जातिवाद को छोड़कर प्यार बांटने निकले हैं, नफरत को मिटाने निकले हैं, कांग्रेस के नेता सह सांसद राहुल गांधी के नक्शे कदम पर चलकर ही पूरा भारतवर्ष एक मुकाम पाएगा, आज उन्होंने भारत जोड़ो लक्ष्य अभियान के एक वर्ष पूरा कर लिये है, उनके इस एकता भाव कार्य के भारत जोड़ो यात्रा के सफल बनाने के उद्देश्य पर हम लोग काफी खुश हैं, इसलिए जनता के बीच मिठाई बांट अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान दर्जनों कांग्रेस युवा नेताओं ने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का बैनर भी लगा रखा है। इस दौरान सभी कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर गले मिलकर एकता की मिसाल पेश कर जनता को भी मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया है। इस मौके पर बरीय नेताओं के साथ साथ दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

रंगदारी की मांग पूरी न करने पर हथियार का भय दिखा की मारपीट व छिनतई

प्रात : किरण ब्यूरो

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज थाना क्षेत्र के कोलगामा दियरा इलाके में अपराधियों की गतिविधियों से ग्रामीण व उनके परिवार भयवीत चल रहे है। इसी कड़ी में देरशाम अपराधियों ने अपने अपराधिक मंसूबो के तहत एक किसान से रंगदारी की मांगा कर दी, वही मांग को पूरी नहीं किये जाने पर हथियार का भर दिखाकर फाईरिंग करते हुए लाठी डंडे व रड्ड से प्रहार कर गाँव के किसान मो.शोहैब को गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया है, साथ ही अपराधियों ने मो. शोहेब के साथ छिनतई की वारदात को अंजाम दे मौके से फरार होने में सफल हो गया है। वही इस घटना में घायल व जख्मी किसान मो. शोहैब को ग्रामीणों के द्वारा ईलाज के लिए रेफरल अस्पताल लेजाया गया है, जहां चिकित्सक ने उसकी हालत को गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मायागंज रेफर कर दिया है। जहां जख्मी व घायल किसान मो. शोहैब एंव इनके पुत्र मो. जिसान ने बताया कि सुलतानगंज गंगा घाट के सदानंद कुमार उर्फ सरोनम कुमार शाहाबाद, नीतीश चौधरी, राहुल कुमार ने अपने पांच अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर हथियार के बल पर भय दिखाते हुए पांच सौ रुपये प्रति भैस की रंगदारी मांग की नही दिये जाने पर गोली फाईरिंग करते हुए इस्टील पाईप, लोहे के रड्ड, लाठी डंडे से प्रहार करते हुए मो. शोहैब को जख्मी कर सोने की अंगुठी व सोने की चैन की छिनतई करते हुए मौके से फरार हो गया है। वही उक्त लोगों के जानलेवा प्रहार से मो. शोहैब गंभीर रूप से घायल होने पर ग्रामीणों के द्वारा ईलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाने पर मौजूद चिकित्सक ने उसकी हालत को गंभीर देख त्वरित बेहतर इलाज के लिए मायागंज रेफर कर दिया। वही इस घटना की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को देने पर पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर मामले की जांच में जुट गई है। वही दूसरी तरफ पंचायत के सरपंच बिमल किशौर यादव ने भी बताया कि 10 वर्षो से इलाके में सभी अपराधी द्वारा कई किसानों से लगभग पांच सौ बिघा जमीन अबैध कब्जा कर हथियार का भय दिखाकर फसल लुट लिया जाता रहा है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन के कार्रवाई का तनिक भी खोप नही है, अपराधी खुले आम सरेशाम अपने आपराधिक घटनाओं को बेखौफ अंजाम देने में डटे रहे हैं। अब देखने वाली बात है कि क्षेत्र इलाके में रहनेवाले किसानों को स्थानीय पुलिस किस तरह से अपराधमुक्त माहौल तैयार करती हैं। या फिर यू ही बेगुनाह किसानों को अपराधियों का शिकार होना पड़ेगा ये सबसे बड़ा सवाल पुलसिया कार्रवाई को लेकर उठता दिख रहा है।

कई मार्गो से या अली, या हुसैन के नारों के साथ निकाला मातमी सह अखाड़ा जुलूस

भागलपुर। जिला मुख्यालय समेत कई ग्रामीण इलाकों में चेहल्लुम का पर्व मातम के रूप में मनाया गया। इस दौरान कई आकर्षक झांकियां निकाली गई, चेहल्लुम के जुलूस के दौरान युवाओं ने परंपरागत तरीके से कई आलोकित खेल प्रदर्शन किया। मातम जुलूस के साथ लाठी आदि लेकर युवाओं की टोली ने अपने सोर्य का भी खूब प्रदर्शन किया। इस दौरान शांतिपूर्ण माहौल में चेहल्लुम पर्व को लेकर मातम जुलूस के आयोजन के साथ शांतिपूर्ण व भाईचारे के साथ पैगाम देते हुए सुगमता से त्यौहार को संपन्न किया। वही इस दौरान प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ जगह- जगह सुरक्षा बल तैनात किये गए थे। वही जुलूस में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शांति समिति के लोगों ने भी अपना काफी अहम सहयोग दिया है।

निजी क्लीनिक में मरीज के परिजनों को पीटा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जोगसर ओपी थाना परिक्षेत्र के आदमपुर चौक व घंटाघर मार्ग नवयुग विद्यालय रोड स्थित श्री नागेश्वर ऑर्थो एन्ड थर्मो अस्पताल नामक एक निजी अस्पताल परिसर में मरीज के साथ स्थानीय डॉक्टर के द्वारा गुंडागर्दी किये जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि विगत सात दिन पूर्व बेगूसराय के एक मरीज भागलपुर के श्री नागेश्वर ऑर्थो अस्पताल में भर्ती हुआ था, उक्त मरीज के पैर में किसी घटना क्रम में गंभीर चोटें लगी थी। वही स्थानीय किलिनीक के डॉक्टर कन्हैया लाल ने करीब चार दिन तक इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती रखा और इलाज शुरू कर दिया, लेकिन उक्त मरीज के पैर के चोट जख्म में कोई सुधार नहीं हुआ तो वही सातवें दिन डॉक्टर ने मरीज के परिजनों से कहा कि पैर काटना पड़ेगा, नस काम नहीं कर रहा है, तो वही परिजन उक्त पैर को काटने के लिए तैयार नहीं हुआ तो वही चिकित्सक अपनी मोटी कमाई के उद्देश्य को लेकर परिजनों के साथ तरह तरह की बात करने लगे, हालांकि परिजनों ने अस्पताल के चिकित्सक पर आरोप लगाया कि जबरदस्ती मरीज के पैर को काटने को दबाब बना कर डॉक्टर द्वारा कहा जा रहा है। वही निजी अस्पताल के चिकित्सक ने इलाज के पूर्व ही परिजनों से अस्पताल कर्मियों को 60 हजार रूपए जमा दे दिया गया था, लेकिन जब मरीज के पैर पूरी तरह ठीक हो जाने तक 1लाख 25 हजार रुपए तक की मोटी रकम के तय किये जाने की बात कही जा रही थी, लेकिन जब मरीज के पैर काटने की स्थिति में पहुंच गई तो परिजनों ने कहा कि ऐसा हम नहीं करेंगे। सातवें दिन परिजन अपने मरीज को दूसरे अस्पताल ले जाने लगें थे, तभी डॉक्टर ने उनके साथ मारपीट की वारदात को अंजाम दे दिया। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि रॉड६ चाकू के अलावा लाठी डांटे से भी परिजनों को पीटा साथ ही साथ उनके मोबाइल तक चूर कर दिये है। वही जब अस्पताल प्रशासन की गुंडागर्दी की खबर मिलने पर मीडिया प्रतिनिधि सह पत्रकार जब खबर को कवरेज करने के लिए पहुंचे थे, उक्त अस्पताल के कर्मियों व चिकित्सक ने पत्रकारों के साथ भी बदसलूकी के साथ गाली गलौज की। वही एक तरफ इलाज के लिए पहुंचे मरीज के परिजनों के साथ गुंडागर्दी तो दूसरी तरफ खबर कवरेज कर रहे पत्रकारों को भी नहीं छोड़ा और अस्पताल प्रबंधक डॉ. कन्हैया लाल ने देख लेने तक की धमकी दे दी। वही घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जोगसर थाना पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस को ऑनस्पॉट की मिलेगी जानकारी, एप का हुआ विधिवत शुभारंभ : एसएसपी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। डेढ़ माह पूर्व ट्रिपल आईटी एवं भागलपुर पुलिस के द्वारा एक संदिग्ध प्रस्ताव के तहत (एमओयू) साइन किया गया था। जिसमें अपराध नियंत्रण को लेकर उसके बारे में डाटा संग्रहित रखने की दिशा में ऐप को तैयारी किया जाना सुनिश्चित था। उक्त एप के निर्माण कार्य पूर्ण रूप से तैयारी किये जाने के बाद उक्त एप को जिला पुलिस प्रशासन के जिम्मे समर्पित किये जाने की दिशा में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त एप निर्माण में लोकस और प्रगति सॉफ्टवेयर मुख्य रूप से निर्मित हैं। वही लोकस सॉफ्टवेयर के प्रदर्शन कार्य के साथ जिला पुलिस प्रशासन के द्वारा विधिवत उद्घाटन किये जाने की दिशा में ट्रिपल आईटी भवन प्रसाल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस लोकस सॉफ्टवेयर का पूरा नाम लोकेशन वेस्ट ऑपरेशन एंड कोऑर्डिनेशन फॉर यूनिफाइड सिक्योरिटी रखा गया है। इस सॉफ्टवेयर से शहर में कैमरे की मदद से मोबाइल लूट, चैन लूट, चोरी व डकैती सहित कई अपराध के विशेष स्थल को चिन्हित कर गस्ती ड्यूटी कार्य निर्धारित कर गस्त बढ़ाई जाएगी, जिससे अपराध पर लगाम लगाया जा सके। इसकी समुचित जानकारी व कार्य को लेकर सभी थानों के संबंधित थानाध्यक्षों व पुलिस बलों को भी दे दी गई है। शहर में इस सॉफ्टवेयर को सुचारू रूप से चलने के लिए चिन्हित 1750 जगहों पर कैमरे भी लगाए गए हैं, जल्द ही लोकस के बाद अब प्रगति सॉफ्टवेयर भी काम करना शुरू कर देगी। भागलपुर के ट्रिपल आईटी के छात्रों की टीम ने मोबाइल पर पुलिस एप बनाया है। इस ऐप के माध्यम से न सिर्फ अपराध सहित आगजनी, सड़क दुर्घटनाओं की तत्काल जानकारी पुलिस को मिलेगी बल्कि समय और स्थान के बारे में भी पता चल जाएगा, यही नहीं सूचना देने वालों का नाम भी गोपनीय रखा जाएगा, इससे घटनाओं की ससमय पर जानकारी मिलेगी बल्कि शहर में लगे सीसी टीवी की मदद से बदमाशों की तत्काल पहचान भी हो सकेंगी। गौरतलब हो कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल पर आयोजित हैकथॉन प्रतियोगिता में छात्रों ने यह ऐप बनाया था। सुमित, निकुंज, सिद्धार्थ, अमित, कामरूप और आशुतोष ने 12 घंटे की मेहनत से यह ऐप खोज निकाला था। इस ऐप का विधिवत रूप से उद्घाटन एसएसपी आनन्द कुमार के द्वारा कर दिया गया है, अब पुलिस इस ऐप को अपने तरीके से कार्य क्षेत्र में उपयोग में लेगी सकेंगे, एप के उद्घाटन सत्र में ट्रिपल आईटी के निदेशक पीके जैन, वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार के अलावे सभी डीएसपी एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

विद्या के लिए लाइब्रेरी का तीसरे शाखा का हुआ भव्य उद्घाटन

भागलपुर। जिले में विद्या के श्रोत माध्यम के रूप में छात्र छात्राओं के लिए जदयू भागलपुर शाखा के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी शिशुपाल भारती ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर विधिवत रूप से विद्या के लाइब्रेरी का तीसरे शाखा का भव्य उद्घाटन किया गया। वही कार्यक्रम के दौरान ओम प्रकाश चौटाला, रोहित कुमार, संतोष कुमार के अलावे दर्जनों लोग शामिल थे। विद्या के मंदिर स्वरूप लाइब्रेरी के निर्देशक सह संचालक प्रीतम कुमार ने बताया कि भागलपुर में हमें छात्रों का प्यार मिल रहा है, जिसके चलते मैंने शुरूआत में एक शाखा की शुरूआत की थी, उसके बाद दूसरा शाखा और आज तीसरा शाखा का शुभारंभ किया गया है। जिसका आज विधिवत उद्घाटन भी कर लिया गया है, इस लाइब्रेरी में बच्चे कम पैसे में ज्यादा ज्ञान अर्जित कर सफलता के मुकाम हासिल कर सकते है।

बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के खिलाफ जदयू ने प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर। प्रखंड क्षेत्र के अग्रहण गांव में अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही महंगाई, बेरोजगारी एवं बिहार को केंद्र सरकार के द्वारा कम बिजली मुहैया कराने को लेकर जिला जदयू सचिव संजय झा के नेतृत्व में जदयू कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका. इस अवसर पर जिला जदयू सचिव संजय झा ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार महंगाई रोकने में विफल साबित हुई है. पहले तो 500 रुपया का गैस सिलेंडर को 1200 रुपया कर के महंगाई को चरम पर पहुंचा दिया. वहीं चुनाव आने की आहट से 200 रुपया कम करके केंद्र की सरकार सहानुभूति बटोरना चाहती है. लेकिन यह पब्लिक है जो सब जानती है. वहीं दूसरी ओर युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है. सी एमआईइ के इकोनामिक आउटलुक के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सात बरसों में रोजगार 65 लाख है जबकि सांख्यिकी के नियम के अनुसार 07 करोड़ होना चाहिए. हर साल एक करोड़ अतिरिक्त युवा रोजगार के लिए खड़े हो गए. इस बार इस जुमलेबाज केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए युवाओं ने संकल्प लिया है. इस मौके पर दीपक मंडल, कन्हैया दास, रंजन सिंह, अशोक ठाकुर, ओमप्रकाश दास, निवास मंडल, पारो पंडित, गुड्डू छोटू, अभिषेक सहित कई जदयू कार्यकर्ता उपस्थित थे.६

खेत में कम कर रहे किसान को करंट लगने से हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

टेटिया बम्बर। टेटिया बम्बर थाना क्षेत्र के अंतर्गत टेटिया पंचायत के ग्राम खरुई स्थित तरी बहियार में विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बिजली पोल में बिजली का करंट आ जाने से खेत में कम कर रहे किसान इसके चपेट में आ गया। बिजली पोल के सहारे खेत में विजली करंट के आने से 48 वर्षीय उदय यादव पिता शनिचर यादव की मौत हो गई। जिसे तत्काल ग्रामीणों के सहयोग से टेटिया बंबर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों विद्युत आपूर्ति विभाग के पावर सब स्टेशन कटनी के समीप पार्थिव शरीर को रखकर विभाग से मुआवजा की मांग करने लगे। ग्रामीणों द्वारा सड़क पर शव रखकर जाम लगने से यातायात ठप हो गया। तत्पश्चात टेटिया बम्बर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी विनोद कुमार प्रसाद घटना स्थल पर पहुंचे एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिसके बाद टेटिया बम्बर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे एवं ग्रामीणों को समझा बूझकर शांत किया गया। मौके पर पूर्व जिला परिषद विनोद कुमार सिंह एवं टेटिया पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित थे। मृतक ने अपने पीछे अपने तीन पुत्री पत्नी और एक पुत्र को छोड़ गए हैं मृतक के दो पुत्री कोमल कुमारी और रोजी कुमारी तथा दो पुत्र का विवाह हो चुका है। शिवानी कुमारी और पुत्र नवनीत कुमार अभी अविवाहित है। मृतक के पत्नी काली देवी का रो रो कर बुरा हाल है। इधर अंचल पदाधिकारी ने मुआवजा राशि के देने के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम को हटा लिया। टेटिया बम्बर पुलिस ने इस घटना को लेकर पत्नी के बयान पर यूडी केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुंगेर भेज दिया है।

मौसम का मिजाज बदलते ही तेज हवा गरज के साथ हुई झमाझम बारिश

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर 8 सितंबर)। सितंबर महीने के शुरूआती दिनों से ही संपूर्ण क्षेत्रभर में मौसम का मिजाज बदलते ही तेज हवा एवं गरज के साथ झमाझम हुई बारिश से झुलस रहे धान के पौधे एकाएक हरा-भरा हो उठा। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही झमाझम बारिश से लोगों को जहां भीषण गर्मी से राहत मिली वहीं क्षेत्र के किसानों के लिए यह वर्षा धान खेती के लिए अमृत की तरह रहा। बारिश होते ही संपूर्ण क्षेत्र भर में मौसम का मिजाज बेहद खुशनुमा हो गया है।

तेज हवा के कारण शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में आंशिक रूप से क्षति भी होने की सूचना मिल रही है। अनुमंडल क्षेत्र के संग्रामपुर तारापुर एवं असरगंज के क्षेत्रों में किसानों ने लगभग, 18 हजार 7 सौ, हेक्टेयर भूमि में विभिन्न प्रजाति की धान खेती को किया है। किसान बिहारी लाल कुशवाहा, रवि रंजन कुमार, निलेश चौधरी, अरुण कुमार सिंह, ने बताया कि पिछले दो दिनों में जिस तरह से मौसम का मिजाज बदला है और झमाझम बारिश भी हो रही है अगर इसी तरह मौसम का मिजाज पूरे सितंबर महीने तक रुक- रुक कर बना रहा तो बेहतर पैदावार होंगे। आगे किसानों ने यह भी बताया कि इतनी बारिश के बाद भी क्षेत्र का सबसे बड़ा पानी का खजाना माने जाने वाला बदुआ जलाशय, लकड़ाजोर, झगड़हवा, मुहाने बीयर चानकेन जलाशय सहित सकरी, गिद्दा, इत्यादि कई प्रमुख नदियां पानी बिना आज भी सूखा पड़ा है।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नगर के साहू ठाकुरबाड़ी में जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया गया. जिसका उद्घाटन साहू ठाकुरबाड़ी के अध्यक्ष अबोध साह, उपाध्यक्ष जनार्दन साह, सचिव कुणाल कुमार, पूर्व सचिव महेश साह एवं अशोक साह के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

जन्मष्टमी उत्सव पर बाल गोपाल कृष्ण की मनोरम झांकी के साथ रूप सज्जा एवं बच्चियों, महिलाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की उत्कृष्ट प्रस्तुति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया. ब्रह्मकुमारी स्नेहा दीदी के कुशल संयोजन एवं संचालन में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव का शुभारंभ प्रकृति प्रांजल के द्वारा गुरु वंदना से हुआ. अंजलि आनंद द्वारा सुरमयी भजन की प्रस्तुति दी गई. वहीं नूतन बहन ने कृष्ण को समर्पित भजन की प्रस्तुति से लोगों को भावविभोर कर दिया. कुणाल कुमार ने अपनी सुरीली आवाज में सजा दो घर को गुलशन सा, मेरे सरकार आए है की प्रस्तुति से माहौल को कृष्ण भक्ति में सराबोर कर दिया. तबला पर अमृत आनंद संगत कर रहे थे. वहीं शिक्षिका राखी केशरी ने भी अपने नृत्य से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया. जन्मष्टमी उत्सव पर आयोजित कार्यक्रम मे अदिति, अनन्या, रक्षा, ऋषिका, शुभांगी, सृष्टि, इशिका, दीपा, पायल, कुमुकुम, सुहानी, आयुषी, अर्पण, आरोही, कोमल, निशा आदि ने भी कृष्ण भजन और धार्मिक गीतों पर एक से एक बढ़कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए. कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण प्रदर्शनी, कृष्ण जन्म लीला, बाल लीला की झांकी ने लोगों में धार्मिक भाव जागृत किए. इस मौके पर राकेश चन्द्र सिन्हा, रामवतार साह, शशि कुमार, नितेश मिश्रा, शिबू दा, राजीव रंजन, निरंजन मिश्रा, पुरुषोत्तम गुप्ता, प्रदीप कुमार, सुबोध कुमार आदि समेत अनेक प्रबुद्धजन मौजूद थे।

माधव नगर स्कूल में समय से शिक्षक नहीं रहने से आक्रोशित ग्रामीणों ने जड़ा ताला

पूर्णिया/भवानीपुर। भवानीपुर नगर पंचायत वार्ड नंबर 02 माधव नगर में सरकारी शिक्षा की बदतर स्थिति का नजारा शुक्रवार को आदर्श मध्य विद्यालय के माधव नगर में देखने को मिला। जहां विद्यालय में कार्यरत दो शिक्षका के लगातार ससमय से गायब रहने पर बच्चों एवं अभिभावकों के सब्र का बांध टूट गया। उसी को लेकर शुक्रवार को दर्जनों माधव नगर के आक्रोशित ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि के द्वारा स्कूल में शिक्षका की लगातार समय पर स्कूल नही आने के कारण स्कूल में ताला जड़ दिया गया। वहीं शिक्षका की तबादला की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि ग्रामीण संजीव कुमार यादव ने बताया कि 24 अगस्त को चांदनी कुमारी एवं रंजना कुमारी दोनों शिक्षका समय पे नही आई थी लेकिन प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को इस बात को लेकर अवगत कराया गया था।

मुझे मेरे बचपन में ले जाता है दही हांडी उत्सव

बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल इस साल दही हांडी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं। स्टार जन्माष्टमी समारोह के दौरान अपनी आगामी फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली का प्रचार कर करेंगे। विक्की मुंबई के सबसे बड़े दही हांडी कार्यक्रमों में से एक में भाग लेंगे और द ग्रेट इंडियन फैमिली के अपने नवीनतम गीत कन्हैया ट्विटर पे आजा पर हजारों लोगों को नाचने पर मजबूर कर देंगे। अभिनेता ने कहा, मुंबई में दही हांडी एक उत्सव से कहीं अधिक है। यह सब लोगों की भावना, एकता और अटूट बंधन के बारे में है। मुझे हमेशा लगता था कि हांडी तोड़ने के लिए बनाया गया। लेकिन, यह त्यौहार भारत की भावना को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, मुझे बेहद खुशी है कि इस साल मैं उत्साही बच्चों के साथ इसे मनाऊंगा। यह निश्चित रूप से मुझे मेरे बचपन की यादों में ले जाएगा जब मैं अपने परिवार के साथ स्थानीय दही हांडी उत्सव के लिए जाता था। विजय कृष्ण आचार्य द्वारा निर्देशित पारिवारिक मनोरंजन फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली 22 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

अनुष्का ने बताई फिल्मों से ब्रेक लेने की वजह

एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी को उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली में देवसेना के किरदार के लिए जाना जाता है। अनुष्का ने इस किरदार के जरिए हिंदी बेल्ट की ऑडियंस में अपनी खास पहचान बनाई थी। हालांकि, इसके बावजूद 'बाहुबली' के बाद अनुष्का ने किसी भी पैन इंडिया फिल्म में काम नहीं किया है। अब हाल ही में अनुष्का ने अपने इस फैसले के पीछे की वजह बताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि वह कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लेना चाहती थीं।

मुझे ब्रेक लेने की बहुत ज्यादा जरूरत थी

अनुष्का ने इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में कहा– 'एक बार जब मैंने बाहुबली पूरी कर ली, तो उसके बाद मेरा ध्यान भागमथी पर था। इसके बाद मैं कुछ समय के लिए रेस्ट लेना चाहती थी। यह फैसला मैंने खुद लिया था। उस समय मुझे ब्रेक लेने की बहुत ज्यादा जरूरत थी।'

कुछ समय के लिए आराम करना चाहती थी

अनुष्का ने आगे कहा– 'मैंने ये फैसला इसलिए लिया, ताकि मैं अपने फ्यूचर प्रोजेक्ट्स पर अच्छी तरह ध्यान दे सकूं। सच कहूं तो मेरे पास इसका कोई सटीक जवाब नहीं है, लेकिन मैं वाकई कुछ समय के लिए आराम करना चाहती थी। मैंने उस दौरान कोई स्क्रिप्ट नहीं सुनी, लेकिन ब्रेक के बाद अब काम पर वापस लौट आई हूं।'

कोई बेहतरीन प्रोजेक्ट आएगा तो मैं जरूर काम करूंगी

पैन इंडिया और बॉलीवुड फिल्मों के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा– 'अगर कोई बेहतरीन प्रोजेक्ट आएगा, तो मैं उसे जरूर करूंगी। चाहे फिर वह कोई भी भाषा हो।' दरअसल अनुष्का 3 साल बाद तेलुगु फिल्म 'मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी' से कमबैक कर रही हैं। बाहुबली- द कन्क्लूजन के बाद जहां प्रभास बॉलीवुड और पैन इंडिया फिल्मों में नजर आ चुके हैं, वहीं अनुष्का ने तेलुगु फिल्म 'भागमथी' और OTT फिल्म 'निशब्दम' में काम किया।

प्रभास के साथ काम करने पर बोलीं अनुष्का

जब अनुष्का से प्रभास के साथ दोबारा काम करने को लेकर सवाल किया गया, तो इसपर उन्होंने कहा कि अगर मेकर्स उन्हें कोई मजबूत कहानी और क्रिएटिव विजन के साथ बनी स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वह साथ में जरूर काम करना चाहेंगीं।

कुशा कपिला ने अपने सपोर्ट सिस्टम का किया खुलासा

कुशा कपिला ने बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं, कड़ी मेहनत के दम पर अब वह एक्टिंग की दुनिया में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। कुशा को प्लान ए प्लान बी, सेल्फी, माइनस वन- न्यू चैप्टर, मसाबा मसाबा 2 और घोस्ट स्टोरीज समेत कई हिट शो, फिल्मों और वेब सीरीज में देखा जा चुका है। इसके साथ ही वह कॉमिकस्तान जैसे शो को होस्ट करने के लिए भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर हैं। हालांकि, कुशा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर जबर्दस्त सुर्खियों में हैं। बीते दिन अभिनेत्री ने जोरावर सिंह अहलूवालिया से तलाक का एलान कर सबको चौंका दिया। इस कारण वह बहुत ट्रोल भी हुईं। वहीं, अब कुशा इन ट्रोलिंग परबड़ी बात कहती नजर आई हैं।

कुशा कपिला ने जताया अपनों का आभार

जोरावर सिंह अहलूवालिया से तलाक के बाद कुशा कपिला अभिनेता अर्जुन कपूर संग रिश्ते में होने की अफवाहों को लेकर सुर्खियों का हिस्सा बनीं। इस कारण उन्हें ट्रोल्स का शिकार होना पड़ा। वहीं, हालिया इंटरव्यू में कुशा कपिला ने खुलासा किया कि उनके दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों ने मिलकर उनका मजबूत समर्थन तंत्र बनाया, जिसने उन्हें ट्रोल्स से निपटने में मदद की है। कुशा ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उनके जीवन में ऐसे लोग हैं। कुशा कपिला ने कहा, मैं समझती हूं कि ये सब एक पब्लिक पर्सन की जिंदगी का हिस्सा होता है। वैसे भी कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना। ये चीजें हमेशा चलती रहेंगी। कुशा कपिला यहीं नहीं रुकीं और उन्होंने अपनी बात में आगे जोड़ा, मेरी जिंदगी का बस एक ही मकसद है, समय के साथ मुझे खुद को और मजबूत बनाना है। मैं सिर्फ यही सोचकर आगे बढ़ रही हूं।

नृत्य सीखने के लिए अभिनेत्री माधुरी दीक्षित से ली प्रेरणा

भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने कहा कि नृत्य सीखने के लिए प्रेरित करने में माधुरी दीक्षित ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। शुभांगी एक प्रशिक्षित शास्त्रीय नृत्यांगना भी हैं। उन्होंने कहा कि नृत्य करना उनके लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है। भाबीजी घर पर हैं की शुभांगी उर्फ अंगूरी भाभी भी सिटकॉम में कोरियोग्राफर की भूमिका निभाती हैं। यह वास्तव में प्रभावशाली है कि उनकी कोरियोग्राफिक प्रतिभा शो में उनकी कॉमेडी टाइमिंग जितनी ही सटीक है। अभिनेत्री बताती हैं कि अपनी नृत्य दिनचर्या बनाने से उन्हें आराम मिलता है और उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति चमकती है, जो एक कलाकार के रूप में उनकी भावनाओं को व्यक्त करने का एक स्वतंत्र तरीका है। अपने कोरियोग्राफी कौशल के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने साझा किया, नृत्य से मुझे बहुत खुशी मिलती है और संतुष्टि की गहरी भावना आती है। जब भी मुझे प्रदर्शन करने का मौका मिलता है, मैं पूरे दिल से इसमें डूब जाती हूं। शुक्र है कि भाबीजी घर पर हैं में अंगूरी के रूप में मेरी भूमिका लगातार बनी रही। मुझे विभिन्न ट्रैकों के साथ अपने नृत्य कौशल को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। मैं सेट पर अपनी दिनचर्या को कोरियोग्राफ करती हूं। उन्होंने कहा, मैं इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं और 30 से 45 मिनट में सही लय हासिल कर लेती हूं। नृत्य करना मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से चिकित्सीय है। एक प्रशिक्षित शास्त्रीय कथक नर्तक के रूप में, मैंने हर एपिसोड के लिए नृत्य अनुक्रम तैयार किया है। चाहे वह शास्त्रीय, बॉलीवुड की दिनचर्या, या गरबा या लावनी जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदर्शन हो, मैंने शो में नृत्य शैलियों की विस्तृत श्रृंखला को अपनाया है। 42 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, हालिया कहानी में, अंगूरी एक गैंगस्टर की प्रेमिका चमेली जान में बदल गई और एक क्लब डांसर के रूप में प्रदर्शन किया। मुझे इस कहानी के लिए विभिन्न बॉलीवुड आइटम गानों को कोरियोग्राफ करने का काम सौंपा गया था और उस दृश्य की शूटिंग में बहुत मजा आया। इसके अलावा, अतीत में मैंने अपने प्रदर्शन में शास्त्रीय कथक तत्वों को शामिल किया। शुभांगी ने कहा कि उनके डांस नंबरों को उनके प्रशंसकों से लगातार शानदार प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने बताया, अपने स्कूल के दिनों के दौरान मैंने उनके कई गानों पर नृत्य किया। मेरे दोस्तों ने मुझे हमारी माधुरी उपनाम दिया और मैं रोमांचित थी। एक कलाकार के रूप में एक कुशल नर्तक होना महत्वपूर्ण है। आप कभी नहीं जानते कि कौन से अवसर आ सकते हैं। मेरे कई अभिनय प्रोजेक्ट मेरी नृत्य क्षमताओं के कारण उभरे हैं। भाबीजी घर पर हैं एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

इंडियन आइडल 14 को जज करते दिखेंगे कुमार सानू

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का पॉपुलर सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल अपने नए सीजन के साथ जल्द लौट रहा है। इस बार कुमार सानू इस शो में जज के रूप में नजर आने वाली है। वह श्रेया घोषाल और विशाल ददलानी के साथ जजों के पैनल में शामिल होंगे। इंडियन आइडल में जज के रूप में डेब्यू करने पर कुमार सानू ने कहा, इंडियन आइडल देश के सबसे प्रतिष्ठित गायन रियलिटी शो में से एक है, जो महत्वाकांक्षी गायकों को परफॉर्म करने और अपने कौशल और गायन के क्षेत्र में अपने लिए एक अलग पहचान स्थापित करने के लिए एक मंच देता है। उन्होंने कहा, उस यात्रा का हिस्सा बनना वाकई खुशी की बात है, जिसमें उभरती प्रतिभाएं अपनी क्षमता का प्रदर्शन करती हैं और भारतीय संगीत जगत का हिस्सा बनने के अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाती हैं। कुमार सानू ने कहा, मैं पहले भी कई बार शो में अतिथि रह चुका हूं, लेकिन जज की भूमिका निभाना एक नया रोमांच है जिसका मैं इंतजार कर रहा हूं। अक्सर कहा जाता है कि संगीत हमें भावनात्मक स्तर तक पहुंचाता है, जहां अकेले शब्द कम पड़ जाते हैं। उन्होंने कहा, मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह पीढ़ी अपने अचूक सुर और ताल से हमारी भावनाओं को कैसे उद्वेलित करेगी। इस सीज़न के लिए मेरी आशा एक असली गायन रत्न को खोजने की है, जो आगे चलकर भारत और हमें गौरवान्वित करेगा।

इंटरव्यू के दौरान भावुक हुए सनी देओल

सनी देओल इस समय गदर 2 की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। उन्हें इस फिल्म के लिए दर्शकों से अपार प्यार और सराहना मिल रही है। ऐसे में हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सनी देओल भावुक हो गए। दरअसल सनी जैसे ही शो में पहुंचे, वैसे ही लोगों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया ऐसे में वो अपने आंसू को रोक नहीं पाए। सनी देओल ने कही यह बात सनी ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें शो के होस्ट ने उनसे पूछा कि उनके आंखों में आंसू हैं, यह सुनकर सनी और ज्यादा इमोशनल हो जाते हैं। इसके बाद सनी कहा हैं, जिस तरह से ये लोग खुश हो रहे हैं जो मैंने किया है, तो यकीन नहीं हो रहा मैं इसके लायक हूं या नहीं, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इसके लायक हूं। आप बहुत सेंसिटिव हैं क्योंकि आप बहुत अच्छे इंसान हैं अब सनी देओल की इस वीडियो को देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक सनी की खूब तारीफ कर रहे हैं। अमीषा ने लिखा, हमारी इंडस्ट्री के सबसे विनम्र सुपरस्टार और पूरा देश उन्हें प्यार करता है। बॉबी ने अपनी भाई के लिए लिखा, लव यू भैया। वहीं बोनी कपूर ने लिखा, दुनिया मानेगी कि आप बहुत सेंसिटिव हैं क्योंकि आप बहुत अच्छे इंसान हैं।

अमिताभ बच्चन को भी लगता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डर

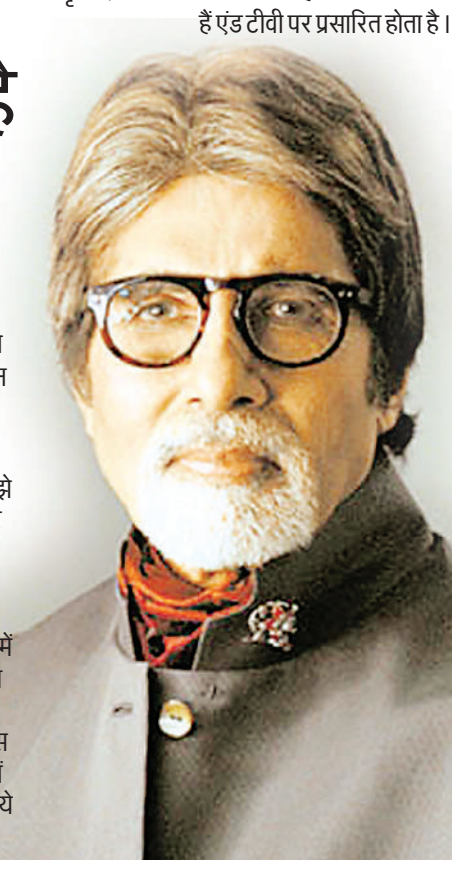

अमिताभ बच्चन ने कहा कि उन्हें एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से डर लगता है। बिग बी ने कहा कि उन्हें डर है कि कहीं उन्हें होलोग्राम में न बदल दिया जाए। दरअसल शो में आए एक कंटेस्टेंट ने एआई की बात छेड़ दी। उसने कहा कि आने वाले वक्त में एआई क्रिएटिव लोगों की भी जॉब खा जाएगा। इस पर अमिताभ बच्चन ने कहा कि उन्हें भी इस चीज का आभास होता है कि कहीं एआई उनकी जॉब न छीन ले।

अहमदाबाद के रहने वाले चिराग अग्रवाल अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि एआई सिर्फ लेबर जॉब्स पर कब्जा करेगा। सबसे ज्यादा परेशान इससे क्रिएटिव लोग हैं। चिराग ने बिग बी से कहा, हो सकता है कि आने वाले वक्त में आपकी जगह होलोग्राम यूज किया जा रहा हो। होलोग्राम सामने एक ऐसी इमेज बनाता है, जिसे कई एंगल से देखा जा सकता है। जब हम होलोग्राम देखते हैं तो ऐसा फील होता है एक सामने कोई असली इंसान खड़ा है। असल में वो उस इंसान की लेजर के जरिए छवि बना देता है।

कहीं एआई हमारी जॉब न छीन ले

अमिताभ बच्चन ने कहा, मुझे भी डर है कि कहीं मुझे होलोग्राम में न बदल दिया जाए। मुझे कभी–कभार एक कमरे में ले जाया जाता है, जहां पहले ही बहुत सारे कैमरे मौजूद होते हैं। कई एंगल और एक्सप्रेशन से मेरी तस्वीरें ली जाती हैं। पहले आइडिया नहीं था, बाद में पता चला कि मेरे एब्सेंस में इसका यूज किया जाएगा। बिग ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, इन्हीं सब वजहों से लगता है कि एआई हमारी जॉब ले लेगा। अगर मैं कभी जॉबलेस हो जाऊं तो मेरी मदद कर देना। हमें काम मिलने में काफी दिक्कतें होती हैं। हालांकि अमिताभ बच्चन ने ये सभी बातें मजाकिया अंदाज में कही।

टाटा समूह के एयरलाइन ने बैंकॉक एयरवेज से की साझेदारी, अब यात्रियों को मिलेगी कई सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया ने बैंकॉक एयरवेज के साथ इंटरलाइन साझेदारी की है जिससे टाटा समूह की एयरलाइन के ग्राहकों को थाईलैंड की राजधानी से 10 दक्षिण पूर्व एशियाई गंतव्यों के लिए निर्बाध संपर्क की सुविधा मिलेगी।

दोनों विमानन कंपनियों ने एक विशेष प्रोरेट समझौता भी किया है जो उन्हें एक-दूसरे के नेटवर्क को कवर करने वाले मार्गों पर किराए के माध्यम से फाइल करने की अनुमति देता है। इस व्यवस्था का मतलब है कि एक यात्री को अपने यात्रा कार्यक्रम में सभी गंतव्यों को कवर करने वाले एक टिकट के लिए एक ही किराये का भुगतान करना होगा। यह साझेदारी एयर इंडिया के यात्रियों को बैंकॉक एयरवेज के रूट नेटवर्क पर थाईलैंड, लाओस और कंबोडिया के 10 गंतव्यों से एयरलाइन के बैंकॉक, हांगकांग और सिंगापुर गेटवे के माध्यम से

सुविधाजनक कनेक्शन लेने में सक्षम बनाती है।

एक इंटरलाइन व्यवस्था साझेदार एयरलाइन द्वारा संचालित उड़ानों के लिए टिकट जारी करने और स्वीकार करने के लिए एक समझौते को संदर्भित करती है। इंटरलाइन टिकट बेचते समय, ऑपरेटिंग एयरलाइंस के अपने उड़ान नंबर का उपयोग किया जाता है। बैंकॉक एयरवेज के साथ सहयोग में इंटर एयरलाइन थ्रू चेक-इन (आईएटीसीआई) कार्यान्वयन भी शामिल है। एयर इंडिया ने विज्ञप्ति में कहा कि इससे मेहमानों को एक ही टिकट पर सभी यात्रा क्षेत्रों के लिए प्रस्थान के पहले बिंदु पर बोर्डिंग पास प्राप्त करने और अपने सामान को उनके अंतिम गंतव्यों तक चेक-इन करने में सक्षम बनाया जाएगा। वर्तमान में, एयर इंडिया दिल्ली और मुंबई से बैंकॉक के लिए, दिल्ली, मुंबई और चेन्नई से सिंगापुर के लिए और दिल्ली से हांगकांग के लिए सप्ताह में तीन बार दैनिक उड़ानें संचालित करती है। इसके अलावा, बैंकॉक एयरवेज से कनेक्टिंग फ्लाइट लेने वाले एयर इंडिया के यात्रियों को थाईलैंड स्थित एयरलाइन के बुटीक लाउंज और उपलब्ध हवाई अड्डों पर शिष्टाचार कॉर्नर तक कॉम्प्लीमेंट्री एक्सेस भी मिलेगा, चाहे यात्रा की श्रेणी कुछ भी हो।

एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक एवं परिवर्तन अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, एयर इंडिया में हमारी रणनीतिक प्राथमिकताओं में से एक हमारे मेहमानों को हमारे स्वयं के साथ-साथ एक संवर्धित वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से अधिक स्थानों के लिए उड़ान भरने का विकल्प प्रदान करना है। एयर इंडिया के यात्री बैंकॉक एयरवेज के माध्यम से थाईलैंड में चियांग माई, लम्पांग, सुखोथाई, ट्राट, कोह समुई, फुकेत और क्राबी से जुड़ सकते हैं।

बैंकॉक एयरवेज पीएलसी में नेटवर्क और उत्पाद विकास के उपाध्यक्ष चुलिन कोचारोएन ने कहा, हम अपने संबंधित मार्ग नेटवर्क को मजबूत करने और व्यापार और अवकाश यात्रियों को नए गेटवे तक अभूतपूर्व और सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने के लिए एयर इंडिया के साथ एक इंटरलाइन साझेदारी में प्रवेश कर रहे हैं।

सैमसंग ने आकर्षक व्हाइट कलर में गैलेक्सी ए54 5जी को लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग गैलेक्सी ए54 5जी का नया ऑसम व्हाइट 8/256 जीबी वैरिएंट भारत में 8 सितंबर से बिकना शुरू हो गया। इस नए व्हाइट कलर के साथ ग्राहकों को अपना व्यक्तिगत स्टाइल दिखाने के और ज़्यादा विकल्प मिलेंगे। गैलेक्सी ए54 5जी इस समय ऑसम लाइम, ऑसम ग्रेफाइट और ऑसम वायलेट कलर वैरिएंट में उपलब्ध है। सैमसंग ने हाल ही में गैलेक्सी ए54 और गैलेक्सी ए34 5जी पर नए आकर्षक ऑफर पेश किए हैं। अब 30,999 रुपये में लॉन्च किया गया गैलेक्सी ए34 5जी 26,999 रुपये के शुरुआती मूल्य में ख़रीदा जा सकता है। इसके रिवाइज़्ड मूल्य में आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर लागू 2000 रुपये का इंस्टैंट कैशबैक और 2000 रुपये का अतिरिक्त बैंक कैशबैक शामिल है। 40,999 रुपये में लॉन्च किया गया गैलेक्सी ए54 8/256 जीबी वैरिएंट ख़रीदने के इच्छुक ग्राहक इसे सिर्फ 36,999 रुपये में खरीद सकते हैं। इसके अलावा और ज़्यादा किफ़ायती मूल्य में इसे ख़रीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए जीरो डाउन पेमेंट के साथ 12 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई का विकल्प भी दिया गया है।

वैस्टर्न डिजिटल ने पेश की हाई परफॉरमेंस डब्ल्यूडी ब्लू580 एनवीमी एसएसडी

मुंबई, एजेंसी। आज की दुनिया में विज़ुअल उत्कृष्टता एवं डिजिटल कॉटेंट रचना की मांग आसमान छू रही है। इससे और ज्यादा उन्नत प्रौद्योगिकियों का मार्ग प्रशस्त हो रहा है जो समृद्ध कॉटेंट के उत्पान एवं खपत को समर्थन देते हैं। ग्राहकों, विद्यार्थियों और पेशेवरों के लिए तेज, भरोसेमंद टूल्स अनिवार्य हैं जो उनकी कल्पनाशीलता को प्रवाहमान बनाए रखें। अपने पुरस्कार विजेता एसएसडी पोर्टफोलियो को विस्तार देते हुए वैस्टर्न डिजिटल ने अब डब्ल्यूडी ब्लू580 सॉलिड स्टेट ड्राइव को जारी किया है। यह नई एनवीमी एसएसडी 4.0 इंटरनल फ्लैश ड्राइव को खास तौर पर उत्साही रचनात्मक समुदाय एवं पेशेवरों के लिए निर्मित किया गया है, वर्तमान पीसी को अपग्रेड करने या कस्टम बिल्ड को बेहतर बनाने में यह ड्राइव काम आती है।

स्टील क्षेत्र में पहली बार प्रशिक्षु महिला अग्निशामकों को किया गया शामिल, टाटा स्टील ने की पहल

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के स्टील सेक्टर में पहली बार टाटा स्टील की ओर से प्रशिक्षु महिला अग्निशामकों के बैच को गुरुवार को शामिल किया गया। यह देश के स्टील सेक्टर में उठाया गया इस तरह का पहला कदम है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 23 महिला प्रशिक्षुओं के बैच को बुनियादी अग्निशमन और बचाव कार्य सिखाया जाएगा। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी में फायरवुमन की नियुक्ति की जाती है।

बयान में कहा गया है कि प्रशिक्षण महिलाओं को सैद्धांतिक

समझ के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करेगा। इसके बाद, उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया जाएगा और चयनित लोगों को टाटा स्टील की अग्नि और बचाव सेवा टीम में शामिल किया जाएगा।

भविष्य की महिला अग्निशामकों को शामिल करने के लिए एक कार्यक्रम फ्लेम्स ऑफ चेंज का आयोजन किया गया था। चयनित महिलाओं को तीन महीने तक ट्रेनिंग दी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टाटा स्टील के कॉरपोरेट सेवा के उपाध्यक्ष चाणक्य चौधरी ने कहा, टाटा स्टील इस तरह की पहल करने और संगठन में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर पैदा करने में अग्रणी रहा है।

टाटा स्टील की अग्निशमन और बचाव सेवा टीम में शामिल ये महिला अग्निशामक के क्षेत्र में इतिहास रचेंगी और देश भर में सभी को प्रेरित करेंगी। कंपनी ने कहा, टाटा स्टील का लक्ष्य 2025 तक विविध समूहों से जुड़ा 25 प्रतिशत कार्यबल हासिल करना है।

क्रेमलिन के करीबी रूसी कारोबारी को नौ साल कारावास की सजा, शेयर बाजार में धोखाधड़ी करने का है आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में क्रेमलिन के करीबी रूसी कारोबारी को नौ साल कारावास की सजा सुनाई गई। करीब 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की शेयर बाजार धोखाधड़ी मामले में गुरुवार को यह सजा सुनाई गई। रूसी कारोबारी पर आरोप है कि उसने यह धोखाधड़ी अमेरिकी कंप्यूटर नेटवर्क को हैक कर प्राप्त की गई कंपनी की गुप्त सूचना के आधार पर की थी। रूसी सरकार के लिए उच्चतम स्तर पर काम करने वाली मॉस्को स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी के संचालनकर्ता व्लादिस्लाव क्लाइशिन को बोस्टन की संघीय अदालत ने दो सप्ताह की सुनवाई के बाद फरवरी में केबल और प्रतिभूति धोखाधड़ी से जुड़ेआरोपों में दोषी ठहराया था।

अधिकारियों के मुताबिक उसने अपराध को अंजाम देने में व्यक्तिगत रूप से 3.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम खर्च की और माइक्रोसॉफ्ट और टेस्ला सहित सैकड़ों कंपनियों के आय-व्यय संबंधी जानकारी चुराने के लिए कंप्यूटर प्रणाली में सेंधमारी की। वहां से प्राप्त अंदरुनी सूचना का इस्तेमाल मुनाफे का व्यापार करने के लिए किया। क्लाइशिन (42) को 2021 में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया और तब से वह कारागार में है। उसे स्विट्जरलैंड में एक निजी विमान से पहुंचने पर गिरफ्तार किया गया था। सजा पूरी होने के बाद उसे रूस निर्वासित किए जाने की उम्मीद है। क्लाइशिन को जब अदालत में पेश किया गया तब उसके हाथ में हथकड़ी थी। वह अपने वकीलों के साथ एक मेज पर बैठा और हेडफ़ोन के माध्यम से एक दुभाषिया की बात सुन रहा था क्योंकि वकील सजा पर बहस कर रहे थे। अपने वकील की सलाह पर, उसने सजा सुनाने से पहले न्यायाधीश के समक्ष अपना पक्ष रखने से इनकार कर दिया।

टीडीबी-डीएसटीनेमेसर्स इकोरीसाइकलिंग लिमिटेडके 'रीसाइक्लिंग ऑन व्हील्स स्मार्टर' के लिए 6.00 करोड की मंजूरी दी

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रमुख ई-वेस्ट मैनेजमेंटकंपनी, इको रीसाइकलिंग लिमिटेड (बीएसई :530643)को उसकी अभूतपूर्व पहल 'रीसाइक्लिंग ऑन व्हील्स स्मार्टर' के लिए टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड (टीडीबी) के व्यूहात्मक सपोर्ट के मार्फत उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है. यह पहल सुरक्षित और सुनिश्चित ई-वेस्ट सॉल्यूशंस प्रदान करने में एक माइलस्टोन जैसी है। 97वें मन की बात एपिसोड के दौरान हाल के संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए उचित ई-वेस्ट डिस्पोजल के महत्व पर जोर दिया. इस विजन के साथ टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट बोर्ड ने 6.00 करोड का अपनाव्यूहात्मक वित्तीय सपोर्ट मेसर्स इको रीसाइकलिंग लिमिटेड के 'रीसाइक्लिंग ऑन व्हील्स स्मार्टर' प्रोजेक्ट को देने की घोषणा की है इस डेवलपमेंट पर बोलते हुए इको रीसाइकलिंग लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर,श्री बीके सोनी ने कहा, इको रीसाइकलिंग लिमिटेड 2005 से ई-वेस्ट मैनेजमेंट क्षेत्र में इनोवेशन में अग्रणी बन गई है.

राहतः सस्ते मिलेंगे चना, सेब, मसूर दाल; भारत ने आधा दर्जन अमेरिकी उत्पादों पर खत्म किया अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चना, दाल और सेब सहित लगभग आधा दर्जन अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क हटा दिया है। इससे अब यह वस्तुएं भारत में सस्ते भाव में उपलब्ध होंगे। इस शुल्क को 2019 में कुछ स्टील और एल्यूमीनियम उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के अमेरिका के फैसले के जवाब में लगाए गए थे। उस समय कुल 28 अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाए गए थे। यह कदम 9-10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की भारत यात्रा से पहले उठाया गया है। वित्त मंत्रालय ने 5 सितंबर को एक अधिसूचना में कहा, चना, दाल (मसूर), सेब, छिलके वाले अखरोट और ताजा या सूखे बादाम, छिलके वाले बादाम सहित अन्य उत्पादों पर शुल्क हटा दिया गया है। इन पर 10 से 20 फीसदी तक और 7 रुपये किलो से 20 रुपये किलो तक का शुल्क लगाया गया था। जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान दोनों देशों ने छह डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) विवादों को समाप्त करने और कुछ अमेरिकी उत्पादों पर प्रतिशोधात्मक शुल्क हटाने का फैसला किया था।

सोना-चांदी में तेजी ,सोना साढ़े 59 हजार और चांदी साढ़े 72 हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 106 रुपए चढ़कर 59,295 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,314 रुपए हो गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़त देखने को मिली है। ये 182 रुपए महंगी होकर 71,352 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 71,170 रुपए पर थी। केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार कुछ महीने हल्की राहत के बाद एक बार फिर महंगाई बढ़ने लगी है। इसे कम करने के लिए अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला जारी है। इस बीच शेयर बाजार तेजी के सारे रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में है। इससे सोने में निवेश की जमीन तैयार हो रही है।

हंगामा ने खजाना ए फेस्टिवल ऑफ ग़ज़ल की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। देश की अग्रणी डिजिटल मनोरंजन कंपनी हंगामा ने देश के सबसे बड़े ग़ज़ल कार्यक्रम खजाना ए फेस्टिवल ऑफ ग़ज़ल की घोषणा की है। इस कार्यक्रम का आयोजन 8 और 9 सितंबर 2023 को होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन और पेरेंट्स एसोसिएशन थैलेसीमिक यूनिट ट्रस्ट की सहायता कर गजल गायक भूपिंदर सिंह को श्रद्धांजली अर्पित की जाएगी। आप इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हंगामा ऐप या हंगामा सोशल मीडिया पेज पर देख सकते हैं। यह कार्यक्रम मुंबई के वर्ली इलाके में नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में होगा, जो देश के जाने-माने गजल उस्तादों की मौजूदगी में होगा। यह कार्यक्रमकार्यक्रम शाम 6 बजे शुरू होगा. 'खजाना' के साथ जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, हंगामा डिजिटल एंटरटेनमेंट के संस्थापक और एमडी, नीरज रॉय ने कहा, हंगामा डिजिटल का खजाना के साथ जुड़ाव काफी पुराना है। खज़ाना द्वारा ग़ज़ल को किसी उत्सव की तरह विश्व स्तर पर मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की वजह से हम दो अच्छे कार्यों में अपना योगदान दे सकेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन के पीछे एक सामाजिक उद्देश्य है।

कोरापुट जिले में काला जीरा चावल के जीआई टैग पर आपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के कोरापुट जिले में काला जीरा चावल के लिए जीआई टैग को लेकर विवाद ओडिशा के जयपोर में एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) ने कोरापुट के प्रसिद्ध काला जीरा चावल को औपचारिक रूप से जीआई टैग देने के संबंध में भौगोलिक संकेतक (जीआई) अधिकारियों की ओर से जारी किए गए एक हालिया विज्ञापन पर आपत्ति जताई है। काला जीरा चावल को चावल के राजकुमार नाम से जाना जाता है। एमएसएसआरएफ ने तर्क दिया कि जैविक श्री किसान उत्पादक कंपनी (जेएसएफपीसी) के रूप में पहचानी गई एक निजी कंपनी द्वारा जीआई टैग के लिए आवेदन संभावित रूप से स्थानीय किसानों को लाभ से बाहर कर सकता है। यह आरोप इस विश्वास पर आधारित है कि एक बार जीआई टैग दिए जाने के बाद, आवेदक कंपनी के पास काला जीरा चावल की खेती और विपणन करने का विशेष अधिकार होगा, जिससे जिले के अन्य किसानों की पहुंच नहीं होगी। उन्होंने कहा, काला जीरा चावल कोरापुट जिले का एक विशेष उत्पाद है और जीआई टैग के लिए आवेदन सरकारी एजेंसी द्वारा किया जाना है, न कि किसी निजी संगठन द्वारा। एक बार जब किसी निजी संगठन को जीआई टैग मिल जाता है तो आवेदक कंपनी एकमात्र लाभार्थी होगी क्योंकि उसे इसकी खेती के अधिकार मिलेंगे, जिससे किस्म उगाने में शामिल किसानों को नुकसान होगा।

अंकुर वर्मा, तन्वी डोगरा और अंचल साहू ने कलर्स के 'परिणीति' के 500 एपिसोड पूरे होने का जश्न मनाया

मुंबई, एजेंसी। प्यार, धोखे और अप्रत्याशित ट्विस्ट ने छोटे पर्दे पर अपना जादू चला दिया है क्योंकि कलर्स का लोकप्रिय शो 'परिणीति' 500 एपिसोड की प्रभावशाली उपलब्धि तक पहुंच गया है। अपनी प्रभावशाली कहानी से दर्शकों का पसंदीदा बनते हुए, यह शो शादी और दोस्ती की पेचीदगियों को प्रदर्शित करता है, और परिणीत (अंचल साहू), नीति (तन्वी डोगरा) और राजीव (अंकुर वर्मा) की आपस में जुड़ी नियति की कहानी सामने लाता है। इस उलझे हुए जाल के बीच, बेस्ट फ्रेंड परिणीत और नीति को एक चौंकाने वाली बात पता चलती है और उन्हें एहसास होता है कि उन दोनों ने एक ही आदमी संजू उर्फ राजीव से शादी की है, जिससे शो में एक बहुत ही जटिल प्रेम त्रिकोण बनता है। चूंकि शो 500 एपिसोड पूरे करने की इस अविश्वसनीय उपलब्धि का जश्न मना रहा है, यह दर्शकों को मनोरंजक कहानियों के सप्ताह में डुबोने के लिए तैयार है।

रियलमी ने नार्जो 60एक्स 5जी और 30 डेसिबल एक्टिव नॉइज कैंसलेशन के साथ रियलमी बड्स टी300 लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने अपने स्मार्टफोन और एआईओटी पोर्टफोलियो में रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी और रियलमी बड्स टी300 पेश किए हैं। ये दोनों रियलमी में इनोवेशन की विरासत के अनुरूप यूजर्स को बेजोड़ अनुभव प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। 5जी स्पीड के साथ रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी भारतीय युवाओं की मांग और इच्छाओं को पूरा करने और नैक्स्ट-जेन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूत करने के लिए पेश किया गया है। जबकि रियलमी बड्स टी300 में अत्याधुनिक डिजाइन और शानदार साउंड क्वालिटी के साथ यूजर्स को सबसे शानदार ऑडियो अनुभव मिलता है।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, रियलमी में हम अपनी सीमाओं का विस्तार करने और यूजर्स को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपनी डेयर टू लीप की

भावना के साथ, हम दो शानदार उत्पाद-रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी और रियलमी बड्स टी300 लेकर आये हैं, जो हमारे इस उद्देश्य के अनुरूप हैं। रियलमी नार्जो सीरीज ग्राहकों को बहुत पसंद आयी है, और भारत में 14 मिलियन यूजर्स इस सीरीज के स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। इस सीरीज में स्मार्टफोन का निरंतर विकास करते हुए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव डिजाइन पेश किए गए हैं, ताकि यूजर्स अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति करते हुए टेक्नोलॉजी के मामले में सबसे आगे रह सकें। हमें विश्वास है कि इन दो नए लॉन्च के साथ भारतीय 5जी स्मार्टफोन और एआईओटी के बाजार में रियलमी की स्थिति और ज्यादा मजबूत हो जाएगी।

अगले 5जी स्पीड फ्रंटियर, रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी में शानदार कैमरा, तीव्र चार्जिंग, शक्तिशाली बैटरी, आकर्षक डिजाइन, स्लिम फॉर्म फैक्टर, एक शक्तिशाली 5जी चिपसेट, मल्टीटास्किंग के लिए पर्याप्त रैम और विशाल स्टोरेज क्षमता है। इसमें 50मेगापिक्सल का एआई कैमरा है, जिसकी मदद से यूजर्स अपनी रचनात्मकता की पूरी अभिव्यक्ति कर सकते हैं। 5000एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 33वॉट सुपरवूक चार्जिंग सॉल्यूशन द्वारा यह स्मार्टफोन केवल 29 मिनट में 50: तक चार्ज हो जाता है। रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी में तेज डेटा स्पीड और सुगम ऑनलाइन अनुभव के लिए मीडियाटेक डाइमेन्सिटी 6100 5जी चिपसेट दिया गया है। यह स्मार्टफोन 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज के साथ 6जीबी तक के अतिरिक्त डायनामिक रैम विकल्प के साथ आता है, ताकि यूजर्स सुगमता और आसानी से मल्टीटास्किंग कर सकें और एक साथ कई ऐप चलाकर अलग-अलग टास्क में स्विच कर सकें। 7.89 मिमी अल्ट्रा-स्लिम बॉडी के साथ इंटरस्टेलरएक्स डिजाइन इसे सबसे ख़ास बनाता है, और इसे पकड़ना एवं जेब में साथ लेकर चलना बहुत ही आरामदायक है। रियलमी नार्जो 60एक्स 5जी दो आकर्षक रंगों - स्टेलर ग्रीन और नेबुला पर्पल एवं दो स्टोरेज वैरिएंट में उपलब्ध है, जिनका मूल्य 12,999 रुपए (4जीबी128जीबी) और 14,999 रुपए (6जीबी128जीबी) है।

रियलमी बड्स टी300 यूजर्स को शानदार और इमर्सिव ऑडियो अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन बड्स में हाई क्वालिटी 12.4 मिमी डायनामिक बेस ड्राइवर और 360ए स्पेसियल ऑडियो इफेक्ट हैं, जो संगीत की विभिन्न शैलियों में बेहतरीन और गहरा बेस और स्पष्ट एवं विस्तृत ऑडियो के साथ शानदार साउंड क्वालिटी प्रदान करते हैं। इसमें 30डेसिबल एक्टिव नॉइज कैंसेलेशन टेक्नोलॉजी है।

एथर एनर्जी ने हीरो मोटोकॉर्प और जीआईसी से 900 करोड़ रुपये एकत्रित किए

मुंबई, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रिक स्कूटर पर केंद्रित अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों में से एक, एथर एनर्जी ने राइट्स इश्यू की मदद से अपने वर्तमान शेयरधारकों हीरो मोटोकॉर्प और जीआईसी से 900 करोड़ रुपए एकत्रित किए हैं। इस फंड का उपयोग एथर अपने नए उत्पाद लॉन्च करने एवं अपने चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिटेल नेटवर्क का विस्तार करने के लिए करेगा। एथर ने वित्तवर्ष 2023 में काफ़ी तेज़ी से वृद्धि की है। वित्तवर्ष 2023 में कंपनी का राजस्व बढ़कर 1,783 करोड़ रुपए हो गया है, जो वित्तवर्ष 2022 में 408 करोड़ रुपए से 4.4 गुना ज़्यादा है। एथर ने रिटेल में भी तेज़ी से विस्तार किया है, और आज इसके पास पिछले साल 30 स्टोर के मुक़ाबले 4 गुना ज़्यादा, यानि 130 स्टोर हैं।

यूएस ओपन

कोको गॉफ महिला एकल के फाइनल में

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कोको गॉफ ने पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन के कारण पड़े व्यवधान और करोलिना मुचोवा की कड़ी चुनौती से पार पाकर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। फ्लोरिडा की रहने वाली 19 वर्षीय गॉफ ने चेक गणराज्य की 27 वर्षीय मुचोवा को 6-4, 7-5 से हराकर पहली बार फ्लशिंग मीडोज में फाइनल में जगह बनाई।

फ्रेंच ओपन 2022 की उपविजेता गॉफ ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच छठे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। अमेरिका की खिलाड़ी दूसरे सेट में 5-3 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस कर रही थी। उन्होंने तब पहला मैच प्वाइंट गंवाया। गॉफ इस बीच दर्शकों से और समर्थन की अपील करती रही और आखिर में मुचोवा को हराने में सफल रही। वह पिछले 22 वर्षों में फ्लशिंग मीडोज में फाइनल में पहुंचने वाली पहली अमेरिकी किशोरी हैं। उनसे पहले 2001 में सेरेना विलियम्स ने यह मुकाम हासिल किया था। गॉफ ने मैच के बाद कहा कि मैं इस टूर्नामेंट को देखते हुए बड़ी हुई हूं, इसलिए फाइनल में जगह बनाना मेरे लिए काफी मायने रखता है। यह जश्न का समय है लेकिन अभी काम पूरा नहीं हुआ है और उम्मीद है कि शनिवार को होने वाले फाइनल में आप सभी मेरा समर्थन करने के लिए आएंगे। वह पहला सेट जीतने के बाद जब दूसरे सेट में 1-0 से आगे चल रही थी तो चार प्रदर्शनकारियों ने खेल में बाधा डाली। इन चारों को गिरफ्तार करके बाहर कर दिया गया। इस कारण लगभग 50 मिनट तक खेल रुका रहा और इस बीच दोनों खिलाड़ियों ने लॉकर रूम में समय बिताया।

शुभंकर शर्मा को आयरिश ओपन के पहले दौर में एकल बढ़त

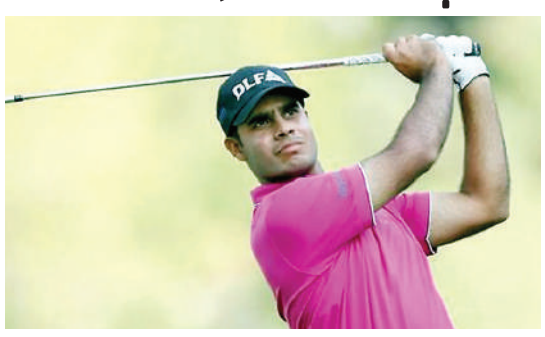

किल्डारे (आयरलैंड) (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने 2023 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 65 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर के बाद एकल बढ़त हासिल की। शुभंकर ने एक ईगल और पांच बर्डी जमाई और इस बीच कोई बोगी नहीं की। वह अभी तक इस साल दो प्रतियोगिताओं में शीर्ष 10 में शामिल रहे हैं। यह 27 वर्षीय खिलाड़ी ' रेस टू दुबई' में अभी 65वें स्थान पर है और दुबई में नवंबर में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए उन्हें शीर्ष 50 में जगह बनानी होगी। आयरिश ओपन में खेल रहे एक अन्य भारतीय मनु गंडास ने पहले दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 104वें स्थान पर हैं। उन्हें कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

एशियाई टेबल टेनिस

सुतीर्था ने अपने से बेहतर रैंकिंग की खिलाड़ी को हराया

प्योंगचांग (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारत की सुतीर्था मुखर्जी ने अपने से अधिक रैंकिंग की खिलाड़ी जु यू चेन को हराकर एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप के महिला एकल के अगले दौर में प्रवेश किया।

दुनिया के 104वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने चीनी ताइपे की 40वीं रैंकिंग वाली चेन के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करके 10-12, 11-8, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की। भारत की चोटी की खिलाड़ी मनिका बत्रा ने हालांकि थाईलैंड की जिन्निपा सॉवेटा को वॉकओवर दे दिया।

यूएस ओपन 2023

43 साल के रोहन बोपन्ना ने यूएस ओपन में रचा इतिहास

- ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुँचकर भारत का नाम किया रोशन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारत के स्टार टेनिस प्लेयर रोहन बोपन्ना इस वक्त सुर्खियों में बने हुए हैं। इसकी वजह है कि रोहन ने जारी यूएस ओपन में इतिहास रच दिया है। बोपन्ना ग्रैंडस्लैम फाइनल नें पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन ने पियरे-ह्यूजेस हर्बर्ट और निकोलस माहुत की फ्रांसीसी जोड़ी को 7-6 (3), 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। यह सेमीफाइनल मुकाबला 1 घंटे 34 मिनट तक चला। हालांकि 43 और 6 महीने के रोहन बोपन्ना ने उम्र को एक नंबर साबित करते हुए यूएस ओपन के फाइनल में अपनी जगह बना ली। हालांकि अगर आप इस महान भारतीय खिलाड़ी के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं, तो आइये हम आपको इनके बारे में विस्तार से बताते हैं।

1980 में हुआ था रोहन बोपन्ना का जन्म- रोहन बोपन्ना का जन्म 4 मार्च 1980 में बेंगलुरु में हुआ था। बोपन्ना ने 11 साल की उम्र से टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। उनके पिता एम.जी बोपन्ना चाहते थे कि वह कोई इंडिविजुअल स्पोर्ट खेलें। हालांकि रोहन को फुटबॉल और हॉकी जैसे खेलों में भी दिलचस्पी थी। लेकिन 19 साल की उम्र आते-आते टेनिस ही रोहन के लिए प्राथमिकता बन गया। बता दें कि स्टार टेनिस खिलाड़ी के पिता एम.जी बोपन्ना एक कॉफी प्लांटर हैं जबकि उनकी मां मलिका बोपन्ना हाउसवाइफ हैं। रोहन की एक बड़ी बहन भी है जो मुंबई में रहती है। रोहन बोपन्ना ने अपनी पढ़ाई श्री भगवान महावीर जैन कॉलेज से की है, जोकि जैन यूनिवर्सटी के अंदर आता है। यह यूनिवर्सिटी बेंगलुरु की ही है।

रोहन बोपन्ना का ऐसा रहा करियर- रोहन बोपन्ना की हाइएस्ट करियर रैंकिंग सिंगल्स में 213 (2007) और डबल्स में 3 (2013) रह चुकी है। बोपन्ना ने 2007 में डबल्स के लिए ऐसाम-उल-हक कुरेशी के पार्टनर बने थे। इस जोड़ी को इंडोपाक एक्सप्रेस के नाम से भी जाना जाता था। दोनों ने चार चैलेंजर टाइटल जीते। हालांकि 2010 का सीजन ही था जब वह टॉप 10 डबल टीम में रहे। उस साल वह विंबलडन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे, यूएल ओपन समेत पांच एटीपी टूर इवेंट्स के रनर्स अप रहे। इसके अलावा उन्होंने जोहानसबर्ग ओपन का खिताब अपने नाम किया। बोपन्ना ग्रैंडस्लैम जीतने वाले चौथे भारतीय प्लेयर हैं। उन्होंने अब तक अपने करियर में कुल 24 टाइटल जीते हैं। रोहन के फेवरेट खिलाड़ी स्टीफन एडबर्ग हैं।

रोहन बोपन्ना ने सुप्रिया अन्निया से की शादी- रोहन बोपन्ना ने 2012 में सुप्रिया अन्निया से शादी रचाई थी। दोनों की लव मैरेज है। 2010 से रोहन और सुप्रिया ने एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था। बता दें कि सुप्रिया, रोहन के कजन भाई की दोस्त थी। हालांकि अब रोहन और सुप्रिया की बेटी भी है जिसका नाम त्रिधा बोपन्ना है। रोहन की पत्नी सुप्रिया पेशे से साइकोलॉजिस्ट हैं।

एशियन गैम्स 2023 की तैयारी

पुणे में प्रैक्टिस सेशन में जुटे रुतुराज गायकवाड़

पुणे (एजेंसी)। एशियन गेम्स के लिए भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने पुणे, महाराष्ट्र में एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। गायकवाड़ ने अपने बल्लेबाजी प्रैक्टिस का एक वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया। गायकवाड़ आगामी हांग्जो एशियन गेम्स में अपने पहले अभियान में टीम इंडिया का नेतृत्व करने वाले हैं। एशियन गेम्स इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2023 तक चीन में होंगी। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी हिस्सा नहीं लेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में दमदार प्रदर्शन के बाद रिंकू सिंह को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अपने शानदार आईपीएल प्रदर्शन के दम पर विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा और प्रभसिमरन सिंह ने भी टीम में जगह बनाई। गायकवाड़ ने चेन्नई सुपर किंग्ग के लिए 16 मैचों में 590 रन बनाए, जबकि जितेश और रिंकू ने पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए क्रमशः 309 और 474 रन बनाए हैं।

रुतुराज गायकवाड़ को एशियन गेम्स में भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि यशस्वी जयसवाल, जो इस समय शानदार फॉर्म में हैं और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट खेल रहे हैं, को टीम में जगह मिली है।

शिवम दुबे जो आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के मध्य क्रम की बल्लेबाजी (सीएसके) की रीढ़ थे, उन्हें एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया गया है।

एशियाई खेलों के लिए टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) टीम-रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, अवेश खान, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार, शिवम मावी, शिवम दुबे और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

खिलाड़ियों की स्टैंडबाय सूची - यश ठाकुर, साई किशोर, वेंकटेश अय्यर, दीपक हुडा और साई सुदर्शन।

लियोनेल मेस्सी ने फ्री किक पर गोल करके अर्जेंटीना को दिलाई जीत

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। लियोनेल मेस्सी के दूसरे हाफ में फ्री किक पर किए गए गोल की मदद से विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाइंग के अपने पहले मैच में इक्वाडोर को 1-0 से हराया। अर्जेंटीना के 36 वर्षीय कप्तान ने लगभग 83 हजार दर्शकों के सामने 78वें मिनट में यह महत्वपूर्ण गोल किया जिससे उनकी टीम अपने अभियान का जीत से शुरुआत करने में सफल रही।

मेस्सी का यह 176 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 104वां गोल है। विश्व कप क्वालीफाइंग मैचों में यह उनका 29वां गोल है जिससे उन्होंने उरूग्वे के लुई सुआरेज के रिकॉर्ड की बराबरी की। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग के अन्य मैचों में कोलंबिया ने राफेल सैंटोस बोर्रे के 46वें मिनट में हेडर से किए गए गोल की मदद से वेनेजुएला को 1-0 से हराया। पराग्वे और पेरू के बीच मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा।

एशिया कप 2023

कोलंबो में बारिश के आसार, भारत-पाक मैच के लिए होगा रिजर्व डे

कोलंबो (एजेंसी)। मौसम के मौजूदा मिजाज को देखते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद ने भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार 10 सितंबर को यहां होने वाले एशिया कप सुपर चार मैच के लिए सुरक्षित दिन (रिजर्व डे) रखने का फैसला किया है। हालांकि श्रीलंका में होने वाले सुपर-4 के अन्य मैचों के लिए सुरक्षित दिन नहीं रखा गया है। इसका मतलब है कि अगर भारत और पाकिस्तान के बीच इस मैच में बारिश खलल डालती है तो अगले दिन खेल वहीं से शुरू होगा जहां पर उसे रोका गया था।

एसीसी ने बयान में कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 10 सितंबर 2023 को होने वाले एशिया कप सुपर चार मैच के लिए एक सुरक्षित दिन रखा गया है। बयान के अनुसार- अगर खराब मौसम के कारण भारत और पाकिस्तान के मैच को रोका जाता है तो फिर 11 सितंबर को खेल वहीं से शुरू होगा जहां पर उसे रोका गया था।

एशिया कप का फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा जिसके लिए पहले ही सुरक्षित दिन की व्यवस्था कर दी गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच लीग चरण का मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

वर्ल्ड कप 2023

वर्ल्ड कप के पहले मैच में अंपायरिंग करेंगे नितिन मेनन

आईसीसी ने जारी की टूर्नामेंट के लिए अंपायर्स की लिस्ट

दुबई (एजेंसी)। भारत के नितिन मेनन और श्रीलंका के कुमार धर्मसेना पांच अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले वर्ल्ड के पहले मैच में मैदानी अंपायर की भूमिका निभाएंगे। जिम्बाब्वे के एंडी पाइक्रॉफ्ट मैच रेफरी होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आईसीसी के अनुसार अहमदाबाद में होने वाले टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पॉल विल्सन टीवी अंपायर और शरफुद्दौला इब्ने शैद चौथे अंपायर की भूमिका निभाएंगे।

वर्ल्ड कप में कुल 16 अंपायर- विश्व कप में कुल 16 अंपायर अपनी सेवाएं देंगे। इनमें आईसीसी के एमिरेट्स एलीट पैनल के सभी 12 अंपायर और आईसीसी इमर्जिंग अंपायर पैनल के चार सदस्य शामिल हैं।लॉर्ड्स में विश्वकप 2019 के फाइनल के लिए नियुक्त किए गए चार अंपायरों में से तीन - धर्मसेना, मराइस इरास्मस और रॉड टकर इस सूची में शामिल हैं। केवल अलीम दार इस सूची में शामिल नहीं है। उन्होंने इस साल मार्च में एलीट पैनल से इस्तीफा दे दिया था।

आईसीसी एलीट पैनल के चार मैच रेफरी जेफ क्रो, एंडी पाइक्रॉफ्ट, रिची रिचर्डसन और श्रीनाथ विश्व कप में अपनी सेवाएं देंगे। लीग चरण के सभी मैचों के लिए अंपायर और मैच रेफरी की घोषणा कर दी गई है। सेमीफाइनल और फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा बाद में की जाएगी।

विश्व कप के लिए नियुक्त किए गए अंपायर इस प्रकार हैं- क्रिस ब्राउन, कुमार धर्मसेना, मराइस इरास्मस, क्रिस गैफनी, माइकल गॉफ, एड्रियन होल्डस्टॉक, रिचर्ड इलिंगवर्थ, रिचर्ड केटलबोरो, नितिन मेनन, अहसान रजा, पॉल रिफेल, शरफुद्दौला इब्ने शैद, रॉड टकर, एलेक्स व्हार्फ, जोएल विल्सन और पॉल विल्सन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलते दिखे धोनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। मौजूदा यूएस ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में टेनिस मैच का आनंद लेने के एक दिन बाद भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ गोल्फ खेलते देखा गया। दुबई स्थित उद्यमी हितेश सांघवी ने न्यू जर्सी में ट्रम्प नेशनल गोल्फ क्लब बेडमिंस्टर में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ गोल्फ खेल रहे धोनी की एक तस्वीर साझा की। संघवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा- महेंद्र सिंह धोनी, डोनाल्ड ट्रंप और राजीव के साथ गोल्फ। हमारी मेजबानी करने के लिए धन्यवाद राष्ट्रपति महोदय।

बता दें कि बीते दिन ही धोनी को कार्लोस अलकराज और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच यूएस ओपन पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल मैच में

उपस्थिति में देखा गया था। इस साल की शुरुआत में, धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 5वां आईपीएल खिताब दिलाया था। फाइनल मुकाबले में चेन्नई ने गुजरात टाइटंस को हराया था। इस दौरान धोनी बाएं घुटने में समस्या से ग्रस्त दिखे थे।

आईपीएल के बाद धोनी ने अपने घुटने की सर्जरी करवाई जोकि मुंबई के एक अस्पताल में दिनशॉ पारदीवाला ने की। धोनी के फैंस को उम्मीद है कि उनका चेहता क्रिकेटर आईपीएल 2024 में एक बार फिर से चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधत्व करने उतरेगा। 2023 के आईपीएल फाइनल के बाद धोनी ने कहा था कि वह प्रशंसकों के लिए कम से कम एक और सीज़न के लिए वापसी करेंगे, अगर उनका शरीर अनुमति देगा।

हमेशा अपनी मां की बात सुनें... दक्षिण अफ्रीका पर जीत हासिल कर मार्नस लाबुशेन ने की भावुक पोस्ट

ब्लोमफोंटेन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में मैच विजेता अर्धशतक बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ एक दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया। इसमें वह अपनी मां के साथ दिख रहे हैं। मार्नस को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने क्रिकेट विश्व कप मके लिए अपनी टीम में शामिल नहीं किया है। इस बीच उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया। वह प्लेइंग 11 में नहीं थे। लेकिन कैमरून ग्रीन के चोट लगने के बाद वह टीम में आ गए। दक्षिण अफ्रीका ने पहले खेलते हुए टेम्बा बावुमा के 114 रनों की बदौलत 222रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 100 रन पर पांच विकेट गंवा लिए थे। लेकिन इसके बाद लाबुशेन ने अर्धशतक लगकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

मैच के बाद लाबुशेन ने अपनी मां के साथ एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं। लाबुशेन ने मैच के बाद कहा था- क्या रोलरकोस्टर है। यह अजीब बात है। मेरी मां कल रात इस बात पर अड़ी थीं कि मैं खेलूंगा लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं टीम में नहीं हूं। मेरे साथ कुछ अजीब चीजें हुई हैं। उन्होंने पोस्ट पर लिखा- हमेशा अपनी मां की बात सुनें। जब मैं यहां आया तो मैं इस बात पर अड़ा हुआ था कि मैं यह खेल खेलने जा रहा हूं और मैंने उनसे कहा- मैंने टीम देखी है, मां, मैं टीम में नहीं हूं। उसे बस एक एहसास था और एक बार फिर वह सही है।

लाबुशेन ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर किए जाने पर उन्हें ज्यादा झटका नहीं लगा और उन्हें समझ आ गया कि उन्हें क्यों बाहर किया गया। लाबुशेन बोले- जब मैं एशेज से वापस आया, तो मैं ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस गया और वास्तव में सोचा कि मैं अपने वनडे खेल में क्या सुधार करना चाहता हूं। मैं अब भी वैसा ही व्यक्ति बनना चाहता हूं जोकि मध्य क्रम में अच्छी बल्लेबाजी करे। मुझे बस अपने अवसर का इंतजार करना होगा और जब यह मिलेगा मुझे तैयार रहना है। बता दें कि लबुछेन ने 2022 के बाद से वनडे के 18 मैचों में 30.26 की औसत से सिर्फ 454 रन बनाए हैं।

मैच की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका 49 ओवर में 222 रन ही बना सकी थी। टेम्बा बावुमा ने 114 रन बनाकर यह संभव कर दिखाया। जोश हेज़लवुड (3/41) और मार्कस स्टोइनिस (2/20) ने बेहतरीन गेंदबाजी की। 223 रनों का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया एक समय 113/7 पर थी लेकिन लाबुशेन (93 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 80*) और एश्टन एगर (48) के बीच 112 रन की साझेदारी हुई और टीम को विजय मिल गई।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के मौसम में श्वसन प्रणाली को स्वस्थ रखें: डॉ. अमित सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। बारिश का मौसम आने के साथ अस्थमा पीड़ितों के लिए श्वास संबंधी अनेक समस्याएँ शुरू हो जाती हैं। बदलता मौसम नमी, फफूंदी, ठंडी हवा और वायरल संक्रमण जैसे कई ट्रिगर्स लेकर आता है, जिससे अस्थमा के लक्षण बिगड़ सकते हैं और सांस फूलने एवं घरघराहट के साथ अस्थमा का दौरा पड़ सकता है। आँधी-तूफ़ान के बाद शोधकर्ताओं ने एक्यूट ब्रोंकोस्पैज़्म (जिसमें फेफड़ों में साँस की नली कठोर हो जाती है) सहित अस्थमा के मामलों में काफ़ी वृद्धि दर्ज की है, जिसके कारण एक नये शब्द थंडरस्टॉर्म अस्थमा की शुरुआत हो गई है। डॉ. अमित सिंह, चेस्ट फिजिशियन, भोपाल ने कहा, अस्थमा एक क्रोनिक इनफ़्लेमेटरी समस्या है। इस स्थिति में एलर्जन या किसी अन्य ट्रिगर के ज़्यादा संपर्क में आने पर पहले से सूजी हुई साँस की नली में ऐंठन आ जाती है, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इसलिए यह जरूरी है कि अस्थमापीड़ित और उनके परिवार अस्थमा के बिगड़ते लक्षणों को शुरुआत में ही पहचान लें, और तुरंत उसका इलाज कर दैनिक जीवन पर इस बीमारी के प्रभाव को कम कर सकें। अस्थमा पीड़ितों को अपनी बीमारी पर नियंत्रण पाने और सुगमता से मौसम के अनुकूल ढलने के लिए डॉक्टर के परामर्श से सही इलाज कराना और इनहेलर का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। इनहेलेशन उपकरण द्वारा दवाई सीधे साँस की नली और फेफड़ों में पहुँचती है, इसलिए दवा की कम खुराक की आवश्यकता होती है, और उसके साइड इफ़ेक्ट्स भी कम होते हैं, जिससे इस गंभीर बीमारी के लक्षणों का प्रभावी प्रबंधन हो पाता है। व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वच्छ परिवेश बनाये रखें। अपने आसपास के परिवेश को साफ-सुथरा और हवादार बनाकर रखें। बारिश से पहले एसी की क्लीनिंग करा लें, कपड़ों को ड्रायर या बाहर की हवा में सुखाकर रखें, समय-समय पर हाथ धोते रहें, बाहर निकलने पर चेहरे पर मास्क लगा लें, तथा एलर्जी या वायरल संक्रमणों जैसे ट्रिगर्स का जोखिम कम करने के लिए आंधी-तूफ़ान के समय घर के अंदर रहें।

बिहार में नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम, 2 शक्तिशाली केन आईईडी बम बरामद

मुंगेर, एजेंसी। बिहार के मुंगेर जिला के लड़ैयाटांड़ थाना क्षेत्र के जंगली इलाके में सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षा बलों ने सड़क पर बिछाकर रखे शक्तिशाली केन आईईडी बम बरामद को बरामद कर लिया। मुंगेर के पुलिस अधीक्षक जे. जलारेड्डी ने बताया कि गुरुवार को एक सूचना के तहत कारवाई करते हुए पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने नक्सल विरोधी अभियान जंगली इलाकों में चलाया गया। इस दौरान पैसरा और न्यू पैसरा सड़क पर बिछाकर रखे गए दो शक्तिशाली केन आईईडी बम को बरामद किया गया। बरामद एक केन आईईडी बम 12 किलोग्राम का और दूसरा केन आईईडी बम 18 किलोग्राम का था। पुलिस का मानना है कि यह सुरक्षा बलों के काफिला को उड़ाने की नीयत से नक्सलियों ने बिछाकर रखा होगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बरामद आईईडी को बम निरोधी दस?ते ने निष्क्रिय कर दिया है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

भारत वापस आ रहा है छत्रपति शिवाजी का वाघ नख, इसी से ढेर हुआ था अफजल खान

मुंबई, एजेंसी। वीर छत्रपति शिवाजी का खंजर वाघ नख वापस भारत आने के लिए तैयार है। खबर है कि महाराष्ट्र सरकार इस महीने लंदन पहुंचेगी, जहां एमओयू पर दस्तखत किए जाएंगे। माना जा रहा है कि वाघ नख की इस साल ही घर वापसी हो सकती है। खास बात है कि शिवाजी ने इस खंजर से ही बीजापुर सल्तनत के अफजल खान का 1659 में कत्ल कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार में संस्कृति मंत्री सुधीर मुगंटीवार इस महीने लंदन की यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें ब्रिटेन के अधिकारियों से पत्र मिला है, जहां उन्होंने कहा है कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज के वाघ नख को लौटाने के लिए तैयार हैं। हिंदू कैलेंडर के आधार पर हम इसे उस दिन की सालगिरह पर भी हासिल कर सकते हैं, जिस दिन शिवाजी ने अफजल खान को मार दिया था। उन्होंने कहा, कुछ और तारीखों को लेकर भी विचार जारी है। साथ ही वाघ नख को वापस लाने के साधनों पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, एमओयू साइन करने के अलावा हम शिवाजी की जगदंबा तलवार समेत अन्य चीजों को भी देखेंगे, जो फिलहाल ब्रिटेन में प्रदर्शित की जा रही हैं। सच्चाई यह है कि वाघ के पंजों का वापस आना महाराष्ट्र और उसकी जनता के लिए बड़ा कदम है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, अफजल खान के मारे जाने की तारीख 10 नवंबर है, लेकिन हम हिंदू तिथि कैलेंडर के आधार पर तारीखों पर भी काम कर रहे हैं। इस खंजर का आगे का हिस्सा बेहद नुकीला है, जो देखने में वाघ के नाखूनों की तरह लगता है। साथ ही इसमें दो रिंग भी शामिल हैं, जिसकी मदद से इसे शिवाजी ने पहना था और खान को मार गिराया था।

कर्नाटक में भाजपा को मिला साथी, जेडीएस के साथ लड़ सकती है चुनाव

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी को नया चुनावी साथी मिलने के संकेत हैं। खबर है कि पार्टी दक्षिण भारतीय राज्य में जनता दल (सेक्युलर) के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर दोनों ही दलों ने कुछ नहीं कहा है। खबर है कि हाल ही में जेडीएस प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि देवगौड़ा ने राज्य की 5 सीटों पर जेडीएस उम्मीदवार उतारने का प्रस्ताव रखा है।

मराठा आंदोलन अब भी जारी, नेता चाहते हैं जीआर में बदलाव

मुंबई, एजेंसी। जालना (महाराष्ट्र)। मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठों को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने को लेकर महाराष्ट्र सरकार की ओर से जीआर प्रकाशित किए जाने के कुछ घंटों बाद प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार को अपना आंदोलन जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि वे इसमें कुछ बदलाव चाहते हैं। निज़ाम-युग के राजस्व या शिक्षा दस्तावेज हैं।पिछले 10 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे मराठा नेता मनोज जारांगे-पाटिल ने गुरुवार दोपहर को प्रकाशित सरकारी प्रस्ताव में कुछ बदलावों का सुझाव दिया है।

काशी विश्वनाथ धाम में टूटे चढ़ावे के सारे रिकॉर्ड

सावन में 5 गुना ज्यादा दान

काशी, एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ कॉरीडोर ने न केवल श्री काशी विश्वनाथ धाम को एक नव्य और भव्य आभा से अलंकृत किया है, बल्कि श्रद्धालुओं को भी ऐसा मोहित किया कि देश-दुनिया से बाबा भोलेनाथ के भक्त बरबस ही खिंचे चले आ रहे हैं। योगी सरकार द्वारा वाराणसी में की गई उत्तम व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित दर्शन उपलब्ध कराने के संकल्प का परिणाम यह है कि पूरे देश में काशी धार्मिक पर्यटन के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। आज काशी धार्मिक पर्यटन के लिहाज से देश में मोस्ट फेवरेट डेस्टिनेशन बनकर उभरा है।

यही कारण है कि भगवान शिव की अराधना को समर्पित श्रावण मास में यहां इस वर्ष सभी रिकॉर्ड धराशायी हो गए। इस वर्ष श्रावण माह में कुल 1,63,17,000 भक्तों ने बाबा भोलेनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इतना ही नहीं, श्रद्धालुओ ने दिल खोलकर बाबा पर खूब चढ़ावा भी चढ़ाया। पिछले सावन के मुकाबले इस वर्ष सावन में बाबा को भक्तों ने 5 गुना ज्यादा चढ़ावा है।

मंदिर न्यास की ओर से श्रद्धालुओं को दी जा रही हैं तमाम सुविधाएं मुख्य कार्यपालक

अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि लोकार्पण के बाद मंदिर न्यास द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधाओं में लगातार बेहतरी का प्रयास किया गया है। पेयजल, छाया की व्यवस्था, मैट अन्य मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा दर्शनार्थियों व पर्यटकों की बेहतर व्यवस्था करने के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था में 50 कर्मचारी कार्यरत हैं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम की नई आभा पूरे विश्व में बिखरने लगी है। दुनिया भर के सनातनी इस धाम की आभा में काशी खिंचे चले आ रहे है और श्रद्धा भाव से दान-पुण्य कर रहे है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने जानकारी दी कि 2023 के श्रावण माह में कुल 16.89 करोड़ रुपए का चढ़ावा आया है। जबकि 2022 के सावन महीने में 3,40,71,065 करोड़ रुपए का चढ़ावा आया था।

प्रियंका गांधी की 10 सितंबर को टोंक जिले के निवाई में सभा, इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 10 सितंबर को टोंक जिले के निवाई में सभा करेंगीं। कांग्रेस प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियों में जुट गई है। प्रियंका गांधी सभा से पहले निवाई के झिलाई गांव के विवेकानंद मॉडल स्कूल में इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग होगी। इस योजना की लॉन्चिंग प्रियंका गांधी से करवाई जाएगी। इसके बाद प्रियंका गांधी सभा को संबोधित करेंगी। निवाई की सभा में सीएम अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मंत्री मौजूद रहेंगे। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के दौरे की तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रियंका गांधी की सभा में भीड़ जुटाने के लिए टोंक, जयपुर और दौसा के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

अब तक शहरों में आठ रुपए में खाने की योजना चल रही है। गहलोत ने गांवों में भी इंदिरा रसोई का सस्ता खाना उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। इसे इंदिरा रसोई योजना ग्रामीण के नाम से चलाया जाएगा। चुनावी साल में कस्बों ओर गांवों में आठ रुपए में खाने की

योजना को सियासी फायदे के हिसाब से अहम माना जा रहा है।गहलोत सरकार महिला वोटर्स को फोकस कर रही है। 25 लाख महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन दे रही है। महिलाओं के लिए इंदिरा प्रियदर्शनी फंड, फ्री राशन सहित कई योजनाएं शुरू की हैं। कांग्रेस इन योजनाओं के जरिए अब विधानसभा चुनावों में महिला वोटर्स को मैसेज देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है। प्रियंका गांधी की सभा और इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग के पीछे यही रणनीति है। प्रियंका गांधी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में शुरू से सक्रिय प्रचार करती रही हैं। कर्नाटक, हिमाचल के चुनावों में प्रियंका गांधी ने जमकर चुनावी सभाएं की थी। अब राजस्थान में भी प्रियंका की सभाओं की शुरुआत हो रही है। विश्व आदिवासी दिवस पर राहुल गांधी की सभा करवाई गई थी। कांग्रेस ने भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में 6 सितंबर को पार्टी अध्यक्ष मल्किार्जुन खड़गे की सभा करवाई थी। इस सभा में खड़गे से कामधेनु बीमा योजना की लॉन्चिंग करवाई गई। खड़गे की सभा के चार दिन बाद ही टोंक के निवाई में प्रियंका गांधी की सभा रखी गई है। हाईकमान से जुड़े नेताओं की सभाओं के पीछे भी सियासी रणनीति है। प्रियंका की सभा के जरिए सीएम कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरण साधने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक शहरों में आठ रुपए में खाने की योजना चल रही है। गहलोत ने गांवों में भी इंदिरा रसोई का सस्ता खाना उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। इसे इंदिरा रसोई योजना ग्रामीण के नाम से चलाया जाएगा। चुनावी साल में कस्बों ओर गांवों में आठ रुपए में खाने की योजना को सियासी फायदे के हिसाब से अहम माना जा रहा है। गहलोत सरकार महिला वोटर्स को फोकस कर रही है। 25 लाख महिलाओं को फ्री स्मार्टफोन दे रही है। महिलाओं के लिए इंदिरा प्रियदर्शनी फंड, फ्री राशन सहित कई योजनाएं शुरू की हैं। कांग्रेस इन योजनाओं के जरिए अब विधानसभा चुनावों में महिला वोटर्स को मैसेज देकर अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है। प्रियंका गांधी की सभा और इंदिरा रसोई ग्रामीण की लॉन्चिंग के पीछे यही रणनीति है। प्रियंका गांधी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में शुरू से सक्रिय प्रचार करती रही हैं। कर्नाटक, हिमाचल के चुनावों में प्रियंका गांधी ने जमकर चुनावी सभाएं की थी।

लोग मीट खा रहे हैं इसलिए हिमाचल में बार-बार आ रही तबाही- आईआईटी के डायरेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने भारी तबाही मचाई। दरकते पहाड़ों और धंसते घरों के वीडियो देख दुनियाभर के लोग दहल गए थे। बरसात के इस सीजन में 238 से अधिक लोगों की जान चली गई। इस प्रलय के बाद अब आईआईटी मंडी के डायरेक्टर लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा है कि हिमाचल में ये तबाही मीट खाने की वजह से आई है। उन्होंने कहा कि जानवरों पर हो रही क्रूरता के चलते ही हिमाचल में बादल फट रहे हैं। साथ ही उन्होंने बच्चों को मीट न खाने का संकल्प लेने को कहा।

आईआईटी के डायरेक्टर लक्ष्मीधर बेहरा ने कहा, अगर हम जानवरों को काटना बंद नहीं किए तो हिमाचल प्रदेश का पतन हो जाएगा। आप जानवरों को काट रहे हैं, उन जानवरों का पर्यावरण के साथ संबंध है। वो संबंध आपको दिखाई नहीं दे रहा है। आईआईटी के डायरेक्टर ने आगे कहा, जानवरों पर क्रूरता करने के चलते ही हिमाचल में बार-बार भूस्खलन और बादल फट रहा है। लोग मांस खा रहे हैं। लक्ष्मीधर बेहरा के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वो वीडियो में कहते हैं कि अच्छा इंसान बनने के लिए आपको क्या करना होगा? आपको मीट खाना बंद करना होगा। इसके बाद वो छात्रों से मीट न खाने की कसम खाने को कहते हैं।

इससे पहले भी लक्ष्मीधर बेहरा अपने एक कमेंट को लेकर सुर्खियों में थे। उन्होंने पिछले साल कहा था कि पवित्र मंत्र का जाप करके वो अपने दोस्त के घर और परिवार को बुरी आत्माओं से छुटकारा दिलाए थे। एक बार फिर हिमाचल में तबाही के पीछे मीट खाने को जिम्मेदार बता कर लक्ष्मीधर बेहरा चर्चा में हैं।

प्रसिद्ध भूविज्ञानी और स्कूल ऑफ अर्थ एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज के डीन अंबरीश कुमार महाजन ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में हालिया आपदाएं मानवजनित कारकों के साथ-साथ भूवैज्ञानिक कारणों के चलते आईं।

हेली एकमात्र रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार, जो बाइडेन को हरा सकती हैं: पोल

वाशिंगटन, एजेंसी। एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली एकमात्र रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में उभरी हैं, जो 2024 के अमेरिकी चुनावों में राष्ट्रपति जो बाइडेन को हरा सकती हैं। रिपब्लिकन नामांकन के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली एकमात्र महिला हेली ने गुरुवार को जारी सीएनएन/एसएसआरएस पोल में बाइडेन पर छह प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की। हेली की टीम ने सर्वेक्षणों का स्वागत करते हुए कहा यह सर्वेक्षण पुष्टि करता है कि कई डेमोक्रेट और रिपब्लिकन क्या कह रहे हैं। । हेली के प्रेस सचिव केन फर्नासो ने सीएनएन पोल का जवाब देते हुए कहा, व्हाइट हाउस को वापस लेने के लिए निक्की हेली हमारी सबसे अच्छी उम्मीद हैं। हमारे पास केवल एक ही मौका है। यह जीतने के लिए खेलने का समय है।

पिछले महीने के अंत में पहली रिपब्लिकन प्राथमिक बहस से बाहर निकलते हुए, हेली ने सीबीएस न्यूज़ को बताया कि वह पार्टी की 2024

की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने जा रही हैं। सीएनएन सर्वेक्षणों के अनुसार, ट्रम्प और बाइडेन के बीच संभावित दोबारा मुकाबले पर, सर्वेक्षण में शामिल 47 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे पूर्व राष्ट्रपति को चुनेंगे और 46 प्रतिशत ने कहा कि वे बाद वाले को चुनेंगे।

इसके विपरीत, 44 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ट्रम्प से बेहतर होगा, जबकि 38 प्रतिशत ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति किसी भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार से बेहतर हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस और सीनेटर टिम स्कॉट दोनों को बाइडेन के 44 प्रतिशत के मुकाबले 46 प्रतिशत वोट मिले, और न्यू जर्सी के गवर्नर क्रिस क्रिस्टी को बिडेन के 42 प्रतिशत के मुकाबले 44 प्रतिशत वोट मिले। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस 47 प्रतिशत के साथ बिडेन के साथ बराबरी पर हैं। जबकि भारतीय-अमेरिकी उद्यमी विवेक रामास्वामी 45 प्रतिशत के साथ बाइडेन के 46 प्रतिशत से पीछे हैं। गौरतलब है कि जो बाइडेन पहले से ही अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज़ राष्ट्रपति हैं। वह इस साल नवंबर में 81 साल के हो जाएंगे और अगले साल के चुनाव में दूसरा कार्यकाल चाह रहे हैं।

अफ्रीकी स्वाइन फीवर का मामला सामने आने पर स्वीडन ने विशाल क्षेत्र को किया प्रतिबंधित

स्टॉकहोम, एजेंसी। अधिकारियों ने घोषणा की है कि देश में अफ्रीकी स्वाइन बुखार का पहला मामला सामने आने के बाद मध्य स्वीडन में 800 वर्ग किलोमीटर को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। स्वीडिश कृषि बोर्ड ने गुरुवार को कहा कि छोटे शहर फगेर्स्टा के आसपास के क्षेत्र में जंगल में प्रवेश निषिद्ध होगा। हालांकि, इलाके को खाली नहीं कराया जाएगा।

यह निर्णय अगस्त के अंत से क्षेत्र में मृत पाए गए सात जंगली सूअरों में से एक में अफ्रीकी स्वाइन बुखार का पता चलने के तुरंत बाद लिया गया । समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीमारी से इंसानों को कोई खतरा नहीं है, लेकिन सुअर फार्मों के लिए यह विनाशकारी हो सकता है। जंगल तक पहुंच को प्रतिबंधित करके, अधिकारियों को उस जोखिम को कम करने की उम्मीद है जो वायरस जूते, उपकरण और वाहनों पर फैल सकता है।

चूंकि यह वायरस कुत्तों से भी फैल सकता है, इसलिए मालिकों को अपने पालतू जानवरों को जंगल में जाने से रोकने होगा। स्वीडिश नेशनल वेटरनरी इंस्टीट्यूट (एसवीए) की एसोसिएट प्रोफेसर एरिका चेनैस ने शिन्हुआ को बताया, प्रतिबंध महीनों तक और संभवत~ इससे भी लंबे समय तक रहेंगे। यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (ईएफएसए) के अनुसार, यह बीमारी 2014 से यूरोपीय संघ में मौजूद है। ईएफएसए के कार्यकारी निदेशक बर्नहार्ड यूआरएल ने मई में कहा, पिछले दशक में, अफ्रीकी स्वाइन बुखार ने यूरोपीय संघ में सुअर पालन क्षेत्र पर नाटकीय प्रभाव डाला है, और स्थानीय और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को बाधित करना जारी रखा है।

जी-20 की शुरुआत से पहले ही रूस पर राजनीति तेज, यूरोपियन यूनियन बोला- बर्ताव फिर पता चला

लंदन/न्यूयर्क, एजेंसी। जी-20 के शिखर सम्मेलन की शुरुआत होने से पहले ही रूस पर राजनीति शुरू हो गई है। यूरोपीय यूनियन के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने रूस पर हमला बोला है और कहा, यह जी 20 बैठक रूसी व्यवहार के बारे में स्पष्टता लाने का एक और अवसर है। यूक्रेन के खिलाफ इस युद्ध को शुरू करके और काला सागर को युद्ध के मैदान में बदलकर, रूस फिर से विकासशील देशों के खिलाफ एक मिसाइल दाग रहा है। बता दें कि यूरोपीय यूनियन यूक्रेन पर रूस के हमलों का विरोध करता रहा है और यूक्रेन पर युद्ध थोपने के बाद कई तरह के प्रतिबंध रूस पर लगा चुका है। यूक्रेन संकट के बाद अक्सर बंटे रहने वाले यूरोपीय संघ में एक अभूतपूर्व क़स्मि की एकता देखने को मिली है। सदस्य देशों ने न केवल यूक्रेन को

आर्थिक और सैन्य सहायता मुहैया कराई है, बल्कि रूस पर दीर्घकालिक प्रतिबंध भी लगाए हैं और अपने रक्षा तंत्र को मज़बूत किया है। यूरोपीय यूनियन ने लाखों यूक्रेनी शरणार्थियों के लिए भी अपने द्वार खोले हैं। यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप ने खुद को रणनीतिक रूप से पुनर्गठित किया है, लेकिन सुरक्षा के लिए अमेरिका और ऊर्जा संसाधनों के लिए रूस पर उसकी निर्भरता ने उसे परेशान भी किया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल 9 से 10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे थे। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने उनका स्वागत किया था। दुनियाभर के देशों में सुरक्षा, समृद्धि और सतत विकास सुनिश्चित करने में भारत और यूरोपीय संघ के साझा हित रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ दोनों सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और पेरिस समझौते के अनुरूप एक सुरक्षित, हरित, स्वच्छ, डिजिटल, अधिक लचीला और स्थिर दुनिया में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए नए तालमेल को बढ़ावा देने पर सहमत हुए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की वतन वापसी का काउंटडाउन शुरू, अगले महीने आएंगे पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। लंबे समय से यह अटकलें लगाई जाती रही हैं कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ वतन वापसी करने वाले हैं। अब इस बात की पुष्टि हो गई है कि शरीफ अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में पाकिस्तान आ सकते हैं। न्यूज-18 ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि पीएमएल (एन) सुप्रीमो के 10 से 15 अक्टूबर के बीच पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है। तीन बार के प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ 2019 से ब्रिटेन में स्व-निर्वासित जीवन जी रहे हैं। निर्वासन से लौटने पर उन्हें पाकिस्तान में अदालतों और कानूनी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा।

अगले साल की शुरुआत में पाकिस्तान में चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि नवाज शरीफ की अगुवाई में उनकी पार्टी पीएमएल (एन) अगला चुनाव लड़

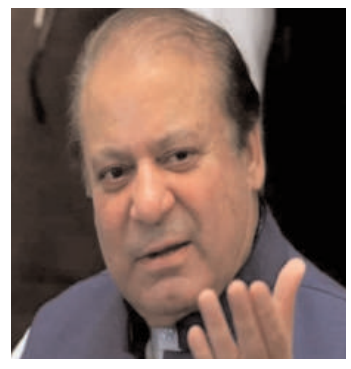

सकती है। हालांकि, पाकिस्तान में चुनाव की तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं लेकिन 2024 की शुरुआत में चुनाव होने की संभावना है। इससे पहले नवाज शरीफ के भाई और पूर्व पीएम शहबाज शरीफ ने कहा था कि नेता अक्टूबर में वापस आएंगे।

बता दें कि भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाए जाने के बाद जेल जाने के डर से नवाज शरीफ देश छोड़कर भाग गए थे। वह 2019 से इलाज के नाम पर लंदन में हैं। नेता के करीबी शीर्ष सूत्रों के अनुसार, शरीफ के खिलाफ सभी आरोप मनगढ़ंत और अवैध हैं। उन्होंने कहा कि नवाज को यकीन है कि उन्हें पूरा न्याय मिलेगा और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी।

बहरहाल, शरीफ किस तारीख को पाकिस्तान वापस आएंगे, यह तय नहीं हो सकका है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि वह 10 से 15 अक्टूबर के बीच वतन वापसी करेंगे। इससे पहले पिछले महीने नवाज शरीफ के भाई और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि उन्होंने भाई और पार्टी सुप्रीमो से मुलाकात की है और वो अक्टूबर में वतन वापस आएंगे।

नवाज शरीफ नवंबर 2019 से ब्रिटेन में स्व-निर्वासित जीवन जी रह रहे हैं। उन्हें 2018 में अल-अजीजिया मिल्स और एवेनफील्ड भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराया गया था। 73 वर्षीय राजनेता अल-अजीजिया मिल्स मामले में तब लाहौर की कोट लखपत जेल में सात साल की सजा काट रहे थे। 2019 में उन्हें चिकित्सा आधार पर लंदन जाने की अनुमति दी गई थी। संपत्ति छुपाने के मामले में पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें आजीवन अयोग्य ठहराए जाने के बाद नवाज ने 2016 में पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपीलें संबंधित अदालतों में लंबित हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129